जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 212 प्रभात उदयपुर, शुक्रवार 5 जून, 2026 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

टीएमसी के विधायकों ने जो किया वही सांसद भी करने जा रहे हैं

अटकलें हैं कि लगभग 20 सांसद टीएमसी छोड़ने की तैयारी में हैं, उन्हें भी अभिषेक बनर्जी के नियंत्रण से परेशानी महसूस हो रही है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जून। पश्चिम बंगाल विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के बाद अब बारी तृणमूल कांग्रेस के सांसदों की है।

ऐसी जोरदार अफवाहें चल रही हैं कि सांसद भी उसी राह पर बढ़ रहे हैं, जिस पर पहले विधायक चले थे। कहा जा रहा है कि तृणमूल कांग्रेस के अधिकांश सांसद अब अभिषेक बनर्जी और ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी को छोडकर बागी विधायकों के साथ जाने पर विचार कर रहे हैं।

हालाँकि सांसदों के पलायन के स्पष्ट संकेत अभी तक सामने नहीं आए हैं, लेकिन खबरें हैं कि उनमें से कुछ अलग समूह बनाने और विधानसभा में अपने बागी साथियों के साथ जुड़ने की योजना बना रहे हैं। इस विद्रोह का निशाना इस बार भी ममता बनर्जी से अधिक, उनके उत्तराधिकारी माने जाने वाले अभिषेक बनर्जी हैं।

- पार्टी के आंतरिक सूत्रों का कहना है कि जल्दी ही अधिकांश सांसद पार्टी छोड़कर ऋतब्रत के खेमे में आ जाएंगे।
- टीएमसी में ऐसे नेताओं की संख्या बढ़ती जा रही है, जो अभिषेक बनर्जी के मातहत काम करना नहीं चाहते हैं लेकिन, ममता बनर्जी का अपने भतीजे पर अगाध स्नेह है। यह भी खबरें हैं कि चुनावी हार के बाद हुई मीटिंग में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को भी खड़े होकर अभिषेक बनर्जी के लिए ताली बजाने को मजबूर किया गया।
- पार्टी नेताओं द्वारा एक के बाद एक मिल रहे झटके के बीच तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी को अपने पूर्व सहयोगी के हाथों सार्वजनिक रूप से अपमानित होना पड़ा। ममता भवानीपुर से चुनाव हार चुकी हैं और वे विधानसभा सदस्य नहीं हैं। ममता के पूर्व विश्वस्त हुमायूँ कबीर ने चुनाव से पहले ही टीएमसी छोड़ दी थी, वे दो सीटों से विजयी हुए हैं। उन्होंने एक सीट ममता को देने की पेशकश की और कहा, ममता बनर्जी खुद उनके पास आकर सीट देने की याचना करें।

ऐसे विद्रोह और राजनीतिक संकट के बीच ममता बनर्जी को उनके ही एक पूर्व करीबी सहयोगी से सार्वजनिक अपमान का सामना करना पड़ा। मुस्लिम वोटों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पूर्व तृणमूल नेता हुमायूं कबीर चुनाव से पहले ही ममता का साथ छोड चुके थे। उन्होंने दो सीटों से चुनाव जीता था और अब उन्हें एक सीट खाली करनी है।

अब वे उन दोनों सीटों में से एक सीट ममता बनर्जी को देने की पेशकश कर रहे हैं, ताकि उन्हें विधानसभा में वापसी का एक जरिया मिल सके। ममता अपने गृह क्षेत्र भवानीपुर से वर्तमान मुख्यमंत्री के हाथों चुनाव हार गई थीं।

लेकिन हुमायूं की एक शर्त है- ममता बनर्जी को स्वयं उनके पास जाकर उस सीट के लिए अनुरोध करना होगा। हुमायूं को भी पार्टी पर अभिषेक बनर्जी के बढ़ते नियंत्रण से नाराज़गी थी।

अब पार्टी का कोई भी सदस्य अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व में काम करने को राजी नहीं है और अब ये लोग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जल जीवन मिशनः पूर्व आईएएस सुबोध अग्रवाल के खिलाफ चालान पेश

जयपुर 4 जून। एसीबी मामलों की विशेष अदालत में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जल जीवन मिशन में करोड़ों रुपए के ठेके से जुड़े मामले में पूर्व आईएएस और तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य जलदाय सचिव सुबोध अग्रवाल के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया है। वहीं, मामले में पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी और संजय बडाया सहित, अन्य के खिलाफ जांच लंबित रखी गई है।

- भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने पूर्व मंत्री महेश जोशी व संजय बडाया आदि के खिलाफ जाँच लंबित रखी।

अदालत ने फिलहाल आरोप पत्र को रिपोर्ट कैटेगरी में रखा है।

एसीबी की ओर से आरोप पत्र के साथ बड़ी संख्या में दस्तावेज पेश कर अपराध की कड़ी जोड़ने की कोशिश की गई है। बताया जा रहा रहा है कि दस्तावेजों सहित संपूर्ण आरोप पत्र करीब 17 हजार पांच सौ पेज का है। पूर्व में विभाग के रिटायर व वर्तमान अधिकारियों दिनेश गोयल, कृष्णदीप गुप्ता, शुभांशु दीक्षित, सुशील शर्मा, विशाल सक्सेना, अरुण श्रीवास्तव, डीके गौड़, महेन्द्र प्रकाश सोनी, मुकेश पाठक और निरिल कुमार के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया जा चुका है। इसके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीजेपी को रैली की अनुमति नहीं देगी केन्द्र सरकार

सीजेपी फाउण्डर 6 जून को दिल्ली पहुंचेंगे और सीधे ही पुलिस थाने जाकर जंतर-मंतर पर रैली की अनुमति मांगेंगे

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जून। सूत्रों के अनुसार, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके को 6 जून को दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद सीधे गिरफ्तार किए जाने की संभावना कम है, लेकिन उन्हें उसी दिन जंतर-मंतर पर एक रैली आयोजित करने के लिए केन्द्र सरकार से अनुमति नहीं मिलेगी। यह रैली नीट परीक्षा पेपर लीक विवाद के चलते शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के लिए की जानी है।

आमतौर पर जंतर-मंतर पर किसी प्रदर्शन के लिए कम से कम एक सप्ताह पहले अनुमति लेनी होती है, लेकिन दिपके ने कहा है कि दिल्ली पहुंचते ही वे सीधे संसद मार्ग थाने जाएंगे और उसी दिन रैली की अनुमति मांगेंगे। यह दावा एक ओर भोला-भाला और वास्तविकता से दूर लगता है, तो दूसरी तरफ संदेह पैदा करता है। इसको लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। इनमें से एक यह है कि सीजेपी को आरएसएस का समर्थन और वित्तीय सहायता प्राप्त है, ठीक वैसे ही, जैसे अपने शुरुआती दिनों में आम आदमी पार्टी के बारे में आरोप लगाए गए थे। दूसरी ओर, कांग्रेस ने सीजेपी को केवल दिखावटी संगठन बताया है और कहा है कि उसके पास कोई गहरी नीतिगत सोच नहीं है। कुछ विपक्षी दल चाहते हैं कि सीजेपी खुद को अधिक स्पष्ट रूप से भाजपा-विरोधी रुख के साथ जोड़े, बजाय इसके कि वह केवल "सत्ता विरोधी रुख" का एक आम दावा करे।

- यह भी अटकलें हैं कि उन्हें दिल्ली आते ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा, लेकिन सरकार ने इस संभावना से इन्कार किया है।
- सीजेपी ने यह रैली नीट परीक्षा प्रणाली की विफलता के खिलाफ आयोजित की है, उनकी मुख्य मांग शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा है।
- नियमानुसार जंतर-मंतर पर रैली के लिए एक सप्ताह पहले अनुमति लेनी पड़ती है, पर, दिपके 6 जून को दिल्ली पहुँचेंगे और उसी दिन रैली के आयोजन की अनुमति मांगेंगे और पूरी संभावना है कि उन्हें अनुमति नहीं मिलेगी।
- सीजेपी को लेकर कई अटकलें चल रही हैं। इनमें सबसे प्रमुख है कि जैसे आप को आरएसएस का समर्थन था, वैसे ही सीजेपी को भी संघ से समर्थन व सहायता मिल रही है।

मई के मध्य में, बॉस्टन यूनिवर्सिटी से पढ़े एक युवा द्वारा शुरु किया गया, सीजेपी एक व्यंग्यात्मक युवा आंदोलन है, जो बेरोजगारी, परीक्षा पेपर लीक (विशेषकर नीट 2026), शिक्षा व्यवस्था की खामियों और शासन की विफलताओं जैसे मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करता है। अस्तित्व में आए मात्र 15 दिनों के भीतर ही सीजेपी ने सोशल मीडिया पर भारी लोकप्रियता हासिल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केरल में मानसून ने दी दस्तक, दिल्ली हुई तरबतर

दिल्ली एनसीआर में मौसम ने नाटकीय करवट ली और भारी वर्षा हुई, जिससे गर्मी से राहत मिली

- जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जून। गुरुवार को मौसम ने नाटकीय करवट ली और दिल्ली तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (नैशनल कैपिटल रीजन एनसीआर) में दोपहर का समय सांझ जैसा दिखाई देने लगा। घने बादलों और जबरदस्त धूलभरी आंधियों ने पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया।

जिस दिन (गुरुवार) दक्षिण-पश्चिम मानसून ने केरल में प्रवेश किया, उसी दिन दिल्ली और एनसीआर में भी मौसम ने अप्रत्याशित रूप से करवट बदली। काले बादल, तेज धूलभरी आंधियां और भारी वर्षा ने अपरान्ह काल में ही अंधेरे जैसा माहौल पैदा कर दिया।

दोपहर 2 बजे से 3 बजे के बीच, नोएडा और आसपास के इलाकों में आसमान इतना काला हो गया कि लोगों को रात जैसा महसूस होने लगा। वाहन चालकों को कम दृश्यता के कारण हेडलाइट्स जलानी पड़ीं। हालांकि इस तूफान ने भीषण गर्मी से राहत दी, लेकिन तेज हवाओं और उड़ती धूल ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया।

- इतने घने बादल छाए कि भरी दोपहरी में अंधकार सा लगने लगा, लोगों को गाड़ियों की हैडलाइट्स जलानी पड़ीं। बारिश से शहर के तापमान में 4 से 6 डिग्री तक गिरावट आ गई।
- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 5 जून तक के लिए क्षेत्र में यलो अलर्ट जारी किया है और दिल्ली एनसीआर में आँधी-तूफान की संभावना जताई है।
- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने अधिकृत घोषणा की कि केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून पहुँच गया है और इसके साथ वर्षा ऋतु के आगमन की घोषणा कर दी गई।

अचानक हुए इस मौसमी बदलाव के कारण जबरदस्त धूलभरी आंधियां चलीं, जिनके कारण सडकों पर पड़ा मलबा, पत्ते और धूल उड़ने लगी। इससे प्रमुख मार्गों पर पैदल और वाहन यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ।

अंधकार और तेज हवाओं के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चने की दाल के 12 दानों पर 12 ज्योतिर्लिंग

भोपाल, 04 जून (हि.स.)। मध्य प्रदेश के उज्जैन की बेटी दीक्षा कुशवाह ने मात्र 22 मिनट में आठ मिलीमीटर आकार के चने की दाल के 12 दानों पर 12 ज्योतिर्लिंगों की पेंटिंग बनाकर वर्ल्ड

- मध्यप्रदेश उज्जैन की दीक्षा कुशवाह ने 22 मिनट में चने की दाल के 12 दानों पर 12 ज्योतिर्लिंगों की पेन्टिंग बनाई और वर्ल्ड वाइड बुक ऑफ रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया।

वाइड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस उपलब्धि पर दीक्षा को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को सोशल मीडिया एक्स पर बधाई दी।

उज्जैन के ऋषि नगर निवासी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ईरान वॉर से अमेरिकन सैनिक वापस बुलाए जाएं'

अमेरिका में हाउस ऑफ रैप्रेज़ेंटेटिव्स ने प्रस्ताव पारित कर ट्रंप को निर्देश दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जून। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने बुधवार को एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें ईरान युद्ध से अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने का आदेश दिया गया है। यह कदम मुख्य रूप से प्रतीकात्मक माना जा रहा है, लेकिन इससे राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को एक राजनीतिक झटका जरुर लगा है।

ट्रंप की बहुमत वाली रिपब्लिकन पार्टी के चार सदस्यों ने इस कदम का समर्थन करने में डेमोक्रैट्स का साथ दिया। यह प्रस्ताव 215-208 वोटों से पारित होकर सीनेट में गया है, लेकिन अंतत: इसे राष्ट्रपति के वीटो का सामना करना पड़ेगा।

हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के डैमोक्रैट सदस्यों ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, "यह अमेरिकी जनता की ओर से डॉनल्ड ट्रंप को दिया गया जोरदार और स्पष्ट संदेश है कि अब समय आ गया है कि ईरान में उनके बेहद अलोकप्रिय और अवैध युद्ध को समाप्त किया जाए।"

- हालांकि, हाउस ऑफ रैप्रेज़ेंटेटिव्स का यह प्रस्ताव एक प्रतीकात्मक कदम है। पर, यह राष्ट्रपति ट्रंप के लिए एक करारा झटका है और सबसे महत्वपूर्ण बात, ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के चार सदस्यों ने प्रस्ताव का समर्थन किया, जिसकी वजह से 215 के मुकाबले 218 मतों से प्रस्ताव पारित हो गया। ऐसा पहली बार हुआ, जब रिपब्लिकन्स के नियंत्रण वाले हाउस ऑफ रैप्रेज़ेंटेटिव्स में ट्रंप के खिलाफ प्रस्ताव पारित हुआ है।
- डैमोक्रैट्स का आरोप है कि ट्रंप ने ईरान पर हमला कर संविधान का उल्लंघन किया है। वॉर पावर्स एक्ट के तहत किसी युद्ध में अमेरिकी सेना तैनात करने के बाद 60 दिनों में कांग्रेस की अनुमति लेनी चाहिए। पर वह अवधि कई सप्ताह पहले ही गुजर चुकी है।

ऐसा पहली बार हुआ है, जब रिपब्लिकन बहुमत वाली प्रतिनिधि सभा ने युद्ध शुरु होने के तीन महीने बाद ऐसा कोई प्रस्ताव पारित किया है, जिसका उद्देश्य ट्रंप को तेहरान के खिलफ सैन्य युद्ध सीमित करने के लिए मजबूर करना है।

डैमोक्रैट्स का मानना है कि यह मतदान युद्ध और शांति से जुड़े फैसलों में कांग्रेस की संवैधानिक भूमिका को फिर से स्थापित करने के उनके प्रयासों में एक संभावित निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है।

ऐसा ही एक प्रस्ताव मई के अंत में सीनेट में एक महत्वपूर्ण प्रतीकात्मक चरण पार कर चुका है। रिपब्लिकन बहुमत वाली सिनेट में भी इसे इसी सप्ताह पारित किया जा सकता है। हालांकि रिपब्लिकन नेतृत्व अंतिम मंजूरी को रोकने की कोशिश कर सकता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली अग्निकांड पर होटल मालिक चार दिन की पुलिस हिरासत में

नई दिल्ली, 04 जून। दिल्ली के साकेत कोर्ट ने मालवीय नगर अग्निकांड के मामले में गिरफ्तार किए गए होटल मालिक लवकेश बजाज को चार दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। दिल्ली पुलिस ने उसे गिरफ्तार

- दिल्ली पुलिस ने होटल मालिक लवकेश बजाज को गिरफ्तार कर गुरुवार को अदालत में पेश किया।

करने के बाद गुरुवार को कोर्ट में पेश किया।

पेशी के दौरान दिल्ली पुलिस ने चार दिनों की हिरासत की मांग की। सुनवाई के दौरान लवकेश बजाज के वकील ने कहा कि उन्हें एफआईआर की कॉपी नहीं मिली है। इस पर दिल्ली

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओटीएस चौराहे पर फ्लाईओवर बनाने के लिए नई डी.पी.आर. बनाने का आदेश रद्द

हाईकोर्ट ने पूर्व में जेसीएल इंफ्रा कंपनी को सौंपे गए प्रोजेक्ट की निविदा रद्द करने के आदेश को भी निरस्त किया

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर । जेएलएन मार्ग स्थित ओटीएस चौराहे, जो ट्रैफिक जाम के लिए सबसे कुख्यात चौराहा है, को जाम फ्री और सिग्नल फ्री करने तथा एक फ्लाईओवर, सब-वे निर्माण व सौंदर्यीकरण कार्य के 184.30 करोड़ रुपए के 2022 के टैंडर को रद्द करने पर राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर डैवलपमैंट अथॉरिटी (जेडीए) को फटकार लगायी है।

ज्ञात रहे कि यह निविदा पूर्ववर्ती सरकार के समय वर्ष 2022 में जारी हुई थी। कंपनी को 5 जनवरी 2024 तक यह यह प्रोजेक्ट पूरा करना था, लेकिन जेडीए प्रशासन ने एमएनआईटी और ओटीएस से जमीन ही अवाप्त नहीं की। इसके विपरीत, जेडीए ने इस निविदा को 24 अप्रैल 2024 को रद्द करते हुए ओटीएस चौराहे पर फ्लाईओवर के लिए 83 करोड़ रुपए की लागत से फ्लाई ओवर की नई डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डी.पी.आर.) बनाने की निविदा जारी कर दी। जेडीए द्वारा पूर्व के टैंडर निरस्त करने को चुनौती देते हुए जेसीएल इंफ्रा प्रा. लि. ने राजस्थान हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

इस प्रकरण पर सुनवाई करते हुए, राजस्थान हाईकोर्ट के जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने 83 करोड़ रुपए की लागत से डीपीआर बनाने के टैंडर

- अदालत ने मुख्य सचिव को आदेश दिए हैं कि, जेडीए और जेसीएल इंफ्रा के बीच हुए अनुबंध को निरस्त करने के कारणों की जांच करवाएं, साथ ही दोषी अफसरों पर 2 माह में कार्रवाई करें।
- अदालत ने जेडीए को फटकारते हुए कहा कि "इस प्रकरण में जेडीए के प्रभारी अधिकारी की ओर से कोर्ट में गलत बयानबाजी की गई है, जिसके तथ्य रिकॉर्ड से अलग पाए गए हैं, इसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।"
- अधिवक्ता एस.एस. होरा ने कहा कि, याचिकाकर्ता कंपनी को दिया हुआ ठेका अकारण और सुनवाई किए बिना जेडीए ने वापस लिया है, जबकि कंपनी ने ड्रॉइंग्स और डिज़ाइन तैयार कर अनुमोदन के लिए पेश कर दिए थे। यहां तक कि प्रोजेक्ट के लिए पर्याप्त संसाधन भी जुटा लिए थे, लेकिन जरूरी अनुमतियां व साइट पर जमीन मुहैया नहीं करवाने के कारण काम आगे नहीं बढ़ सका।"

आदेश को रद्द कर दिया है। अदालत ने जेडीए को कहा है कि वह पूर्व में हुए अनुबंध के आधार पर ही प्रोजेक्ट को आगे बढ ए। साथ ही, हाईकोर्ट ने पूर्व का अनुबंध निरस्त करने के कारणों की जांच करने के आदेश दिए हैं, ताकि जिम्मेदार अफसरों की जवाबदेही तय की जा सके। अदालत ने मुख्य सचिव को कहा है कि वे दोषी अफसरों पर 2 माह में उचित कार्रवाई करें। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने ये आदेश जेसीएल इंफ्रा प्रा. लि. की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता कंपनी जेसीएल इंफ्रा की ओर से अधिवक्ता एस.एस.होरा तथा जेडीए की ओर से अधिवक्ता अमित कुडी व अभियांत्रिकी निदेशक देवेन्द्र गुप्ता पैरवी के लिए पेश हुए थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्यसभा के लिए कांग्रेस ने 7 प्रत्याशी घोषित किए

नई दिल्ली, 04 जून। कांग्रेस ने राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव 2026 के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की मंजूरी के बाद सात उम्मीदवारों के नामों पर अंतिम मुहर

- राजस्थान से नीरज डांगी और कर्नाटक से मल्लिकार्जुन खड़गे, पवन खेड़ा के नाम घोषित

लगाई गई है। सूची में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा को कर्नाटक से उम्मीदवार बनाया गया है।

कांग्रेस की ओर से जारी सूची के अनुसार, कर्नाटक से मल्लिकार्जुन खड़गे, पवन खेड़ा और मंसूर अली खान को उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं मध्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

बुद्धि से विचार कर किए गए कर्म ही सफल होते हैं। –महाभारत

तरसेंगे हम पीने के पानी को

पानी.... जीवन की वह मूलभूत आवश्यकता है जिससे मानव, पशु, और सारा जीव-जंतु जुड़ा हुआ है। परंतु आज जब हम शुद्ध पानी की बात करते हैं, तो यह केवल एक भौतिक आवश्यकता नहीं रह जाती; यह हमारे सभ्य जीवन का दर्पण बन जाती है। जिस देश में नदियाँ बहती हैं और वर्षा होती है, वहां भी अनेक स्थानों पर लोग उस एक गिलास साफ पानी के लिए तरस रहे हैं। यह त्रासद स्थिति सिर्फ संसाधन की कमी नहीं, बल्कि नीतियों, प्रवर्तन, नेतृत्व, और समाज की प्राथमिकताओं की विफलता का संकेत है।

भारत विविधता की भूमि है। हिमालय की हिम-जलधाराएँ, समुद्रतटों की वर्षा-पवन प्रणालियाँ, पश्चिमी और पूर्वी नदी घाटियाँ सब मिलकर जल की एक समृद्ध तस्वीर पेश करते हैं। फिर भी स्नान के लिए पानी है, खेती के लिए पानी है, उद्योगों को पानी मिल जाता है, किंतु पीने के शुद्ध जल की उपलब्धता असमान और अक्सर अपर्याप्त है। शहरी और ग्रामीण दोनों ही क्षेत्र पीने के पानी की चुनौती से जूझ रहे हैं, पर कारण और प्रभाव भिन्न हैं। शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता, पाइपलाइन नेटवर्क, रिचार्ज की कमी, और प्रदूषण बड़े कारण हैं; ठाामीण क्षेत्रों में पक्की इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी, भूजल का प्रदूषण, तथा जल-व्यवस्थापन की अपर्याप्त समझ मुख्य बाधाएँ हैं।

भूजल पर अत्यधिक निर्भरता ने समस्या को और जटिल बना दिया है। खेती में अनियंत्रित बोरवेल ड्रिलिंग, उद्योगों का अतिव्यापी उपयोग, और शहरी उपभोक्ता मांग ने पानी के स्तर को लगातार कम कर दिया है। परिणामस्वरूप नल सूखते हैं, हैंडपम्प गड़बड़ा जाते हैं, और जो मिल भी जाता है वो अक्सर प्रदूषित। प्रदूषण का स्त्रोत भी बहुस्तरीय है: औद्योगिक अपशिष्ट, कृषि रसायन (कीटनाशक और उर्वरक), घरेलू सीवेज, तथा ठोस अपशिष्ट जो जल स्त्रोतों में जा कर जल को जहरीला बना देते हैं। नदी और झीलें न केवल गंदी होती जा रही हैं, बल्कि हमारे औचित्यहीन उपयोग से कमजोर भी होती जा रही हैं।

जल संकट केवल भौतिक अभाव नहीं है; यह असमानता भी है। शहरों के धनी मोहल्लों में पानी की उपलब्धता बेहतर होती है जबकि झुग्गी-झोपड़ी और ग्रामीण ग्रामीण क्षेत्र अभी भी रोज पानी लाने के लिए लंबी दूरी तय करते हैं। यह असमानता स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक अवसरों पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। पानी से जुड़ी बीमारियाँ डायरिया, स्कर्वी नहीं, बल्कि जलीय रोगों की पुनरावृत्ति बच्चों की मृत्युदर और काम करने की क्षमता को कम करती हैं। महिलाएँ और बालिकाएँ पानी लाने की जिम्मेदारी में समय खो देती हैं, जिससे उनके शिक्षा और सामाजिक भागीदारी प्रभावित होती है।

समस्या की जड़ में जननीति और कार्यान्वयन की कमी भी है। कई योजनाएँ और नियम तो बने हैं, पर उनका क्रियान्वयन कमजोर है। जलमंडल पर आधारित योजना, लोकभागीदारी, और संस्थागत सहकारिता की आवश्यकता है। स्थानीय समाजों को सशक्त करके, पानी का सुरक्षित प्रबंधन और संरक्षण सुनिश्चित किया जा सकता है। केवल नीतियाँ बनाना पर्याप्त नहीं; निगरानी, पारदर्शिता, और जवाबदेही उतनी ही जरूरी हैं ताकि योजना जमीन पर दिखे और असर दे।

हमारे पास समाधान भी हैं, और वे तकनीकी से लेकर पारंपरिक तक विस्तारित हैं। सबसे पहले जल संरक्षण और पुनः उपयोग को प्राथमिकता देनी होगी। वर्षा जल संचयन सरल और प्रभावी उपाय है, जिसे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में अपनाया जा सकता है। छतों, सडक़ों और सार्वजनिक स्थलों पर जल संचयन संरचनाएँ बनाकर वर्षा के पानी को रोक कर भूमिगत जलस्त्रोतों को रिचार्ज किया जा सकता है। साथ ही छोटे बाँध, तालाब, और अपशिष्ट जल के उपचार के बाद पुनः उपयोग, विशेषकर बागवानी और उद्योगों के लिए, पानी की मांग को कम कर देते हैं।

> **हमारे पास समाधान भी हैं, और वे तकनीकी से लेकर पारंपरिक तक विस्तारित हैं। सबसे पहले जल संरक्षण और पुनः उपयोग को प्राथमिकता देनी होगी। वर्षा जल संचयन सरल और प्रभावी उपाय है, जिसे शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में अपनाया जा सकता है। छतों, सड़क़ों और सार्वजनिक स्थलों पर जल संचयन संरचनाएँ बनाकर वर्षा के पानी को रोक कर भूमिगत जलस्त्रोतों को रिचार्ज किया जा सकता है। साथ ही छोटे बाँध, तालाब, और अपशिष्ट जल के उपचार के बाद पुनः उपयोग, विशेषकर बागवानी और उद्योगों के लिए, पानी की मांग को कम कर देते हैं।**

कृषि में पानी की बचत के लिए ड्रिप इरिगेशन, सूखी फसल चक्र और जल कुशल फसलें अपनाने की आवश्यकता है। किसान को प्रशिक्षित कर, सस्ता और उपलब्ध तकनीक प्रदान करके बड़े पैमाने पर जल उपयोग को घटाया जा सकता है। सिंचाई की योजना बनाते समय स्थानीय जल-स्तर और मौसमी पैटर्न का ध्यान रखना होगा, ताकि जमीन की उर्वरता और जल-स्तर दोनों सुरक्षित रहें।

नियमन और प्रदूषण नियंत्रण का कठोर पालन जरूरी है। उद्योगों और कस्बों से निकलने वाले सीवेज का उपचार अनिवार्य बनाना होगा। नदी घाटियों और जलाशयों के किनारों पर अतिक्रमण रोका जाए, और गंदगी ढेर करने वाले स्थानों पर निगरानी बढ़ाई जाए। सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण सुरक्षा के लिए जल गुणवत्ता मानक सख्त किए जाएँ और उनका पालन सुनिश्चित करने के लिए स्वच्छता जांच तंत्र को प्रभावी बनाना होगा।

जल प्रशासन में लोगों की भागीदारी अहम है। जल उपयोग, संरक्षण और वितरण से जुड़े निर्णयों में स्थानीय समुदायों को शामिल करना पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान का समन्वय कर सकता है। पंचायत स्तर पर जल समितियाँ काम कर सकती हैं जो पानी के उपयोग के नियम बनाएँ, रिचार्ज परियोजनाओं पर निगरानी रखें और हितधारकों के बीच समन्वय स्थापित करें। शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रमों से लोग सरल व्यवहारिक बदलाव जैसे नल बंद रखना, गंदा पानी न बहाना, और घरेलू उपचार अपनाना करने के लिए प्रेरित होंगे।

प्रौद्योगिकी भी इस संकट में सहायक हो सकती है। सस्ती जल परीक्षण किटें, स्मार्ट मीटरिंग, और डेटा-आधारित जल प्रबंधन से आपूर्ति और मांग का संतुलन बनाया जा सकता है। उपग्रह और जियो डेटा भूजल स्तर की निगरानी में मदद करते हैं और समय पर हस्तक्षेप संभव बनाते हैं। पर तकनीक तभी फलदायी होगी जब वह स्थानीय संदर्भ में लागू हो और समुदाय के हाथ में सेवा की तरह पहुँचे, न कि महँगी और जर्जर परियोजनाओं की तरह।

अर्थव्यवस्था भी एक कारक है। पानी को सस्ती और असीम संसाधन मानकर उपयोग करना महँगा पड़ रहा है। पानी की असल कीमत और उसकी बाह्य लागतों (जैसे स्वास्थ्य, पर्यावरण, पुनर्स्थापन) को समझ कर नीति निर्माताओं को पानी के प्रबन्धन के आर्थिक मॉडल बनाए जाने चाहिए। टैक्स नीति, सब्सिडी का निर्धारण और पानी के उचित मूल्य निर्धारण से गैर-जरूरी उपयोग को रोका जा सकता है, किन्तु इसके साथ सामाजिक सुरक्षा की भी व्यवस्था आवश्यक है ताकि गरीबों की आजीविका प्रभावित न हो।

हमारे सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल भी पानी की रक्षा के लिए प्रेरणा दे सकते हैं। इतिहास में जल-पूजन, तालाब, और पवित्र नदियों की परंपरा रही है जो केवल जल का धार्मिक महत्व ही नहीं, सामाजिक साझा करने का बोध भी देती है। इस संवेदनशीलता को फिर से जगाकर और इसे आधुनिक सबक के साथ जोड़कर हम पानी के प्रति सम्मान और संरक्षण का भाव बढ़ा सकते हैं।

यदि हम आज भी देर करें तो आने वाली पीढ़ियाँ वही सवाल करेंगी जो हमने पूछा: हमने क्या किया? क्या हमने अपने नदियों, तालाबों और भूमिगत जल को बचाया? जवाब तभी सकारात्मक होगा जब नीति, तकनीक, समुदाय और संस्कृति एक साथ काम करें। पानी के हर एक बूंद का महत्त्व समझें; नल से बहती पानी की हर बूँद की कीमत जानें; वर्षा को रोकें नहीं, सम्हालें; और अपने बच्चों को पानी का सम्मान सिखाएं। तभी हम उस दिन से बच पाएँगे जब सचमुच हर गली, हर घर में "तरसेंगे हम पीने के पानी को" केवल एक कड़वी याद न बन कर एक चेतावनी ही बनी रहे।

–अतिथि संपादक
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

विश्व पर्यावरण दिवस विशेष (5 जून)......

जयपुर: छह सौ बावड़ियों का विलाप

भू-जल के अंधाधुंध दोहन, कंक्रीट विस्तार और नीतिगत लापरवाही ने पारंपरिक जल संरचनाओं को किया खत्म

मणिमाला शर्मा

एक समय जल-संरक्षण की मिसाल रहा जयपुर आज अति-दोहित भू-जल, प्रदूषण और अतिक्रमण के बोझ तले कराह रहा है। सवाल यह है कि क्या शहर अपनी खोई हुई जल-स्मृति को वापस पा सकेगा

हम एक ऐसे आत्मघाती और संवेदनहीन दौर में जी रहे हैं जहाँ प्यास से तड़पते गले और सूखती नदियां भी हमारी सोई हुई चेतना को जगाने में नाकाम साबित हो रही हैं। हर साल पांच जून को पर्यावरण दिवस के नाम पर रस्मी तौर पर कुछ सरकारी पौधे रोप देना, वातानुकूलित कमरों में बैठकर जल संकट पर चिंता जताना और प्रकृति-प्रेम का ढोंग रचना हमारी आदत बन चुकी है। लेकिन इस पाखंड की ओट में छिपा डरावना सच यह है कि जब हम मंचों से पानी बचाने की खोखली दुहाई दे रहे होते हैं, तब तक राजधानी जयपुर की एक बड़ी आबादी पानी की एक-एक बूंद के लिए सड़कों पर टैंकरों के पीछे भागने को अभिशप्त हो चुकी होती है। शहर अब पूरी तरह कंक्रीट के जंगल में तब्दील होने के कगार पर पहुँच चुका है। पहले चारों ओर जहाँ हरियाली दिखाई देती थी वहीं अब बहुमंजिली इमारतों ने हरियाली की जगह ले ली है। हरियाली अब बस बालकनी और छतों पर तखे हुए गमलों में सिमट कर रह गई है। इसका मुख्य संकट जल संकट के रूप में सामने आया है।

जयपुर का जल संकट अब कोई दूर की कौड़ी या भविष्य की चेतावनी नहीं है; यह हमारे वर्तमान का वह जलता हुआ यथार्थ है जो हमारी चौखट तक आकर हमें निगलने को तैयार खड़ा है। इस संकट का सबसे खौफनाक चेहरा देखना हो, तो हमें जयपुर की मरती हुई कोख को समझना होगा। केंद्रीय भू-जल बोर्ड और राज्य सरकार की संयुक्त गतिशील भू-जल संसाधन आकलन की ताज़ा रिपोर्ट किसी भी संवेदनशील समाज को हिलाकर रख देने के लिए काफी है।

इस रिपोर्ट के चौंकाने वाले आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि जयपुर जिला पूरी तरह अति-दोहित यानी क्षमता से अधिक शोषित की श्रेणी में आ चुका है। इस रिपोर्ट के चौंकाने वाले आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि राजस्थान के कुल तीन सौ दो भू-जल क्षेत्रों में से सत्तर प्रतिशत से अधिक यानी दो सौ चौदह क्षेत्र अति-दोहित यानी क्षमता से अधिक शोषित की श्रेणी में आ चुके हैं। जयपुर शहर के भीतर और बाहरी औद्योगिक क्षेत्रों में पानी का दोहन इसकी प्राकृतिक पुनर्भरण क्षमता से कई गुना ज्यादा है। हम पाताल से लगातार पानी खींच रहे हैं, जिसे वैज्ञानिक भाषा में भू-जल का क्रूर खनन कहा जाता है। राज्य में भू-जल निकालने की रफ्तार इसके रीचार्ज होने की रफ्तार से 149 फीसदी अधिक है। यानी हम आने वाली पीढ़ियों के हिस्से का पानी आज ही निचोड़ रहे हैं। हम केवल अपना आज नहीं उजाड़ रहे, बल्कि अपनी आने वाली पीढ़ियों के हिस्से का जीवन भी आज ही खींचकर ख़त्म कर रहे हैं।

इस भयानक तबाही का सबसे बड़ा कारण यह है कि हमने आधुनिकता के नशे में चूर होकर जयपुर की सदियों पुरानी जल-प्रणालियों की बेरहमी से हत्या कर दी।

महाराजा सवाई जयसिंह और उनके बाद के दूरदर्शी शासकों ने जब इस शहर को बसाया था, तो इसके जल प्रबंधन के लिए एक अभूतपूर्व ढांचा तैयार किया था। इतिहासकारों के अनुसार, जयपुर के परकोटे और उसके आस-पास पानी सहेजने के लिए छह सौ से अधिक कुओं और बेजोड़ बावडियों का एक ऐतिहासिक जाल बिछाया गया था। लेकिन तथाकथित स्मार्ट और आधुनिक बनने की होड़ में हमने क्या किया? हमने उन छह सौ ऐतिहासिक जल-स्त्रोतों को ज़मीदोज़ कर दिया। आज हालत यह हैं कि उन छ सौ जल स्त्रोतों में से आज गिनती की बीस बावडियां भी ठीक से सांस नहीं ले पा रही हैं। पन्ना मीणा का कुंड, सागर बावड़ी या चीला बावड़ी जैसी चंद बची हुई धरोहरें भी आज पानी सहेजने के बजाय सिर्फ पर्यटन का केंद्र बनकर रह गई हैं। जबकि बाकी की सैकड़ों बावडियों को हमने कचराघर बना दिया या उन पर बहुमंजिला इमारतें खड़ी कर दीं। जब पूरे शहर की जमीन पर कंक्रीट और डामर की अभेद्य परत बिछ जाएगी, तो मानसून का पानी धरती के भीतर जाएगा कैसे?

द्रव्यवती नदी को संवारने के नाम पर उसे कंक्रीट के नाले में बदल दिया गया, और रामगढ़ बांध से लेकर आमेर की झीलों के भराव क्षेत्र पर भू-माफियाओं ने नेताओं और नौकरशाहों की साठगांठ से कब्जा कर लिया। यही वजह है कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण को राज्य के लचर और ढीले भू-जल नियमों पर सख्त हथौड़ा चलाना पड़ा और उनके दिशा-निर्देशों को खारिज करना पड़ा। आज स्थिति यह है कि मानसून की थोड़ी सी बारिश भी जयपुर की सड़कों को दरिया बना देती है क्योंकि पानी के पास जमीन के भीतर जाने का कोई रास्ता ही नहीं बचा है।हैरानी और क्षोभ की बात यह है कि इस पूरे जल संकट की बहस को चालाकी से केवल आम आदमी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी बताकर छोड़ दिया जाता है। परकोटे के नागरिक से कहा जाता है कि वह नहाते समय बाल्टी का इस्तेमाल करे या ब्रश करते समय नल बंद रखे;जो कि नागरिक चेतना के स्तर पर बिल्कुल सही और जरूरी भी है।

लेकिन जयपुर के आसपास की उन विशाल व्यावसायिक और औद्योगिक इकाइयों का क्या, जो हर दिन जो एक लीटर शीतल पेय, एक कपड़ा या एक टन कागज बनाने के लिए जमीन के सीने से लाखों लीटर पानी डकार जाती हैं? उद्योगों द्वारा फैलाए जा रहे इस जानलेवा जल-निशान पर नीति-निर्माता हमेशा रहस्यमयी चुप्पी साध लेते हैं। वार्षिक भू-जल गुणवत्ता रिपोर्ट के डरावने निष्कर्ष बताते हैं कि जयपुर के कई शहरी और औद्योगिक इलाकों का भू-जल अब सिर्फ खत्म नहीं हो रहा, बल्कि वह फ्लोराइड और नाइट्रेट के अत्यधिक रिसाव के कारण जहरीला और पीने के लिए असुरक्षित हो चुका है।जयपुर का जल संरक्षण केवल पेड़ के नीचे बैठकर आंसू बहाने या हर साल पांच जून को एक औपचारिक कार्यशाला आयोजित करने से नहीं होगा। इसके लिए कड़े कानूनी और नीतिगत फैसलों की जरूरत है।

नगर निगम के साथ ही राज्य सरकार को भी अब कड़े कदम उठाने होंगे ताकि पर्यावरण को नुकसान न पहुँचे। भवन निर्माण उप-नियमों के तहत जयपुर की हर नई और पुरानी व्यावसायिक और आवासीय इमारत में वर्षा जल संचयन को केवल कागजी नक्शों में नहीं, बल्कि जमीन पर अनिवार्य किया जाना चाहिए और इसका उल्लंघन करने वालों पर सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। सरकार को अपने भारी-भरकम बजट का एक बड़ा हिस्सा जयपुर की परित्यक्त बावडियों और जोहड़ों की गाद निकालने और उन्हें पुनर्जीवित करने में लगाना चाहिए। इतिहास गवाह है कि दुनिया की बड़ी-बड़ी और महान सभ्यताएं सोने या हथियारों की कमी से नहीं, बल्कि पानी की कमी के कारण नेस्तनाबूद हुईं। यदि हम आज भी इस भीषण हकीकत को देखकर अपनी आंखें मूंद रहे हैं, तो यकीन मानिए, अगला विश्व युद्ध सीमाओं के लिए नहीं, बल्कि पानी की आखिरी बोतल के लिए लड़ा जाएगा।

कंक्रीट के आलीशान मकान, चमचमाती गाड़ियां और तिजोरियों में बंद पैसा आपकी प्यास नहीं बुझा पाएंगे। प्रकृति हमें अपनी गलतियां सुधारने का आखिरी और अंतिम मौका दे रही है। यदि इस पर्यावरण दिवस पर भी हमारी नीति और नियत नहीं बदली, तो जयपुर का वैभव सिर्फ इतिहास की किताबों के पन्नों पर बचेगा और आने वाली पीढ़ी हमारी इस आपराधिक लापरवाही के लिए हमें कभी माफ नहीं करेगी।

–मणिमाला शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार और विश्लेषक

"कॉकरोच जनता पार्टी"......डरना जरूरी नहीं है

राम निवास बैरवा

भारतीय उप महाद्वीप में कई देश हो सकते हैं, परन्तु सभी की आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक समस्यायें लगभग एक जैसी ही हैं। इस उप-महाद्वीप के आंदोलन भी लगभग एक समान हैं। श्रीलंका में और बाद में बांग्लादेश में युवाओं का कथित आंदोलन जहां पुरानी राजनीतिक पार्टियों के हाथों चला गया, वहीं नेपाल में एक नई पार्टी बनाकर सत्ता प्राप्त की, लेकिन कुछ मूलभूत समस्याओं के सुधारवादी उपायों के अलावा नेपाल में और कोई खास परिवर्तन नहीं किए जा सके।

भारत में भी उन्हीं समस्याओं को लेकर आम आदमी पार्टी बनी, और दिल्ली में सरकार बनाकर केंद्र में बैठी भारतीय जनता पार्टी की सरकार की आँख की किरकिरी बनी। परिणाम किसी से छुपा नहीं है। वहां के मुख्यमंत्री सहित कई मंत्रियों को जेल भेजा गया, बिना किसी प्रमाणित अपराध के। इसी से सीख लेकर तमिलनाडु में परम्परागत द्रमुक और अन्नाद्रमुक की रस्साकस्सी के बीच भाजपा ने फिल्म अभिनेता विजय थलपति (सी. जोसेफ विजय) को आगे करके उसकी टीवीके (Tamilaga Vettri Kazhagam TVK) नाम की पार्टी के जरिए तमिलनाडु की मजबूत पार्टियों को समाप्त करने की कोशिश की और सफल रही।

इसी बीच एक मामूली सी बात को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकान्त ने व्यक्तिगत रूप से उलाहना देने वाले शब्द 'कॉकरोच' का इस्तेमाल करके पूरे बेरोजगार युवाओं को 'कॉकरोच' और 'परजीवी' कहकर उसे एक सामूहिक गाली में बदल दिया। "आम आदमी पार्टी" के एक पुराने कार्यकर्त्ता अभिजीत दीपके ने मुख्य न्यायाधीश द्वारा दी गई उस गाली को एक व्यंग के रूप में "कॉकरोच जनता पार्टी" के नाम से सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया। देखते ही देखते करोड़ों लोगों ने सोशल मीडिया पर समर्थन देकर उसे एक राजनीतिक पार्टी में बदल दिया। दीपके अरविंद केजरीवाल की तरह आम सभाएं नहींकर सकते थे, लेकिन शीघ्रता से प्रचारित-प्रसारित होने वाले सोशल मीडिया के माध्यम से करोड़ों लोगों के बीच पहुँच बना ली। जैसा कि हमेशा ही होता है, सरकार उस व्यक्ति या उन लोगों को व्यक्तिगत निशाना बनाना शुरू कर दिया है- जैसे कि युवा-बेरोजगार इस देश के दुश्मन हों और पाकिस्तान में बैठकर भारत सरकार के खिलाफ कोई राजनीतिक अभियान चला रहे हों।

"युवा कौन होते हैं और उनका भविष्य क्या है?"

दरअसल युवक आबादी का वह हिस्सा होते हैं जिनको देश के भावी कर्णधार बताकर उनकी झूठी तारीफ की जाती है। पर वे सत्ताधारी लोगों और उनकी पार्टियों की नजरों में वही होते हैं जैसा सत्ता के एक प्रमुख अंग, मुख्य न्यायाधीश ने उन्हें संबोधित किया है, 'कॉकरोच', 'परजीवी'।

वे परजीवी, कॉकरोच क्यों हैं?

कृषि अनगिनत बेरोजगारों को अपने में समाहित कर लेती ह उन्हें भूखा नहीं मरने देती है। परन्तु आधुनिक और मॉडर्न शिक्षा पद्धति बेरोजगार पैदा करने की फैक्ट्रियां बनी हुई हैं। वे युवा हैं, बेरोजगार हैं, परंतु वे किसान नहीं हैं, वे मजदूर नहीं हैं, उनकी राष्ट्रीय उत्पादन में कोई भागीदारी नहीं है, उनकी राष्ट्रीय उत्पादन में कोई भूमिका नहीं होती है, इसलिए वे परजीवी हैं, इसलिए वे कॉकरोच हैं। जब वे स्कूल, कॉलेजों नामक फैक्ट्रियों से बाहर निकलते हैं तो वे न तो युवा होते हैं न ही देश के कर्णधार। वे सिर्फ बेरोजगार होते हैं जिन्हें रोजगार की तलाश है। और रोजगार देने वालों के लिए वे हिन्दू होते हैं, रोजगार देने वालों के लिए वे मुसलमान होते हैं, रोजगार देने वालों के लिए वे ईसाई और आदिवासी होते हैं। इससे भी आगे बढ़कर वे अनुसूचित जाति के होते हैं, वे अनुसूचित जनजाति के होते हैं, रोजगार देने वालों के लिए वे बनिया, गुप्ता, माहेश्वरी होते हैं। कहीं वे यादव होते हैं तो कहीं चमार होते हैं। लेकिन रोजगार देने वालों के लिए वे 'कर्मचारी' नहीं होते है, रोजगार देने वालों के लिए वे मजदूर नहीं होते हैं। वे सिर्फ नाकरी मांगने वाले होते हैं। इसीलिए वे एक वेकेंसी के पीछे सैंकड़ों हजारों की संख्या में ऐसे दौड़ते है .... ऐसे दौड़ते हैं ... जैसे कॉकरोच।

जब युवाओं की, देश के भावी कर्णधारों की कोई पहचान ही नहीं है तो वे सामन्तवाद के ताने-बाने से ही अपनी पहचान बनाते हैं। यहीं पहचान उन्हें कॉकरोच बनाती है, यही पहचान उन्हें परजीवी बनाती हैं, जिन्हें परजीवियों की सत्ता अपने मनमुताबिक ढ़ालकर उनका इस्तेमाल करती है। सरकार की नजरों में वे बेशक बेरोजगार हो परन्तु वे दया के पात्र होते हैं, परजीवी हैं। शुक्र है न्यायाधीश महोदय ने उनको कॉकरोच, परजीवी की तो पहचान दी; अन्यथा कॉलेजियम के अनुसार तो वे अदालत के अदब तक नहीं जानते।

आखिर वे अदाब कहां से सीखंगे, जब रोजगार देने के नाम पर ली जाने वाली परीक्षाएं एक मजाक बन कर रह जाती हैं। वैसे तो हर साल, कई वर्षों से परीक्षाओं के पेपर समय से पहले ही लीक कर दिये जाते हैं और नौकरियों के लिए चयन प्रक्रियाएं अधर में लटका की जाती है। इसी वर्ष, 2026 में नीट-यूजी की परीक्षाओं के पेपर लीक करवा के लाखों डॉक्टर- इंजिनियर बनने का सपना देखने वाले बेरोजगारों को कॉकरोच – परजीवी बनाने का ही तो तरीका है। ... और, ग्लोबलाइजेशन की कई शर्तों में से एक शर्त यही तो है कि प्रशासनिक खर्चों में 30 प्रतिशत की कमी करना होगा जिनमें नौकरियों को समाप्त करना भी शामिल है। नौकरियां कैसे खतम हों, खाली पदों का लालच दो पर उन्हें पूरा नहीं करो। नौकरियों के इंतजार में युवा ओवरएज होकर राजनीतिक दलों और माफियाओं के लिए काम करने वाले बनने को मजबूर होंगे ही।

सी.बी.एस.ई. के एक लडके वेदांत ने जब पूरी सरकार और सी.बी.एस.ई. के परीक्षा तंत्र और नाकामियों को उजागर किया तो पूरी सरकार, उसका मीडिया, पूरा सी.बी.एस.ई तंत्र उस बच्चे को गलतसाबित करने की कोशिशें की और उनका ब्रह्मास्त्र भी चला कर उसे पाकिस्तानी कह दिया। युवाओं में सरकार को गलत साबित करने की पूरी क्षमता भी है, परंतु सरकारी तंत्र के सामने बेबस होर रह जाते हैं। जब वे सरकारी तंत्र को गलत साबित हैं तो वे महज युवा नहीं होते हैं, बल्कि वे देश की चिंता कर रहे होते हैं, वे एक इमानदार और जिम्मेदार सरकारी तंत्र की चाहत रखते हैं। उनकी इसी चाहत को खतम करने के लिए, उनकी इसी चाहत को जनता की, मजदूरों की, किसानों की अग्रिम वैचारिक पंक्ति नहीं बनने देने के लिए ही उन्हें कॉकरोच और परजीवी की दिया जाता है।

ऐसे में राजनीतिक पार्टियां उन्हें हिन्दू, मुसलमान, ईसाई, आदिवासी, भंगी, चमार, यादव, जाट, ब्राह्मण, बनिया बनाकर उनका इस्तेमाल करती हैं। राजनीतिक पार्टियों के इस्तेमाल किए जाने के लिए पहली शर्त उन युवाओं का बेरोजगार होना जरूरी है। दूसरी शर्त, उनकी क्षमता पर निर्भर करता है कि वे संपत्तियों कितनी तोड़-फोड़ कर सकते हैं, कितना हंगामा कर सकते हैं, कितनी भीड़ जुटा सकते हैं और कितना पैसा इकट्ठा करके पार्टी फंड के नाम से बडे.नेताओं को दे सकते हैं और अपनी खुद की आर्थिक स्थिति को भी अच्छी बनाकर अपनी ही जाति, अपने ही धर्म में सम्मानित व्यक्ति बनकर वार्ड मेंबर, सरपंच, एम.एल.ए, एम.पी. यहां तक कि मंत्री भी बन सकता है और अपने विवेक को अपनी बुद्धि को मेजें थपथपाने और हाथ खड़ा करने में प्रकट करता है।

लेकिन किसी युवा को न तो मजदूर बनने दिया जाता है और न ही किसान। वे अस्थाई मजदूर बन सकते हैं। उनके जीवन में सामाजिक स्थायित्व नहीं आ पाता। इसी कारण वे किसी भी सामाजिक, राजनीतिक या आर्थिक परिवर्तन के संवाहक नहीं बन पा रहे हैं।

युवाओं आंदोलन क्रांति में नहीं बदलते हैं।मजदूरों के, किसानों के आंदोलन अंततः राजनीतिक क्रांति में बदल जाते हैं, जिनका पहला काम अर्थव्यवस्था को बदलना होता है। फ्रांस का 1793 का किसान आंदोलन "रोटी मांगने वाले किसान केक क्यों नहीं खाते" जैसे अबोध बच्ची के कथन को कटाक्ष मानकर फ्रांस के पूरे राजपरिवार को खतम कर चुका था। "कॉकरोच-परजीवी" का कथन अबोध बच्ची जैसा कथन नहीं था, और ना ही मजदूरों-किसानों के लिए था बल्कि एक पीढ़ी, युवा पीढ़ी पर पूरे सरकारी तंत्र द्वारा किया गया कटाक्ष था।

संविधान के अन्तर्गत निर्मित सरकार और उसके विभिन्न अंगों का ढांचा दरअसल बच्चों और युवाओं का संरक्षक होना चाहिए। लेकिन कोई भी सरकारी तामझाम और संवैधानिक प्राधिकारी उन युवाओं का संरक्षक नहीं बन कर उन्हें तिरस्कृत करने में लगा हैं। पीढ़ियों के सामाजिक अन्तर को GEN-Z (जनरेशन-जेड) कहकर उनकी ब्रांडिंग कर रहे हैं जबकि भारत के युवाZEN-G (Zen-Generation) यानि कि शांत और गम्भीर पीढी (जेन-जनरेशन) बनी हुई है और संवैधानिक व्यवस्था से अपनी अपेक्षाएं बनाए रखे हुए हैं। वे अभी आखरी पीढ़ी (Gen-Z) नहीं बनना चाहती, यह बात सरकारों और संवैधानिक पदाधिकारियों को समझ लेनी चाहिए।

नीट पेपर लीक मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक आराधे की पीठ ने टिप्पणि की कि "क्षमता किसी व्यक्ति में नहीं, बल्कि संस्था में होती है। आपको इसी के लिए तैयारी करनी है।" फिर 'कॉकरोच' और 'परजीवी' कहने वाले जस्टिस सूर्यकांत एक व्यक्ति थे या संस्था?

-राम निवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 5 जून, 2026

द्वितीय ज्येष्ठ मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2083, श्रवण नक्षत्र शनिवार प्रातः 6:03 तक, ब्रह्म योग प्रातः 9:42 तक, कौलव करण दिन 12:26 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मकर, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-कर्क, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग और कुमार योग सूर्योदय से सम्पूर्ण दिन-रात है। आज विश्व पर्यावरण दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:19 तक, लाभ अमृत 7:19 से 10:43 तक, शुभ 12:25 से 2:07 तक, चर 5:32 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:14

मेष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध सकारात्मक संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

मिथुन
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

सिंह
आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा।

कन्या
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। आज मन में असंतोष बना रहेगा।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

मीन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

संक्षिप्त

दस खिलाड़ियों को ब्लैक बेल्ट की उपाधि

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर की कराटे प्रतिभाओं के लिए वार्षिक ब्लैक एवं कलर बेल्ट समान समारोह में आयोजित हुआ। जिसमें दस प्रतिभाओं को ब्लैक बेल्ट की उपाधि व 150 खिलाड़ियों को कलर बेल्ट एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। समारोह में 31 राष्ट्रीय खिलाड़ियों को 'द जील उत्कृष्ट बालक-बालिका पुरस्कार' से भी नवाजा गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों के स्वागत एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। सेंसई प्रफुल्ल सावरिया ने बताया कि सम्मान समारोह राजस्थान साहित्य अकादमी ऑडिटोरियम से. 4 में आयोजित हुआ।

अवकाश पर काम नहीं करने की मांग

कपासन, (निसं)। राजस्थान कृषि पर्यवेक्षक, पटवारी एवं ग्राम विकास अधिकारी संयुक्त समन्वय समिति की उपशाखा ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा है। इसमें राजकीय अवकाश के दिनों में कार्य न करने की मांग की गई है।समिति ने ज्ञापन में बताया कि राज्य सरकार ने 2008 से कर्मचारियों की कार्यक्षमता सुधारने के लिए प्रतिदिन कार्य के घंटे बढ़ाकर सप्ताह में कार्य दिवसों को 6 से घटाकर 5 दिन किया था। यह निर्णय मनोवैज्ञानिक शोधों और कार्मिकों को शारीरिक व मानसिक विश्राम देने के उद्देश्य से लिया गया था, जिससे उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि हुई थी।हालांकि, समिति के अनुसार, पिछले तीन सालों से राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों और कैंपों के संबंध में उच्चाधिकारियों द्वारा केवल अवकाश के दिनों में ही कार्य करने के आदेश दिए जा रहे हैं।

समीक्षात्मक बैठक 19 जून को

डूंगरपुर, (निसं)। ग्रमीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनाएं महात्मा गांधी नरेगा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण सांसद, विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास योजना महात्मा गांधी जनभागीदारी विकास योजना, पन्द्रहवॉ वित्त आयोग, राज्य वित्त आयोग-षष्ठम, आंगनवाडी केन्द्र भवन, अम्बेडकर भवन एवं स्वामित्व योजना आदि की समीक्षात्मक बैठक 19 जून को आयोजित होगी।

रैली निकाली

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में डीएनटी विमुक्त घुमंतू और अर्ध-घुमंतू समुदाय ने 10 प्रतिशत अलग से आरक्षण और राजनीतिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय पशुपालक संघ और डीएनटी संघर्ष समिति के तत्वावधान में शहर में रैली निकाली गई और कलेक्ट्रेट पर सांकेतिक गिरफ्तारियां दी गईं।

समुदाय के सदस्य शहर की वागड गांधी वाटिका पर एकत्रित हुए। यहां से उन्होंने अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली। कलेक्ट्रेट पहुंचने के बाद प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा। यह प्रदर्शन प्रदेशभर में चलाए जा रहे जेल भरो आंदोलन का हिस्सा है, जो अब वागड क्षेत्र में भी पहुंच गया है। राष्ट्रीय पशुपालक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी राईका के नेतृत्व में यह आंदोलन चलाया जा रहा है। डीएनटी समुदाय ने अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली।डीएनटी समुदाय ने अपनी 11 सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली। लालजी राईका ने बताया कि 5 दिसंबर 2025 को सरकार के समक्ष इन मांगों को लेकर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई थी।

अनियमित जलापूर्ति को लेकर महिलाओं का फूटा गुस्सा

- अनियमित जलापूर्ति से नाराज़ महिलाएं पहुंचीं जलदाय विभाग,खाली मटके सौंप किया प्रदर्शन
- महिलाओं का आरोप है कि उनके इलाके में बहुत कम प्रेशर से पानी सप्लाई किया जा रहा है। कई गलियों में तो मात्र 10 मिनट ही नल चलते हैं

उदयपुर, (कासं)। शहर के हिरण मगरी सेक्टर.5 में पीने के पानी को लेकर गंभीर संकट खड़ा हो गया। जल संकट को लेकर गुरुवार को इलाके की महिलाओं का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में महिलाएं खाली मटके लेकर स्थानीय लोगों के साथ जलदाय विभाग के ऑफिस पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान महिलाएं ऑफिस के अंदर ही नारेबाजी करने लगी।

बड़ी संख्या में महिलाएं और स्थानीय नागरिक जलदाय विभाग के सेक्टर.4 स्थित कार्यालय पहुंचे और विभाग के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि क्षेत्र में कम दबाव से जलापूर्ति की जा रही है तथा कई इलाकों में मात्र 10 मिनट तक ही पानी की सप्लाई हो रही है। इससे घरों में दैनिक जरूरतों के लिए भी पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। महिलाओं ने बताया कि उन्हें पानी भरने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है, जिससे घरेलू कार्यों के साथ.साथ बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल भी प्रभावित हो रही है। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने जलदाय विभाग के सहायक अभियंता का घेराव किया और प्रतीकात्मक विरोध स्वरूप खाली मटके भेंट कर अपनी नाराजगी जताई।

प्रदर्शनकारी महिलाओं का आरोप है कि उनके इलाके में बहुत कम प्रेशर से पानी सप्लाई किया जा रहा है। कई गलियों में तो मात्र 10 मिनट ही नल चलते हैं। इतनी कम देर पानी आने से घरों में रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी पानी पूरा नहीं पड़ रहा है।महिलाओं ने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि पानी भरने के चक्कर में उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ता है। दफ्तर के घेराव के दौरान महिलाओं ने जलदाय विभाग के सहायक अभियंता; असिस्टेंट इंजीनियरद्ध को घेर लिया। महिलाओं ने अपना विरोध दर्ज कराने के अनोखे तरीके के तहत अधिकारी को खाली मटके भेंट किए। इसके बाद क्षेत्रवासियों ने अधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपकर मांग की कि इलाके में नियमित और पर्याप्त पानी की सप्लाई तुरंत शुरू की जाए।

इस मौके पर किसान नेता विष्णु पटेल ने विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से पानी की इस भारी समस्या से जूझ रही है,लेकिन जलदाय विभाग के अधिकारी इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।पटेल ने साफ चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही क्षेत्र के लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिला और समस्या का पक्का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में क्षेत्रवासी बड़े स्तर पर उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

इस प्रदर्शन के दौरान किसान नेता विष्णु पटेल के साथ ही मनोज बंसल, देवेंद्र माली, राज लुज,भंवरलाल,वंदना राठौड़, मंजू ककड़, सोनिया टेलर, साना, कृष्णा, कविता सहित बड़ी संख्या में इलाके की महिलाएं और जागरूक नागरिक मौजूद रहे। सभी ने एक सुर में प्रशासन से जल्द राहत देने की गुहार लगाई है।

कुएं में मिले शव के मामले का खुलासा, तीन पकड़े

बांसवाड़ा, (निसं)। आनंदपुरी थाना पुलिस ने चिखली तेजा गांव में कुएं में मिले शव के मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी कपिल पाटीदार ने बताया कि 30 मई को चिकली तेजा गांव के कुएं में एक शव मिला था जिसे ग्रामीणों की सहायता से बाहर निकाला गया। मृतक की पहचान हर्षद पुत्र नगीन आमलियार निवासी बार सालेड़ा थाना फतेहपुरा जिला दाहोद गुजरात के रूप में हुई।

मौके पर परिजन आये और हत्या कर शव कुएं में डालने की रिपोर्ट दी जिस पर एफएसएल टीम मौके पर पहुंची एवं आवश्यक सूचनाएं संकलित किये गये। मृतक के भाई ने रिपोर्ट में बताया कि मृतक हर्षद गांव के रहने वाले कैलाश गरासिया के साथ घर से निकला था और चिकली तेजा में गांव के हुरजी, ईटली, चंदु व कालु के साथ शराब पी रहा था और नोतरे के कार्यक्रम में घुम रहा था। इस पर पुलिस ने इन लोगों से पूछताछ की तो पहले तो वे टालमटोल जवाब देते रहे लेकिन इनकी प्रतिक्रिया संदिग्ध लगने एवं घटना में शरीक होने की शंका होने से मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ की गयी वहीं विस्तृत अनुसंधान किया तो पता चला कि हर्षद का प्रेम प्रसंग ढढेली की औरत से था। उक्त महिला भी चिखली तेजा में रिश्ते में नोतरा होने से परिजनों के साथ आयी थी उसे को मिले हर्षद, कैलाश को लेकर आया था। यहां पर पूर्व में ही इनकी पहचान कालु, चंदु, ईटली व हुरजी से होने के कारण इन लोगों ने पुरी रात शराब पी।

MOHANLAL SUKHADIA UNIVERSITY
UDAIPUR-313039
Estate Office E-Tender Notice-05
No. EO/MLSU/S-Tender/2026-27/149 Dated-03/06/2026
NIB CODE: SUU2627A0007 UBN No: SUU2627WSOB00014 & 00017
Bid for **Miscellaneous work at M.L.S.U.** are invited from interested bidders upto at **5:00 P.M. on 10/06/2026.** Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal. (http://www.sppp.raj.nic.in) of the state and www.mlsu.ac.in departmental website.
EXECUTIVE ENGINEER

डूंगरपुर बना पर्यावरण और जल संरक्षण का आदर्श मॉडल

डूंगरपुर,(निसं)। दक्षिणी राजस्थान के आदिवासी अंचल के ऐतिहासिक शहर डूंगरपुर, ने जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन के क्षेत्र में देशभर में एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में अपनी एक अलग ही पहचान बनाई है। कभी गर्मी के मौसम में जल संकट, सूखे जलस्त्रोतों और भूजल स्तर में गिरावट से जूझने वाले इस अंचल ने आज सामुदायिक भागीदारी और जनजागरण के बल पर एक नई मिसाल की है। डूंगरपुर का यह परिवर्तन केवल सरकारी योजनाओं का परिणाम नहीं है, बल्कि इसके पीछे राजस्थान में स्वच्छ भारत (शहरी) के ब्राण्ड एम्बेसेडर और डूंगरपुर नगर परिषद के पूर्व सभापति के.के. गुप्ता का विशेष रूप से उल्लेखनीय योगदान रहा है।

के के गुप्ता ने अपने नगर परिषद अध्यक्षीय कार्यकाल में वर्षा जल संचयन में नवाचार कर कम लागत वाला 'रेन वाटर हार्वेस्टिंग' मॉडल तैयार करने में सफलता हासिल की। गुप्ता के नेतृत्व में डूंगरपुर में एक अभिनव वर्षा जल संचयन प्रणाली विकसित की गई, जिसमें छतों से एकत्रित वर्षा जल को सीधे घरों के मौजूदा बोरवेल में भेजा गया जिससे वे रिचार्ज हुए तथा भूमिगत जल में भी वृद्धि हुई। डूंगरपुर के इस जल संरक्षण मॉडल की गूंज लोकसभा में भी हुई। जल संरक्षण की इस प्रणाली में पाइप के भीतर ही रेत फिल्टर और बैकवॉश की सुविधा शामिल की गई, जिससे जल शुद्धिकरण सुनिश्चित हुआ। इस प्रणाली की लागत मात्र ? 16,000 आई, जबकि पारंपरिक प्रणालियों की लागत ? 50,000 से ?1,00,000 तक होती है।

डूंगरपुर नगर परिषद् ने इस प्रणाली को अपनाने वाले घरों को 50 प्रतिशत तक सब्सिडी भी प्रदान की, जिससे इसकी प्रभावी लागत ?8,000 प्रति घर ही आई। डूंगरपुर के इस मॉडल की सफलता को देखते हुए,तत्कालीन केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने इसकी न केवल भूरी-भूरी प्रशंसा की वरन् अन्य राज्य सरकारों को भी इस मॉडल को अपनाने का सुझाव दिया। इससे प्रेरित होकर दिल्ली सरकार के मन्त्री और अधिकारियों के दल ने डूंगरपुर नगर का दौरा किया और डूंगरपुर मॉडल को अपने प्रदेश में भी लागू करने का निर्णय लिया।

गुप्ता के गंभीर प्रयासों से डूंगरपुर नगर के पारंपरिक जल स्त्रोतों का पुनरुद्धार कराया गया। डूंगरपुर नगर के पुराने तालाबों, बावडि़यों और जल स्त्रोतों की सफाई और गहरीकरण का कार्य किया गया, जिससे वर्षा जल का संचयन और भूजल स्तर में वृद्धि संभव हुई। नगर के तालाबों और बावडि़यों का जीर्णोद्धार कराने में स्थानीय प्रशासन , नागरिकों और समुदायों ने सक्रिय सहयोग किया। सामुदायिक तालाबों का निर्माण और रखरखाव सुनिश्चित होने से शहर के साथ ही निकटवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में भी जल संकट को कम करने में मदद मिली । उन्होंने ई-कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक अपशिष्ट नियंत्रण, और कचरा प्रबंधन के लिए जागरूकता अभियान चला कर पर्यावरण संरक्षण में अभूतपूर्व योगदान किया।

के.के. गुप्ता ने अपने सार्वजनिक जीवन में पर्यावरण संरक्षण को केवल एक अभियान नहीं, बल्कि इसे जनआंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया। उनका मानना रहा कि जल और पर्यावरण का संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। इसी सोच के साथ उन्होंने विभिन्न सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और स्थानीय नागरिकों को जोड़कर जल बचाओ तथा वृक्ष लगाओ जैसे कार्यक्रमों को गति प्रदान की।

गुप्ता के इन सराहनीय प्रयासों से उन्हें कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिले है। के के गुप्ता को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और देश के राष्ट्रपति और केन्द्रीय मन्त्रियों तथा प्रदेश के मुख्यमंत्रियों के हाथों कई पुरस्कार और सम्मान मिले है।

बाल संस्कार शिविर लगाया

बांसवाड़ा, (निसं)। भारत विकास परिषद, माही शाखा ने अंकलेश्वर सेवा बस्ती के बच्चों के मध्य बाल संस्कार शिविर लगाया। शिविर में कक्षा छठी तक के बच्चों को नैतिक, सांस्कृतिक एवं जीवनोपयोगी मूल्यों से परिचित कराने के उद्देश्य से विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को गुरुजनों एवं बड़ों के सम्मान, अनुशासन, स्वच्छता, राष्ट्रप्रेम, योग, प्रेरक प्रसंग, कविताओं, गीतों एवं भजनों के माध्यम से उत्तम संस्कार प्रदान करने का प्रयास किया गया। भारत विकास परिषद के महिला सहभागिता विभाग द्वारा आयोजित इस शिविर में सह जिला समन्वयक भुवनेश्वरी मालोत, महिला सहभागिता संयोजक बबीता गुप्ता, प्रीति जैन, सरोज शाह, सारिका मालोत एवं माया सेन ने बच्चों को प्रेरणादायी एवं ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर शाखा अध्यक्ष हरिश्चंद्र कलाल, कोषाध्यक्ष अनंत गुप्ता, राजेंद्र सेन, सुबोध मालोत, विपुल दोषी, सुमित तलवाड़िया सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। बच्चों को उपहार स्वरूप पानी की केटल, स्टेशनरी सामग्री, वस्त्र एवं अल्पाहार प्रदान किया गया।

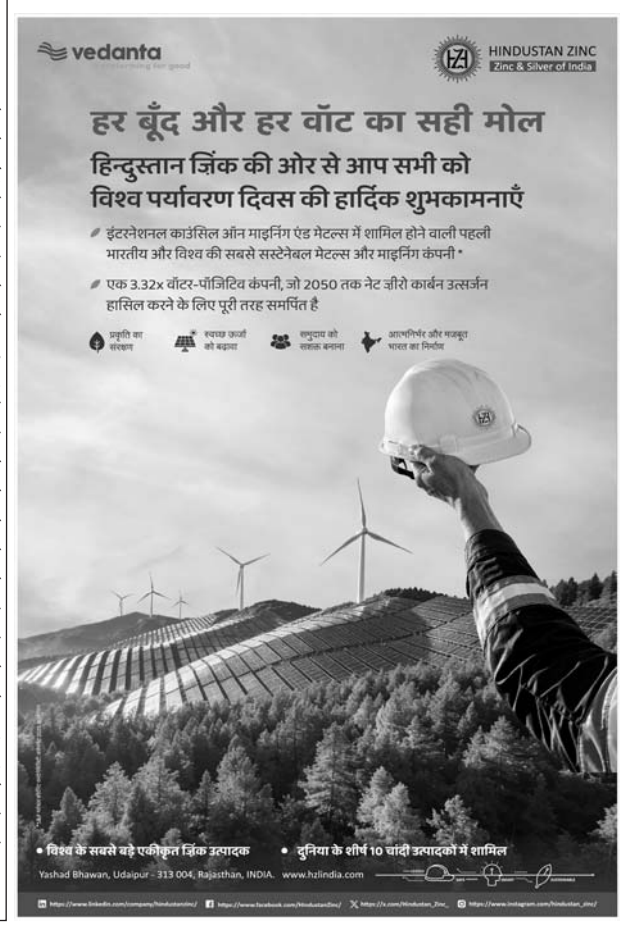

भिवाड़ी की दो फैक्ट्रियों में लगी भीषण आग, दो कर्मचारी झुलसे

ऑयल टैंकर में ब्लॉस्ट होने के बाद फैली आग, दूसरी फैक्टरी चपेट में आई

अलवर, (निसं)। भिवाड़ी के यूआईटी औद्योगिक क्षेत्र में गुरुवार दोपहर करीब दो बजे दो फैक्ट्रियों में आग लग गई। एक फैक्टरी के ऑयल टैंकर में ब्लास्ट होने से आग लगना बताया जा रहा है। आग इतनी भीषण की थी कि उसने पास की दूसरी फैक्टरी को चपेट में ले लिया। घटना में दो कर्मचारी झुलसे है, जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार रामको मेटल कंपनी के ऊपर रखे ऑयल टैंकर में ब्लास्ट हुआ और आग लग गई। टैंकर से निकला ऑयल ब्लास्ट के साथ अल्शोक एलएलपी कंपनी में फैल गया। जिससे इस कंपनी में भी आग लग गई। अल्शोक कंपनी के कर्मचारी ने बताया किआग की शुरुआत पड़ोस की कंपनी की छत पर रखे एक ऑयल टैंकर से हुई। इसके बाद आग अल्शोक एलएलपी में फैल गई। आग लगने के समय कंपनी के अंदर लगभग 3-4 महिलाएं और इतने ही पुरुष कर्मचारी काम कर रहे थे। इन कर्मचारियों को पीछे के दरवाजे से सुरक्षित बाहर निकाला गया। कुछ अन्य कर्मचारी कंपनी की पिछली दीवार फांदकर बाहर निकलने में सफल रहे। वहीं रामको कंपनी के दो कर्मचारी आग से झुलस गए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास किया। वहीं भिवाड़ी पुलिस भी घटनास्थल पर मौजूद रही और मामले की जानकारी जुटाई। रामको कंपनी में लोहे के चद्दर बनाए जाते है। वहीं अल्शोक कंपनी कॉस्मेटिक सामान बनाती है।

भिवाड़ी के यूआईटी औद्योगिक क्षेत्र में फैक्ट्रियों में लगी आग के बाद मौके पर लोग जमा हो गये।

- **कर्मचारियों को पीछे के दरवाजे से सुरक्षित बाहर निकाला, कुछ अन्य कर्मचारी कंपनी की पिछली दीवार कूदकर बाहर निकलने में सफल रहे**

लापता बुजुर्ग का शव बावड़ी में मिला

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के भीमगंज थाना क्षेत्र स्थित दादाबाड़ी इलाके में गुरुवार सुबह आत्माराम मुक्तिधाम की बावड़ी में एक बुजुर्ग का शव तैरता हुआ मिला। मृतक पिछले चार दिनों से अपने घर से लापता था, जिनकी तलाश में परिजन जुटे हुए थे। बुजुर्ग शव घर से महज 400 मीटर की दूरी पर स्थित एक धार्मिक स्थल (मुक्तिधाम) की बावड़ी में बरामद हुआ है। स्थानीय लोगों द्वारा बावड़ी में शव देखे जाने के बाद पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई।

भीमगंज थाना प्रभारी सुनील चौधरी ने बताया कि कोली मोहल्ला निवासी रामदयाल कोली (74) गत एक जून को अचानक अपने घर से लापता हो गए थे। परिजनों ने उनकी काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कहीं कोई सुराग नहीं मिल सका था। गुरुवार सुबह आत्माराम मुक्ति स्थल पर आए लोगों को बावड़ी में एक शव तैरता हुआ दिखाई दिया, जिसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची भीमगंज थाना पुलिस ने शव को बावड़ी से बाहर निकलवाकर उसकी पहचान रामदयाल कोली के रूप में की। थाना प्रभारी सुनील चौधरी के अनुसार, घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। फुटेज की जांच में सामने आया है कि बुजुर्ग रामदयाल कोली अकेले ही बावड़ी की तरफ जाते हुए नजर आ रहे हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर महात्मा गांधी अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मामले की गहन जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

सीकर से दो भाई लाखों रुपए का सोना और नगदी लेकर फरार

सीकर, (निसं)। सीकर शहर में दो सगे भाई एक युवक को दुकान में पार्टनर बनाने के नाम पर लाखों रुपए का सोना और रुपए लेकर फरार हो गए। सीकर से फरार होने के बाद दोनों आरोपियों ने जयपुर में भी दो शोरूम संचालकों से ठगी की। सीकर में कोतवाली पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीकर के युवक ने कोतवाली पुलिस थाने में बुधवार शाम को रिपोर्ट दर्ज कराई। इसमें बताया कि नेहरू पार्क के पीछे रहने वाले देवेश शर्मा और विवेक शर्मा से पुरानी पहचान है। दोनों की सीकर के चिरंजी पनवाड़ी की गली में आरके ज्वेलर्स नाम से दुकान थी। दोनों भाई सोने-चांदी के आभूषणों के विक्रेता थे। देवेश और विवेक ने पीड़ित युवक को अपने साथ बिजनेस में शामिल करने के लिए रुपए और सोना देने को कहा। ऐसे में युवक ने 18 अप्रैल 2025 को 15.50 लाख रुपए दे दिए। इसके बारे में आरके ज्वैलर्स के लेटरपेड पर लिखा गया। इस पर विवेक और देवेश के साइन भी हैं। युवक ने 200 ग्राम सोना 26 मार्च 2025 को दिया। पीड़ित युवक के एक कस्टमर ने 25 मार्च 2025 को 98 ठाम सोने का कड़ा बनाने के लिए देवेश को रुपए दिए थे। तब देवेश ने कहा कि 7 अगस्त 2025 तक कड़ा बनाकर दे देंगे। इसके बाद देवेश और विवेक ने 5.50 लाख रुपए और ले लिए। बाद में जब समय पर सोने का कड़ा नहीं मिला तो कस्टमर पीड़ित युवक से रुपए मांगने लगा। इसके बाद विवेक और देवेश बीमारी का बहाना करके टालमटोल करते रहे। वहीं सितंबर 2025 में दोनों दुकान बंद करके फरार हो गए।

पीड़ित युवक ने बताया कि कुछ महीने बाद मुझे जयपुर में एक शोरूम में दोनों भाई काम करते मिले। तब दोनों ने कहा कि एक महीने में आपको सोना और रुपए वापस लौटा देंगे एक महीने बाद जब मैं वापस वहां गया तो पता चला कि दोनों वहां से भी 15 से 20 लाख रुपए का सोना और रुपए लेकर चले गए। पीड़ित युवक ने बताया कि मुझे जानकारी मिली कि दोनों जयपुर में दूसरे ज्वैलरी शोरूम पर काम कर रहे हैं। जब मैं वहां गया तो दोनों ने दो महीने में रुपए और सोना देने की बात कही। इसके बदले एक चेक भी दे दिया। दो महीने बीतने के बाद जब मैं वहां गया तो पता चला कि देवेश और विवेक वहां से भी फरार हो गए। वहां से भी करीब 10 लाख रुपए का सोना लेकर चले गए। युवक ने जब विवेक का दिया चेक बैंक में लगाया तो वह भी बाउंस हो गया। फिलहाल कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

- **सीकर के युवक ने कोतवाली पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई**
- **सीकर से फरार होने के बाद दोनों ने जयपुर में भी दो शोरूम संचालकों से ठगी की**

बर्फ फैक्टरी से बाल श्रमिक मुक्त कराया

जोधपुर, (कासं)। शहर की राजीव गांधी नगर पुलिस ने बर्फ फैक्टरी से बालश्रमिक को मुक्त करवा सुधार गृह भिजवाया है। बर्फ फैक्टरी संचालक पर जेजे एक्ट में केस दर्ज किया गया है। बच्चे से भारी भरकम बर्फ की सिल्लियां उठवाने का काम करवाया जा रहा था।

राजीव गांधी नगर थाने के एसआई पिंटू कुमार को सूचना मिली कि सनसिटी कॉलोनी चौखा क्षेत्र में अरूण बर्फ फैक्टरी में नाबालिग से काम करवाया जा रहा है। इस पर पुलिस की टीम ने वहां रेड देकर एक बालक को बालश्रम से मुक्त करवाया। बर्फ फैक्टरी संचालक अरूण सिंधी के खिलाफ जेजे एक्ट में प्रकरण बनाया गया। बालक को बाद में चाइल्ड हैल्प लाइन के मार्फत सुधार गृह भिजवाया गया।

- **बच्चे से बर्फ की सिल्लियां उठवाने का काम करवाया जा रहा था**

नाबालिग से भिक्षावृति कराने पर केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। शहर के सरदारपुरा सातवीं सी रोड पर एक महिला अपनी नाबालिग बच्ची से भिक्षावृति कराती मिली। बच्ची को बाद में सुधार गृह भिजवाया गया। वहीं मां के खिलाफ किशोर अधिनियम में केस बनाया गया है।

सरदारपुरा थाने के एसआई दीपलाल को मुखबिर से सूचना मिली कि सरदारपुरा सातवीं सी रोड पर एक महिला द्वारा अपनी बच्ची से भिक्षावृति करवाई जा रही है। इस पर पुलिस की टीम वहां पहुंची और महिला को बच्ची सहित दस्तयाब किया। बच्ची को बाद में सुधार गृह भिजवा दिया गया। मां देसूरी नारलाई हाल सिवांची गेट निवासी मीना भाट के खिलाफ किशोर अधिनियम का केस बनाया गया।

एएनटीएफ की टीम ने फरार ड्रग सप्लायर को झारखंड से पकड़ा

बीकानेर, (निसं)। जयपुर एएनटीएफ की टीम ने देशनोक पुलिस थाने में दर्ज एनडीपीएस के तीन साल पुराने मामले में फरार चल रहे ड्रग सप्लायर को झारखंड के चतरा जिले से पकड़ा है।

वर्ष, 2203 में देशनोक पुलिस थाने में एनडीपीएस का मामला दर्ज हुआ था। इसमें ड्रग सप्लायर झारखंड में चतरा जिले के सलगी गांव निवासी अंकित राज उर्फ अंकित कुमार सिंह फरार चल रहा था जिसकी पुलिस को तलाश थी। बीकानेर आईजी ने उस पर 30000 रुपए का इनाम रखा था। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने आईजी विकास कुमार की देखरेख में झारखंड के घोर नक्सल प्रभावित इलाके से इनामी अंकित को गिरफ्तार किया है। एएनटीएफ की टीम को पता चला था कि अंकित पुलिस से बचने के लिए सुपरवाइजर बनकर रेलवे के सिविल कंस्ट्रक्शन के काम में लगा था। हाल ही में उसकी सगाई हुई थी जिसके बाद वह अपनी मंगेतर की नजरों में आदर्श पति बनना चाहता था। शादी तक कोई रिस्क न लेने के लिए उसने ड्रग्स का धंधा रोककर हजारीबाग में रेलवे अंडरपास के काम में बतौर सुपरवाइजर नौकरी शुरू कर दी थी। एएनटीएफ की टीम रेलवे की सिविल इंजीनियर बनकर साइट पर पहुंच गई। वहां सैकड़ों मजदूरों के बीच आरोपी को पहचानना मुश्किल था। टीम ने दिहाड़ी मजदूरों को श्रम मंत्रालय की योजना के तहत 5-5 हजार खाते में डलवाने का कहकर उनके नाम-पते पूछने शुरू किए। मजदूरों ने इशारा किया कि जेसीबी चलाने वाले साहब ही उनके मुखिया हैं। पुलिस ने अवैध खनन के बहाने पूछताछ कर अंकित को जेसीबी से नीचे उतारा और दबोच लिया। अंकित मणिपुर और झारखंड के स्थानीय किसानों से महज 500 किलो में नशीले पदार्थ खरीदता था। इसे वह राजस्थान के बीकानेर निवासी प्रदीप जैसे तस्करों को 1500 से 2000 प्रति किलो में बेचता था। वह एक बार में कम से कम 20 क्विंटल माल की खेप भेजता था और प्रति ट्रिप करीब 20 लाख का मुनाफा कमाता था।

- **झारखंड में रेलवे का सुपरवाइजर बनकर फरारी काट रहा था ड्रग सप्लायर**

140 किलो डोडा-चूरा बरामद, एक गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने मकान पर छापा मार कर 140.620 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद किया है। टीम ने मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि जिला चितौड़गढ़ के तहसील बेगूं के ग्राम रामपुरिया में एक व्यक्ति अपने मकान में अवैध रूप से डोडा-चूरा संग्रहित कर नशीले पदार्थों की तस्करी में संलिप्त है। सूचना पर केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) कोटा की एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने संदिग्ध मकान पर छापेमारी एवं तलाशी अभियान चलाया। टीम ने तलाशी के दौरान मकान के भीतर छिपाकर रखा गया 140.620 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद किया गया। कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद बरामद अवैध डोडा-चूरा जब्त कर लिया गया तथा एनडीपीएस एक्ट में एक आरोपी को गिरफ्तार किया, मामले में आगे की जांच प्रक्रिया जारी है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DISTT DN KOTA
क्रमांक-318 दिनांक-26.05.2026
Notice Inviting Bid
(NIT NO. 04/2026-27)
Bids for 9no work at Kota are Invitied from interested bidders upto 06.00 PM of 15.06.2026 (Monday). Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rj.nic.in) of the Rajasthan State. The approximate value of the procurement is Rs. 192.09 Lacs.
UBN NO. 1. PWD2627WSOB03410, 2. PWD2627WSOB03411, 3. PWD2627WSOB03413, 4. PWD2627WSOB03416, 5. PWD2627WSOB03419, 6. PWD2627WSOB03423
(अशोक कुमार महावर)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. जिला खण्ड कोटा
मो.नं. 98291-28359
DIPR/C/9464/2026

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. HINDAUN
File No. 442-50 Date:- 27.05.2026
Notice Inviting Bid
Bid (E-NIT No. 03/2026-27) for Restoration Work & Construction of Additional Box Culvert" are invited from Registard & Interested bidders up to 6.00 PM on 13.06.2026. procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website may be Visited for Other Details of Bid. The approximate value of the procurement is Rs. 31.20 lacs.
UBN No. PWD2627A0810
1. PWD2627WSOB03513
2. PWD2627WSOB03514
(Lalit Kumar Meena)
Executive Engineer
PWD Division Hindaun
DIPR/C/9578/2026

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD ELECT DIV.KOTA
क्रमांक-179 दिनांक-27.05.2026
Notice Inviting Bid No. 06/2026-27
Bid for "Lift work" NIT No. 06/2026-27 are invited from interested bidders up to 6.00 PM on 11.06.2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 139.66 Lac
UBN NO. 1. PWD2627WSOB03510, 2. PWD2627WSOB03511
(Rajendra Kumar Vasanwal)
Executive Engineer
PWD Elect Division Kota
DIPR/C/9574/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि., खण्ड धौलपुर
क्रमांक-893-908 दिनांक-01.06.2026
संशोधन-पत्र
NIB code: PWD2627A0594 and UBN is: PWD2627WSOB02683
NIB code: PWD2627A0594 and UBN is: PWD2627WSOB02688
इस कार्यालय के पत्रांक 731-746 दिनांक 18.05.2026 के द्वारा जारी निविदा सूचना संख्या 01/2026-27, जो दिनांक 26.05.2026 से 01.06.2026 सायं 6.00 बजे तक बेची जाकर दिनांक 02.06.2026 को खोली जाने वाली निविदा अपरिहार्य कारणों से अब दिनांक 08.06.2026 तक बेची जाकर दिनांक 09.06.2026 को सायं 04.00 बजे खोली जावेगी। निविदा की अन्य शर्ते यथावत रहेगी।
(नरेश चन्द मीना)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड धौलपुर
DIPR/C/9694/2026

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.,JAIPUR
No.NIT/2026-27/2816-30 **निविदा सूचना /2026-27** Date:03.06.2026
निम्नलिखित कार्य के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों एवं उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की जाती है

कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (रु.)	निविदा सूचना संख्या
SITC of Air Conditioning work at Auditorium Building, Pandit Deen Dayal Shekhawati University, Sikar. **UBN: RRC2627WSOB00221**	407.40 Lakh	ई-135/26-27
Remaining work of Construction of CCB in New Hospital & Medical College at Pali. (Risk & Cost) **UBN: RRC2627WLOB00226**	1001.67 Lakh	अल्पकालीन ई-137/26-27
Construction of Building for Department of Commerce and Management at University of Kota. **UBN: RRC2627WLOB00227**	704.46 Lakh	
Construction of Skill Development Centre Building at University of Kota, Kota. **UBN: RRC2627WSOB00228**	495.18 Lakh	अल्पकालीन ई-138/26-27

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में निविदा शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट **http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in** तथा **http://pwd.rajasthan.gov.in/rsrdc** पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट **http://eproc.rajasthan.gov.in** पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।
महाप्रबंधक

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम
क्रमांक- 680-696 दिनांक-02.06.2026
ई-निविदा सूचना संख्याः 06/2026-27
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला करौली (खण्ड टोडाभीम) में सडक मरम्मत कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।
निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।
NIB CODE: PWD2627A0866, UBN NO. PWD2627WSOB03756, PWD2627WSOB03758
(के.के. मीना)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम
DIPR/C/9674/2026

राजस्थान सरकार
शिक्षा विभाग
कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक करौली (राज.)
केशवपुरा पुलिया मण्डरायल रोड करौली E-Mail: adpcsamsakarauli@gmail.com
क्रमांक- एडीपीसी/समग्र शिक्षा/करौली/Civil/2026-2788 दिनांक- 25.05.2026
ई-निविदा सूचना संख्या 01 (सिविल)/2026-27
राज्य एवं केन्द्र सरकार के राजकीय/अर्द्धशासकीय/स्वायत्तशासी निकायों में सक्षम श्रेणी में निर्माण/मरम्मत कार्यो हेतु पंजीकृत संवेदकों से बजट घोषणा 2022-23 एवं 2025-26 लेखानुसार RIDFXXVIII, एम.जे.एस.वाई. स्टार्स प्रोजेक्ट, समग्र शिक्षा 2024-25 इत्यादि योजनान्तर्गत स्वीकृत 23 राजकीय विद्यालयों के निर्माण कार्यो हेतु राशि रू. 165.95 लाख (प्रति कार्य की राशि रूपये 1.96 लाख से 24.58 लाख के मध्य) बाबत कार्यवार ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ई-निविदाऐं 29.05.2026 प्रात 10.00 बजे से 08.06.2026 को सायं 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।
निविदा से सम्बन्धित समस्त विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN IS: RSE2627WSOB00304
(सर्वेश कुमार गुप्ता)
अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक
समग्र शिक्षा करौली
DIPR/C/9765/2026

उदयपुर में वाहन की टक्कर से पैंथर घायल

उदयपुर, (कासं)। शहर के चित्रकूट नगर भैरवगढ़ होटल के पास बीती रात करीब 11 बजे एक पैंथर अचानक सड़क पर दौड़ता हुआ आया और वाहन से टकरा गया। घायल पैंथर वहीं मौके पर ही बैठ गया और कुछ देर बाद रेंगता हुआ पास की झाड़ियों में जा छुपा।

वन विभाग को इसकी सूचना दी मिली। अम्बेरी वनपाल पंकज खटीक मौके पर पहुँचे और घायल पैंथर की खोज शुरू की। टॉर्च पड़ते ही झाड़ियों में छुपा पैंथर दूसरी तरफ भागने लगा। इस बीच रेस्क्यू टीम भी मौके पर पहुंची और शूटर अजीतसिंह राणावत ने ट्रेंक्यूलाइज़ गन से शॉट दागा। इसके बाद रेस्क्यू टीम पैंथर के पास पहुंची। अमूमन 20 से 25 मिनट के बाद पैंथर बेहोशी की हालत में चला जाता है लेकिन जब टीम पैंथर के पास पहुंची तो पैंथर पूरी तरह बेहोश नहीं हुआ और उसने रेस्क्यू टीम के सदस्य जितेन्द्र सिंह देवड़ा पर हमला कर दिया। हमले से सकते में आई रेस्क्यू टीम पीछे हट गई और कुछ देर इंतजार किया। थोड़ी देर बाद पैंथर बेहोश हो गया और उसे रेस्क्यू कर सज्जनगढ़ अभ्यारण्य लाया गया, जहां उसका उपचार किया गया।

वनपाल पंकज खटीक ने बताया कि पैंथर के गंभीर चोटें नहीं आई थी केवल घटना के दौरान उसके मुंह के कुछ हिस्से पर चोट लगी जिसका उपचार कर दिया गया। इधर, घायल रेस्क्यू टीम के सदस्य को भी उपचार के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया जहाँ उनका उपचार किया गया। पैंथर ने जितेन्द्र के शरीर पर कई जगह पंजे मारे। रात करीब 12.45 बजे ढाई घंटे बाद रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हुआ।

करंट से मोर की मौत

चिड़ावा, (निसं)। स्थानीय पावर हाउस के पीछे से गुजर रही 33 केवी की हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आने से राष्ट्रीय पक्षी मोर की करंट लगने से मौत हो गई। मामले की जानकारी मिलते ही वन विभाग की वनरक्षक लक्ष्मी और भाजपा नेता राजेश वर्मा तुरंत मौके पर पहुंचे और मृत मोर को अपने संरक्षण में लिया। इस दौरान स्थानीय गौ रक्षक अंकित वर्मा, आयुष जेदिया और पवन महारानियां ने सजगता दिखाते हुए पूरी प्रक्रिया में वन विभाग की टीम का सहयोग किया। इसके बाद वन विभाग की देखरेख में मोर के शव का पोस्टमार्टम व अन्य कानूनी औपचारिकताएं पूरी की गईं। स्थानीय श्मशान घाट में पूरे राजकीय सम्मान के साथ मोर का अंतिम संस्कार किया गया। वन्यजीव प्रेमियों ने विद्युत विभाग से खुले तारों और हाईटेंशन लाइनों पर बर्ड-प्रोटेक्टर लगाने की मांग की है।

चाची पर भतीजी को जिंदा जलाने का आरोप, 14 वर्षीय छात्रा झुलसी

पावटा, (निसं)। जयपुर ग्रामीण के शाहपुरा क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक घटना सामने आई है। जहां एक ओर चाची से ममता और संरक्षण की उम्मीद की जाती है, वहीं दूसरी ओर 14 वर्षीय नाबालिग भतीजी ने अपनी ही चाची पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना में किशोरी गंभीर रूप से झुलस गई, जिसका जयपुर के एसएमएस अस्पताल की बर्न यूनिट में उपचार चला। उपचार के बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

जानकारी के अनुसार शाहपुरा थाना क्षेत्र की राकड़िया वाली ढाणी निवासी लक्षिता सैनी (14), जो मदर टेरेसा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में कक्षा 10वीं की छात्रा है, ने 31 मई को शाहपुरा पुलिस थाने में दर्ज कराए बयान में बताया कि 26 मई की शाम करीब 7:30 बजे उसका चचेरा भाई देवांश सैनी उसे कमरे से बाहर बरामदे में लेकर गया। वहां उसकी चाची लता सैनी हाथ में एक कांच की बोतल लिए खड़ी थी। पीड़िता का आरोप है कि उसकी चाची ने बोतल में भरा ज्वलनशील पदार्थ उसके ऊपर डाल दिया और तुरंत माचिस की तीली जलाकर आग लगा दी। देखते ही देखते उसके कपड़ों ने आग पकड़ ली और वह बुरी तरह झुलस गई। आग लगने के बाद वह चीखते हुए घर से बाहर भागी, जबकि आरोपी चाची और उसका बेटा मौके से ऊपर चले गए। लक्षिता ने बताया कि उसकी चीख-पुकार सुनकर उसका भाई युवराज सैनी मौके पर पहुंचा और आग बुझाकर उसकी जान बचाई। इसके बाद परिजन और आसपास के लोगों की मदद से उसे शाहपुरा के एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे जयपुर के एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया।

पुलिस के अनुसार, चिकित्सकों की अनुमति मिलने के बाद अस्पताल में ही पीड़िता के बयान दर्ज किए गए। पीड़िता बयान देने की स्थिति में थी और उसके कथनों के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। शाहपुरा पुलिस का कहना है कि नाबालिग के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। घटना के पीछे की वास्तविक वजह, पारिवारिक विवाद और लगाए गए आरोपों की सत्यता की गहन जांच की जा रही है। पुलिस उपलब्ध साक्ष्यों, गवाहों के बयान और अन्य तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई करेगी।

प्रदेश में बकाया राजस्व वसूली के लिए दो माह का अभियान चलायें : नमित मेहता

आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने वीसी के माध्यम से अधिकारियों को निर्देश दिए

उदयपुर, (कासं)। आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने कहा कि राज्य सरकार की अपेक्षा के अनुरूप राजस्व लक्ष्य को प्राथमिकता देते हुए पूर्ण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्व लक्ष्यों की पूर्ति के लिए सजग होकर कार्य करने की आवश्यकता है, इस संबंध में कोताही नहीं होनी चाहिए। आवंटित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति नहीं होने पर जिम्मेदारी तय करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। आबकारी आयुक्त नमित मेहता वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रदेश में राजस्व बाकियात की वसूली के लिए 2 माह के अभियान चलाने, बंदोबस्त पूर्ण करने, निरोधात्मक गतिविधियों को गति देने, मुखबिर योजना के बकाया प्रकरणों का निस्तारण करने के निर्देश प्रदान किए।

आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने वीसी में कहा कि राजस्व अर्जन विभाग की प्राथमिकता है अत: लक्ष्य के अनुरूप राजस्व के लिए सर्कलवार, दुकानवार रिव्यू करते हुए कार्ययोजना बनाकर नियमित समीक्षा करेंगे तो अपेक्षित लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकेगा। उन्होंने प्रदेश में राजस्व अर्जन में पिछड़ रहे जिलों को निरोधात्मक गतिविधियां बढ़ाने, बाकियात की वसूली करने एवं सर्कलवार समीक्षा के निर्देश दिए जिससे वांछित लक्ष्य प्राप्त किए जा सके। आबकारी आयुक्त ने प्रदेश में राजस्व बाकियात वसूली के लिए 2 माह का अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में 2250 करोड़ की अनुमानित बाकियात है जिसकी वसूली के लिए जिलेवार लक्ष्य आवंटित किए हैं। बाकियात की वसूली के लिए प्रकरणवार समीक्षा करते हुए समझाईश, समायोजन एवं नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने कहा कि बंदोबस्त का कार्य अपेक्षा के अनुरूप है लेकिन कुछ जिलों में अपेक्षित प्रगति नहीं होने के कारण कुछ दुकानें शेष रह गई है। जिन जिलों में बंदोबस्त का कार्य पूर्ण नहीं हुआ है वहां संबंधित जिला आबकारी अधिकारी, आबकारी निरीक्षकों की जिम्मेदारी तय कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। आबकारी आयुक्त ने अगली नीलामी प्रक्रिया में शेष दुकानों का भी बंदोबस्त करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

मेहता ने प्रदेश में मुखबिर योजना से संबंधित लंबित 46 प्रकरणों का नियमानुसार शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश देते हुए कहा कि निरोधात्मक अभियान के तहत कई जिलों की प्रगति अपेक्षित नहीं रही है, इसके तहत बड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने वीसी के माध्यम से विभागीय बैठक में अधिकारियों को संबोधित किया।

- **'जिलों में होटल्स, फार्म हाउस में शादियों एवं भव्य आयोजन में अन्य राज्यों की शराब अथवा अवैध मदिरा पर कार्रवाई करें'**

जिलों में होटल्स, फार्म हाउस में शादियों एवं भव्य आयोजन में अन्य राज्यों की शराब अथवा अवैध मदिरा पर कार्रवाई की जानी चाहिए, जिससे राजस्व क्षति को रोका जा सके। वीसी में मदिरा उठाव, राजस्व वसूली के संबंध में चर्चा कर अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

इस अवसर पर अतिरिक्त आबकारी आयुक्त पॉलिसी प्रदीप सिंह सांगावत, अतिरिक्त आबकारी आयुक्त अनिल कुमार शर्मा, अतिरिक्त आबकारी आयुक्त जोन प्रभा गौतम, वित्तिय सलाहकार सुनिता विजय, उपायुक्त ईपीएफ प्रद्युम्न सिंह चुण्डावत सहित प्रदेश के समस्त जोन के अतिरिक्त आयुक्त, उपायुक्त ईपीएफ, जिला आबकारी अधिकारी, सहायक आबकारी अधिकारी, आबकारी निरीक्षक, प्रहराधिकारी मौजूद रहे।

सीकर से नाबालिग व महिला लापता

सीकर, (निसं)। सीकर जिले में 16 साल की नाबालिग लड़की के लापता होने का मामला सामने आया है। वह अपने पिता और भाइयों के साथ यहां रहती है। वह चिप्स का पैकेट लेने गई थी लेकिन वापस नहीं लौटी। पिता ने पुलिस में मुकदमा दर्ज करवाया है। फिलहाल पुलिस नाबालिग की तलाश कर रही है।

नाबालिग के पिता ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि वह अपनी 16 साल की बेटी और दो नाबालिग बच्चों के साथ किराए पर रहते हैं, जबकि उनकी पत्नी दूसरे राज्य में किसी फैक्ट्री में नौकरी करती है। 2 जून की रात करीब 9 बजे बेटी ने कहा कि उसे चिप्स का पैकेट लाना है। इसलिए पिता ने उसे हां कर दिया। लड़की चिप्स लेने के लिए चली गई। लेकिन काफी देर बाद भी वह वापस नहीं लौटी। पिता ने आस-पड़ोस में भी काफी तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। फिलहाल नाबालिग लड़की के पिता की रिपोर्ट पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

सीकर जिले में 40 साल की महिला के लापता होने का भी मामला सामने आया है। महिला के जेठ ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि उनके छोटे भाई की पत्नी 29 मई को अपनी मां के घर जाने की बात कह कर निकली थी। वहां पर पहुंचने के बाद अगले दिन 30 मई की सुबह वह पीहर से निकल गई लेकिन ससुराल नहीं पहुंची। फिलहाल पुलिस इस महिला की भी तलाश कर रही है।

सतीश पूनियां और अल्का गुर्जर को राज्यसभा का उम्मीदवार घोषित किया भाजपा ने

यह फैसला राजस्थान की दो प्रभावशाली जातियों जाट और गुर्जर वर्ग को साधने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्यसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने राजस्थान के दो उम्मीदवारों के नाम घोषित कर राजनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी है। पार्टी ने पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां और भाजपा की राष्ट्रीय सचिव अलका गुर्जर को उम्मीदवार बनाया है। यह फैसला केवल राज्यसभा सीटों तक सीमित नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे प्रदेश की दो प्रभावशाली जातियों जाट और गुर्जर समाज को साधने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। गुरूवार देर शाम डॉ. सतीश पूनिया एवं डॉ. अलका गुर्जर ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दोनों नेताओं को राज्यसभा के लिए प्रत्याशी बनाए जाने पर मिठाई खिलाकर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों नेताओं का व्यापक संगठनात्मक अनुभव, जनसेवा के प्रति समर्पण और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्धता संसद में राजस्थान एवं देश की आकांक्षाओं को सशक्त अभिव्यक्ति प्रदान करेगी। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल उपस्थित रहे।

ज्ञात रहे कि सतीश पूनिया वर्तमान में हरियाणा प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, जबकि अलका गुर्जर लंबे समय से संगठन में सक्रिय रहते हुए राष्ट्रीय स्तर पर भूमिका निभा रही हैं। उम्मीदवार घोषित होने के बाद अलका गुर्जर ने बताया कि वे पार्टी की वर्चुअल बैठक में शामिल थीं, तभी केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल का फोन आया और उन्हें टिकट मिलने की जानकारी दी गई।

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष रहे सतीश पूनिया लंबे समय से संगठन के महत्वपूर्ण चेहरों में शामिल रहे हैं। विधानसभा चुनाव में हार के बाद भी पार्टी नेतृत्व ने उन पर भरोसा बनाए रखा और उन्हें पहले बिहार तथा बाद में हरियाणा की जिम्मेदारी सौंपी। अब राज्यसभा भेजने का निर्णय संगठन में उनकी भूमिका और नेतृत्व पर केंद्रीय नेतृत्व के भरोसे का संकेत माना जा रहा है।

अलका गुर्जर भी भाजपा की जमीनी राजनीति से जुड़ा बड़ा चेहरा हैं। वे एक बार विधायक रह चुकी हैं और गुर्जर समाज में उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है। उनके पति डॉ. नाथू सिंह गुर्जर भी भाजपा सरकार में मंत्री रह चुके हैं तथा संगठन में कई अहम पदों पर कार्य कर चुके हैं। राजस्थान की तीन राज्यसभा सीटों पर 18 जून को मतदान होगा और उसी दिन परिणाम भी घोषित किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, भाजपा सांसद राजेंद्र गहलोत और कांग्रेस सांसद नीरज डांगी का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है, जिसके चलते ये सीटें रिक्त हो रही हैं।

विधानसभा के मौजूदा संख्या बल के अनुसार एक राज्यसभा सीट जीतने के लिए 51 विधायकों के समर्थन की आवश्यकता है। भाजपा के पास दो सीटें जीतने लायक संख्या तो है, लेकिन तीसरी सीट के लिए उसे करीब 35 अतिरिक्त वोटों की जरूरत पड़ेगी। राजनीतिक समीकरणों के अनुसार यदि भाजपा को आरएलडी, निर्दलीय, बसपा और बीटीपी के सभी संभावित वोट भी मिल जाएं, तब भी तीसरे उम्मीदवार की जीत के लिए लगभग 20 वोट कम पड़ेंगे।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा ने फिलहाल दो उम्मीदवार उतारकर सुरक्षित रणनीति अपनाई है। हालांकि तीसरी सीट को लेकर अंतिम समय तक राजनीतिक गतिविधियां तेज रहने की संभावना है। यदि भाजपा तीसरा उम्मीदवार मैदान में उतारती है तो यह चुनाव केवल संख्या बल का नहीं बल्कि राजनीतिक प्रबंधन और रणनीतिक कौशल की परीक्षा बन सकता है।

फिलहाल सतीश पूनिया और अलका गुर्जर की उम्मीदवारी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भाजपा आगामी चुनावी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सामाजिक समीकरणों को मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

राज्यसभा के उम्मीदवार घोषित होने के बाद डॉ. सतीश पूनिया एवं डॉ. अलका गुर्जर ने गुरूवार देर शाम मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से उनके निवास पर शिष्टाचार भेंट की।

■ ज्ञात रहे कि सतीश पूनियां वर्तमान में हरियाणा प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, जबकि अलका गुर्जर लंबे समय से संगठन में सक्रिय रहते हुए राष्ट्रीय स्तर पर भूमिका निभा रही है।

पीएम सूर्यघर योजना में श्रेष्ठ उपलब्धि के लिए राजस्थान को 6 पुरस्कार

केन्द्रीय नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने डिस्कॉम्स चेयरमैन को चार अलग-अलग श्रेणियों में प्रदान किए अवॉर्ड

केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने गुरूवार को दिल्ली में आयोजित समारोह में ऊर्जा सचिव एवं राजस्थान डिस्कॉम्स की चेयरमैन आरती डोगरा को चार अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए।

जयपुर (कासं)। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए भारत सरकार ने राजस्थान को सम्मानित किया है। केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने गुरूवार को दिल्ली में आयोजित समारोह में यह सम्मान प्रदान किए। ऊर्जा सचिव एवं राजस्थान डिस्कॉम्स की चेयरमैन आरती डोगरा ने चार अलग-अलग श्रेणियों में पुरस्कार ग्रहण किए।

केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने योजना के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दिल्ली में एक समारोह का आयोजन किया। इस दौरान 90 लाख से 1.50 करोड़ विद्युत उपभोक्ता वाले राज्यों के अंतर्गत मई माह के दौरान रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्रों के सर्वाधिक आवेदन, इंस्टॉलेशन, निरीक्षण तथा वेंडर्स के रजिस्ट्रेशन की कैटिगरी में राजस्थान को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इसी तरह सर्वाधिक इंस्टॉलेशन वाले 10 सर्वश्रेष्ठ जिलों की कैटेगरी में जयपुर को 7वें स्थान के लिए पुरस्कृत किया गया। जयपुर डिस्कॉम की अधीक्षण अभियंता (पीएम सूर्यघर) महिमा साराभाई ने यह सम्मान ग्रहण किया। इसके अतिरिक्त वेंडर श्रेणी में मई माह के दौरान उत्तर क्षेत्र के राज्यों में सर्वाधिक रूफ टॉप सोलर इंस्टॉलेशन की कैटिगरी में मिलन सौर ऊर्जा केंद्र को भी द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इस प्रकार राजस्थान को इस योजना में कुल 6 पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि इस वर्ष मई माह के दौरान इस योजना के अन्तर्गत जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर वितरण निगमों में 39279 आवेदकों ने रजिस्ट्रेशन कराया, 27700 आवेदनों का भौतिक सत्यापन किया गया, 26632 रूफ टॉप सोलर इंस्टॉल हुए और 177 नए वेंडरों को योजना से जोड़ा गया।

कांग्रेस ने नीरज डांगी को पुनः बनाया राज्यसभा उम्मीदवार

जयपुर। कांग्रेस ने राजस्थान से राज्यसभा सदस्य के लिए नीरज डांगी को मैदान में उतारा है। बता दें नीरज डांगी वर्तमान में कांग्रेस की ओर से राजस्थान से ही राज्यसभा सांसद है और उनका कार्यकाल जून 2026 में खत्म होने वाला है। अब एक बार फिर उन्हें ही उम्मीदवार बनाया गया है। नीरज डांगी वरिष्ठ कांग्रेस नेता है, वह वर्तमान में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी में महासचिव पद पर भी कार्यरत है। डांगी पिछले 30 सालों से कांग्रेस से जुड़े हुए हैं और पार्टी में विभिन्न पदों पर भूमिका निभाई है। वे साल 2020 में पहली बार राज्यसभा सांसद बने थे। नीरज डांगी ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत यूथ कांग्रेस से की थी। लगातार सक्रियता के चलते साल 2002 में वे राजस्थान यूथ कांग्रेस के उपाध्यक्ष (वाइस प्रेसिडेंट) बने। नीरज डांगी को कांग्रेस ने उन्हें साल 2003 के विधानसभा चुनाव में देसूरी सीट से टिकट दिया, लेकिन वे चुनाव हार गए। इसके बाद साल 2008 में पार्टी ने उन पर भरोसा जताते हुए रेवदर विधानसभा सीट से मैदान में उतारा, मगर वे 13वीं विधानसभा में भी नहीं पहुंच सके। चुनावी हार के बावजूद पार्टी ने उनकी निष्ठा को देखते हुए 2009 में उन्हें यूथ कांग्रेस का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया। इसके बाद 2014 में वे राजस्थान कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव बनाए गए।

जयपुर में 302 सिलेंडर और दो पिकअप जब्त

जयपुर । घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी,अवैध भंडारण और रिफिलिंग के खिलाफ जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 302 गैस सिलेंडर और दो पिकअप वाहन जब्त किए हैं। राज्य सरकार और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई जिला कलक्टर संदेश नायक के निर्देशन में की गई।

■ अवैध गैस कारोबार पर जिला प्रशासन का शिकंजा

जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम प्रियव्रत सिंह चारण ने बताया कि कार्रवाई के लिए दो विशेष सतर्कता दलों का गठन किया गया था। सतर्कता दल 'ए' में प्रवर्तन अधिकारी मुनेश कुमार मीणा और पूजा शर्मा तथा सतर्कता दल 'बी' में प्रवर्तन अधिकारी विनोद कुमार और प्रवर्तन निरीक्षक सुनीता चौधरी को शामिल किया गया।सतर्कता दल 'ए' ने सांगानेर क्षेत्र के गोवर्धन नगर और हनुमान सिटी में दबिश देकर अवैध गैस भंडारण और क्रय-विक्रय का खुलासा किया। यहां से 247 घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडर तथा दो पिकअप वाहन जब्त किए गए। वहीं सतर्कता दल 'बी' ने 310 फीट रोड स्थित शिक्षा सागर कॉलोनी में कार्रवाई कर 55 गैस सिलेंडर जब्त किए। दोनों स्थानों पर की गई कार्रवाई में कुल 302 घरेलू एवं व्यावसायिक गैस सिलेंडर तथा दो पिकअप वाहन (आरजे-14-जीआर-7835 और आरजे-14-जीएच-5920) जब्त किए गए। मामले में संलिप्त दो व्यक्तियों के खिलाफ संबंधित पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है।

तीन दिन में 77806 किसानों से सीधा संवाद

जयपुर । कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने गुरुवार को पंत कृषि भवन में खेत बचाओ अभियान (1 से 30 जून) और खरीफ-2026 उर्वरक आपूर्ति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में बताया गया कि अभियान के प्रथम तीन दिनों में प्रदेशभर में 2382 कृषि गतिविधियां आयोजित कर 77806 किसानों से सीधा संवाद स्थापित किया है। इनमें 294 कृषक गोष्ठियां में 13273 किसान लाभान्वित हुए।

बिना सूचना बाल कल्याण समिति में नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने पर मांगा जवाब

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने भरतपुर की जिला बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष व सदस्य पद पर बिना आम सूचना निकाले नियुक्ति प्रक्रिया आरंभ करने पर बाल अधिकारिता विभाग के प्रमुख सचिव, कमिश्नर व सदस्य सचिव सहित सहायक निदेशक से जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने इन पदों की चयन प्रक्रिया को याचिका के निर्णयाधीन रखा है। जस्टिस मनीष शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश उदय भान सिंह व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता दिलीप सिंह कुरका ने अदालत को बताया की याचिकाकर्ता भरतपुर जिले की बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष और सदस्य पद पर आवेदन करना चाहते थे।

विभाग की ओर से अन्य जिलों में नियुक्तियों के लिए आम सूचना जारी की गई, लेकिन भरतपुर जिले की समिति के लिए कोई आम सूचना या भर्ती नोटिस जारी नहीं किया गया। याचिकाकर्ता को हाल ही में जानकारी मिली की जिला समिति के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं।

ऐसे में याचिकाकर्ता ने बाल संरक्षण यूनिट के समक्ष आवेदन किया तो उसका आवेदन यह कहते हुए लेने से इनकार कर दिया कि आवेदन की अंतिम तिथि 5 मार्च को निकल चुकी है। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि भर्ती के लिए आम सूचना जारी करना जरूरी है, ताकि आमजन को इसकी सूचना मिले और इच्छुक व्यक्ति इसमें आवेदन कर सके। याचिका में गुहार की गई की आवेदन लेने की अंतिम तिथि बढाई जाए और उसकी आम सूचना जारी करते हुए याचिकाकर्ताओं के आवेदन स्वीकार किए जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब करते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को याचिका के निर्णय के अधीन रखा है।

'माइनिंग और पेट्रोलियम सेक्टर में 33 हजार करोड़ रु. के निवेश प्रस्तावों पर कार्य प्रगतिरत'

प्रदेश में अब तक 15 हजार करोड़ रु. का निवेश हो चुका : एसीएस माइंस अपर्णा अरोरा

जयपुर । अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने बताया है कि राइजिंग राजस्थान के दौरान पेट्रोलियम एवं माइनिंग सेक्टर के निवेश समझौतों में 33 हजार करोड रु. के निवेश प्रस्तावों पर काम प्रगति पर होने के साथ ही 15 हजार करोड़ रु. का निवेश भी हो चुका है। इनमें से 6500 करोड़ के निवेश प्रस्ताव लगभग पूर्णता की और हैं। अरोरा गुरुवार को सचिवालय में राइजिंग राजस्थान के दौरान माइनिंग सेक्टर के निवेश प्रस्तावों की प्रगति समीक्षा कर रही थी।

उन्होंने बताया कि राइजिंग राजस्थान के दौरान प्रदेश में कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, डीपीएनजी-सीएनजी आधारभूत संरचना विकास, सीमेंट प्लांट, कॉपर व माइनर-मेजर मिनरलों से संबंधित निवेश प्रस्तावों पर एमओयू संपन्न हुए थे। उन्होंने बताया कि करीब 2230 करोड़ रु. के निवेश से अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट का कार्य पूरा होकर शुरु हो गया है। इसी तरह से हिन्दुस्तान कॉपर खेतड़ी में प्लांट क्षमता विस्तार पर 1000 करोड़ का निवेश कार्य पूरा होने को है। इण्डियन ऑयल द्वारा 3600 करोड़ रु. की लागत से मूंदड़ा से कच्चे तेल की पाइप लाइन बिछाने का काम भी लगभग पूरा हो गया है। इसी तरह से माइनिंग सेक्टर में 100 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर भी काम पूरा हो चुका है। नोडल अधिकारी अधीक्षण भूवैज्ञानिक संजय सक्सैना ने विस्तार से प्रगति से अवगत कराया।

एमओयू प्रगति समीक्षा बैठक में विशिष्ट सचिव माइंस नम्रता वृष्णि, निदेशक पेट्रोलियम अवधेश सिंह, अधीक्षण खनि अभियंता एनएस शक्तावत, विशेषाधिकारी श्रीकृष्ण शर्मा ने हिस्सा लिया।

इस वर्ष 20 अरब रु. खर्च करके स्कूलों के नए भवन और क्लास रूम बनेंगे, मरम्मत भी होगी

स्कूलों के सर्वे और री-सर्वे से मिले फीडबैक के आधार पर सुधार कार्य कर रही राज्य सरकार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । प्रदेश की सरकारी स्कूलों में नए भवन और क्लास रूम बनाने तथा पुराने जर्जर स्कूलों की मरम्मत पर भजनलाल सरकार इस वित्तीय वर्ष में 20 अरब रुपए खर्च करेगी। इसके लिए राज्य सरकार ने प्रदेश के तमाम सरकारी विद्यालयों के भवनों का सुरक्षा की दृष्टि से सर्वे और री-सर्वे करवाया है। इस रिपोर्ट के आधार पर नए भवन निर्माण और मरम्मत कार्य की 5 साल की कार्ययोजना बनाई है। इस वित्तीय वर्ष में लगभग 20 अरब रूपये के बजट से नए भवन निर्माण, अतिरिक्त सुविधाओं के विकास व मरम्मत कार्य होंगे।

गुरूवार को मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने सचिवालय में अधिकारियों की बैठक लेकर इस प्रोजेक्ट की समीक्षा की। उन्होंने स्कूलों में निर्माण व मरम्मत कार्य में नवीनतम तकनीक, उच्चतम गुणवत्ता और समय सीमा की पालना करने के निर्देश दिए।

शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव ने बताया कि इस वित्त वर्ष में 500 से ज्यादा राजकीय विद्यालयों के नए भवनों का निर्माण होना है। सर्वे में कुछ ऐसे विद्यालय भवन मिले, जहां कोई कमरा विशेष ही खराब हालत में है और शेष बिल्डिंग पूरे मानकों पर खरी उतरी है। इसके अतिरिक्त कुछ विद्यालयों में नामांकन बढ़ने या अतिरिक्त विषय शुरू होने के कारण अतिरिक्त कक्षा कक्ष निर्माण की जरूरत है। प्रत्येक कक्षा कक्ष निर्माण के लिए 10 लाख रूपये बजट का आंकलन किया है। विद्यालयों में पर्याप्त पानी की व्यवस्था के साथ शौचालय सुविधा भी सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है।

सर्वे में सामने आया कि कुछ विद्यालयों के भवन 50 साल से भी अधिक पुराने हैं, ज्यादातर विद्यालय भवन निर्माण के समय प्लिंथ मानक का ध्यान नहीं रखा गया और ड्रेनेज सिस्टम सुचारू न होने से सीपेज, सीलन की समस्या आ गई है।

एसीएस राजेश यादव ने बताया कि नए भवन निर्माण में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की गाइडलाइन, बीआईएस के मानक और विशेष योग्यजन अधिनियम, 2016 के बिन्दुओं की पूर्ण पालना सुनिश्चित की जा रही है। करीब 1 करोड़ रूपये से अधिक के निर्माण कार्य में ऑन साइट क्वालिटी कंट्रोल लैब, 30 लाख रूपये से अधिक के कार्य में सार्वजनिक निर्माण विभाग और नेशनल एक्रीडेशन बोर्ड द्वारा चिन्हित एजेंसी द्वारा स्वतंत्र गुणवत्ता परीक्षण करवाया जाना सुनिश्चित किया है। बिजली बचत और बच्चों के स्वास्थ्य विशेषकर आई साइट के लिए पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी की व्यवस्था की गई है। स्ट्रक्चर डिजाइन को राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज द्वारा परीक्षण करने के बाद की स्वीकृति दी जा रही है। भवन की सुरक्षा और उत्तरजीविता सुनिश्चित करने के लिए आरसीसी फ्रेम डाला जा रहा है। दीवार और छत को वाटरप्रूफ बनाया जा रहा है, जिससे सीपेज और सीलन न हो। उपयुक्त ड्रेनेज सिस्टम की व्यवस्था के बाद ही निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बताया कि विद्यालयों भवनों के निर्माण और मरम्मत के लिए अतिरिक्त बजट मिलने से अधिक महत्वपूर्ण है, जनप्रतिनिधियों, अभिभावकों, सिविल सोसायटी, भामाशाह और इंडस्ट्री का विद्यालयों की ज्यादा से ज्यादा निगरानी और उनसे जुडाव। उन्होंने सांसद-विधायकों से भी आग्रह किया है कि अपने स्थानीय फंड से यह कार्य करवाएं, इससे निगरानी की गुणवत्ता में सुधार होगा। इसके साथ ही पंचायती राज संस्थाओं और स्थानीय निकायों को अपने फंड और विभिन्न योजनाओं से ये कार्य सीधे या कंवर्जेंस के माध्यम से करवाने के लिए बातचीत की गई है। मगरा, डांग जैसी क्षेत्रीय विकास योजनाओं के फंड से भी ये कार्य करवाने का प्रस्ताव है। साथ ही डीएमएफटी और सीएसआर से भी फंड जुटाने का लक्ष्य है।

बैठक में समग्र शिक्षा अभियान की राज्य परियोजना अधिकारी डॉ. रश्मि शर्मा व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट वीसी के माध्यम से बीकानेर से जुड़े।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने गुरूवार को सचिवालय में अधिकारियों की बैठक लेकर स्कूलों के मरम्मत कार्य और नए निर्माण की समीक्षा की।

6 जून को राजस्थान आएंगे अजेय कुमार

जयपुर । भारतीय जनता पार्टी के नव नियुक्त राजस्थान संगठन महामंत्री अजेय कुमार 6 जून को पहली बार राजस्थान प्रवास पर आएंगे। उनके दौरे को लेकर प्रदेश भाजपा संगठन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। अजेय कुमार के आगमन को संगठनात्मक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि हाल ही में उन्हें राजस्थान भाजपा के संगठन महामंत्री का दायित्व सौंपा गया है।

सूत्रों के अनुसार, अजेय कुमार जयपुर में प्रदेश भाजपा पदाधिकारियों, जिला प्रभारियों और संगठन से जुड़े प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे। बैठक में संगठन विस्तार, आगामी कार्यक्रमों, बूथ सशक्तिकरण अभियान तथा कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी। इसके अलावा विभिन्न जिलों में चल रहे संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा भी की जाएगी।

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ होने वाली इस बैठक में आगामी राजनीतिक गतिविधियों और चुनावी रणनीति पर भी मंथन होने की संभावना है। विशेष रूप से राज्यसभा चुनाव को लेकर पार्टी की तैयारियों और संभावित रणनीति पर चर्चा होने की जानकारी सामने आ रही है। अजेय कुमार के दौरे को प्रदेश भाजपा के लिए नई ऊर्जा और संगठनात्मक मजबूती के रूप में देखा जा रहा है। कार्यकर्ताओं में भी उनके प्रथम राजस्थान प्रवास को लेकर उत्साह का माहौल है।

वंदे गंगा अभियान में जयपुर जिला प्रदेश में अव्वल

40 हजार कार्यक्रमों में 27 लाख लोगों ने भागीदारी कर रचा इतिहास

जयपुर (कासं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जयपुर जिले में गत 25 मई से आयोजित हो रहे वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 ने सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। जिला कलक्टर संदेश नायक ने गुरूवार को मीडिया संगोष्ठी में बताया कि गंगा दशमी के पावन पर्व से शुरू होकर 5 जून (विश्व पर्यावरण दिवस) तक चलने वाले इस 12 दिवसीय महाअभियान के तहत जयपुर जिले ने पूरे प्रदेश में सर्वाधिक सक्रियता दिखाते हुए पहला स्थान प्राप्त किया है।

■ मानसून से पूर्व खोदे गए 20 लाख गड्ढे, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान में 26 करोड़ के नए कार्य स्वीकृत

■ उत्कृष्ट कार्य करने वालों को आज मिलेगा जल गौरव सम्मान

अभियान के दौरान जिले की ग्राम पंचायतों और शहरी वार्डों में कुल 40 हजार से अधिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें 27 लाख से अधिक नागरिकों ने प्रत्यक्ष रूप से भाग लेकर जल संरक्षण को एक जन-आंदोलन का रूप दिया है। अभियान की महत्ता को रेखांकित करते हुए इसका जिला स्तरीय शुभारंभ 25 मई को पवित्र गलता तीर्थ पर हुआ था। गंगा दशमी के शुभ अवसर पर गलताजी में भव्य गंगा आरती, कलश पूजन और महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर अतिथियों और आमजन ने गलता तीर्थ के प्राचीन जल कुंड के जीर्णोद्धार और सफाई के लिए ऐतिहासिक श्रमदान किया। इसी तर्ज पर जिले के सभी ब्लॉक मुख्यालयों पर सांसद, विधायक और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन कर इस अभियान को गति दी गई।

मानसून से पूर्व 20 लाख गड्ढे खोदे गए हैं, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान में 26 करोड़ के नए कार्य स्वीकृत हुए है। इस प्रोजेक्ट में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को 5 जून को जल गौरव सम्मान से नवाजा जाएगा।

संक्षिप्त

वैष्णव बैरागी समाज की बैठक

मावली, (निसं)। कस्बे में गुरूवार को लिमडिया जी बावजी के सान्निध्य में वैष्णव बैरागी समस्त समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाजजनों द्वारा विभिन्न सामाजिक विषयों पर चर्चा करते हुए सर्वसम्मति से कई निर्णय लिए गए।बैठक में समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि पिछले 15 दिनों से विभिन्न समाचार पत्रों, मीडिया प्लेटफॉर्म, यूट्यूब चैनलों एवं व्हाट्सएप समूहों में 10 से 12 लाख रुपये के कथित गबन से संबंधित समाचार प्रसारित हो रहे हैं। इस संबंध में स्पष्ट किया गया कि विवादित वैष्णव बैरागी 8 बैठक विकास समिति में आठ बैठक समाज का व्यापक प्रतिनिधित्व नहीं है तथा उसमें घासा निवासी महंत बालूदास वैष्णव के अतिरिक्त अन्य महंत सम्मिलित नहीं हैं।बैठक में बताया गया कि पूर्व में उक्त समिति द्वारा दो सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किए गए थे, जिनके आय-व्यय एवं हिसाब-किताब को लेकर वर्तमान में विवाद उत्पन्न हुआ है। यह मामला अब न्यायालय में विचाराधीन है। समाजजनों ने चिंता व्यक्त की कि इस विवाद के कारण आठ बैठक समाज की छवि प्रभावित हुई है, जबकि आठ बैठक समाज में किसी प्रकार की गुटबाजी नहीं है और सम्पूर्ण समाज एकजुट है।

श्रीमद्भागवत कथा के रस में डूबा सनातन

डूंगरपुर, (निसं)। शहर के प्राचीन श्रीनाथ जी मंदिर प्रांगण में सनातन धर्म समिति और श्रीनाथ महिला मंडल द्वारा आहुत श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा में सनातनियों को धर्म, कर्म और संस्कार का रस प्राप्त हो रहा है। कथा के प्रारंभ में मोहित और नंदनी वरियानी ने प्रात: कालीन पूजा कर्म का लाभ प्राप्त किया। सनातन धर्म समिति मुकेश श्रीमाल ने श्रीमद् भागवत कथा के सहयोगियों का आभार प्रकट करते हुए बताया कि मुख्य यजमान परिवार रमेश, मोहित, नंदनी सह यजमान मदनलाल शर्मा परिवार,जयेश द्विवेदी परिवार,रायसिंह साबली, जयराज कुंवर एवं श्रीनाथ महिला मंडल की जया कंसारा, लक्ष्मी सेवक, माया सुथार, ममता भट्ट एवं समस्त महिलाओं ने पोथी पूजन किया।कथा प्रसंग में पंडित रघुनंदन ने कहां कि श्रीमद भागवत कथा धर्म, कर्म, मोक्ष को साधती हैं।

जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक 8 जून को

डूंगरपुर, (निसं)। पीसीसी के निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष गणेश घोघरा की अध्यक्षता में जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक आगामी 8 जून सोमवार को प्रात: 11 बजे गांधी आश्रम स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में होगी। संगठन महासचिव नारायण पंड्या ने बताया कि बैठक में एआईसीसी सदस्य-पीसीसी सदस्य-प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारीगण, उप प्रधान ब्लॉक अध्यक्ष व कार्यकारिणी, मंडल अध्यक्ष व कार्यकारिणी, डूंगरपुर एवम सागवाडा नगर अध्यक्ष व नगर कार्यकारिणी पूर्व जिला प्रमुखध्उप जिला प्रमुख-पूर्व उप जिला प्रमुख-वर्तमान प्रधान पूर्व प्रधानध्वर्तमान एवं पूर्व उप प्रधान-नगर निकाय अध्यक्ष पूर्व पार्षद, पुर्व ब्लॉक अध्यक्ष जिला परिषद् सदस्य सहित अनेक मौजूद रहेंगे।

कार्यकर्ताओं को दिया जा रहा है सातवें वेतनमान का लाभ

उदयपुर, (कासं)। विगत 16 वषो में जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय) में समस्त शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियां सूचारू रूप से नियमानुसार संचालित की जा रही है। वर्तमान में विश्वविद्यालय पूर्णत: स्ववित्त पोषित संस्थान हैं। विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, राज्य सरकार से किसी प्रकार का कोई अनुदान नहीं प्राप्त हो रहा है इसके बावजूद कार्यकर्ताओं को सातवे वेतनमान व अन्य को सम्मानजनक लाभ दिया जा रहा है। समय - समय पर राज्य सरकार द्वारा घोषित लाभ व अन्य लाभ भी निमयानुसार समस्त कार्यकर्ताओं को समय पर प्रदान किये जाने हेतु प्रतिबद्ध है। पूर्व में दिनांक 27 मई को सामाजिक प्रशासन के प्रतिनिधि मण्डल के कार्यकर्ताओं की बैठक कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर, कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत के सानिध्य में आयोजित की गई थी सामाजिक प्रशासन के प्रतिनिधि मंडल ने बकाया डीए , वेतन वृद्धि एवं 9,18,27 के लाभ, बोनस एवं अस्थाई कार्यकर्ताओं को स्थाई करने की मांग को लेकर कुलाधिपति, कुलपति प्रो. को ज्ञापन सौपा था ।

सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में मांग प्रशासन के सम्मुख रखी गई थी जिस पर कार्यकर्ताओं की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए कुलपति प्रो. शिवसिंह सांगदेवोत ने कुलाधिपति भंवर लाल गुर्जर की सहमति से तत्काल जुलाई माह से बकाया वेतन वृद्धि, डीए, नियमानुसार कार्यकर्ताओं को 9,18,27 का लाभ देने तथा बोनस भी प्रतिवर्ष नियमानुसार देने एवं नियमानुसार कार्यकर्ताओं को पदौन्नति की घोषणा कर दी गई थी।

चिकित्सकों से मारपीट मामले में भूपालपुरा सीआई लाइन हाजिर

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के जेपी ऑर्थोपेडिक हॉस्पिटल में मरीज के परिजन.रिश्तेदारों द्वारा डॉक्टर्स से मारपीट के मामले में लापरवाही बरतने पर भूपालपुरा सीआई आदर्श कुमार को लाइन हाजिर कर दिया। पुलिस अधीक्षक अमृता दुहन ने उनके स्थान पर सुनील चारण को जिम्मेदारी दी है। वहीं, पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चिकित्सालय में तोड़फोड़ व मारपीट करने वालों तक पहुंच रही है। मामले में पुलिस ने अब तक दस जनों को हिरासत में लिया है लेकिन डॉ. आनंद गुप्ता ने एसपी से वार्ता में

■ जैन समाज का प्रतिनिधि मंडल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से मिला

उदयपुर में चिकित्सकों के साथ मारपीट की घटना के बाद जैन समाज का प्रतिनिधि मंडल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से मिला और दोषियों पर कार्रवाई करने और निर्दोषों की गिरफ्तारी न करने की मांग की।

करीब 40 से 50 लोगों द्वारा मारपीट व तोड़फोड़ की बात कही थी।

इधर, पुलिस द्वारा मामले में की जा रही गिरफ्तारियों के बाद गुरूवार शाम मेवाड़ वागड़ भारतवर्षीय दिगम्बर जैन दशा नरसिंहपुरा महासभा के बैनर तले समाजजन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से मिले और मांग की कि मामले में दोषियों को सजा मिले लेकिन सीसीटीवी फुटेज में केवल जो खड़े दिखाई दे रहे उन पर कार्रवाई न हो। इसके साथ ही समाज ने चिकित्सकों के साथ हुई मारपीट की घटना की निंदा की। महासभा अध्यक्ष लक्ष्मीलाल वोहरा ने कहा कि विरोध करने के लिए आप नारेबाजी करे अपना रोष प्रकट करें लेकिन मारपीट निंदनीय है।

ज्ञातव्य है कि मारपीट का शिकार हुए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष डॉ आनंद गुप्ता ने सैकड़ों डॉक्टर्स के साथ बुधवार को एसपी डॉ. अमृता दुहन को शिकायत की थी। जिसमें डॉ. गुप्ता ने आरोप लगाया था कि सीआई समेत पुलिसबल की मौजूदगी में डॉक्टर्स के साथ मारपीट की गई। ऑपरेशन थियेटर में डॉक्टरों को बुरी तरह घसीटकर मारा और उनके साथ भी मारपीट करते हुए कपड़े फाड़ दिए थे।

एसपी ने मामले की जांच के लिए एडिशनल एसपी उमेश ओझा के निर्देशन में एक जांच कमेटी गठित की है जो डॉक्टर्स से मारपीट करने वाले लोगों की सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पहचान कर रही है। जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। एक दिन पहले पुलिस 10 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। डॉक्टर्स ने दावा किया कि करीब 30 से 40 लोगों ने उनके साथ मारपीट और हॉस्पिटल में तोड़फोड़ की थी। डॉ आनंद गुप्ता ने 5 दिन में कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने पर बड़े आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

उल्लेखनीय है कि उदयपुर के लसाडिया के कूण के रहने वाले कपड़ा व्यापारी कुलदीप जैन (50) मंगलवार सुबह बाइक से उदयपुर आ रहे थे। रास्ते में नीलगाय के कारण उनकी बाइक का बैलेंस बिगड़ने से वे घायल हो गए थे। उन्हें एम्बुलेंस से जेपी ऑर्थोपेडिक हॉस्पिटल लाया गया था। उनके दोनों हाथों में फ्रैक्चर था। मंगलवार दोपहर को उनका ऑपरेशन किया। जिसके बाद देर शाम तक मरीज को होश नहीं आया तो परिजन.रिश्तेदारों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए जोरदार हंगामा किया।

हॉस्पिटल में तोड़फोड़ करते हुए डॉक्टर्स के साथ मारपीट की थी। ऑपरेशन थियेटर में डॉ. नवीन गोयल को बंद करके मारपीट की। डॉ.जेपी शर्मा और उनके बेटे डॉ.कनिष्क सहित अन्य स्टाफ से भी बुरी तरह मारा। बीच बचाव में आए इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष भी मारपीट का शिकार हो गए। उनके कपड़े तक फाड़ दिए।

सार-समाचार

डिवाइडर से टकराया ट्रक, हादसा टला

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के चीरवा टनल के पास गुरुवार को तेज रफ्तार कार के अचानक ब्रेक लगाने से पीछे से आ रहा ट्रक कार को बचाने के चक्कर में डिवाइडर से टकरा गया। जिससे ट्रक का आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। समय रहते ट्रक ड्रावइर सूझबूझ नहीं दिखाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। दोनों ही वाहन नाथद्वारा की तरफ से उदयपुर की ओर आ रहे थे। जानकारी अनुसार उदयपुर. अहमदाबाद नेशनल पर स्थित चीरवा टनल के पास सड़क पर तेज स्पीड में आ रही एक कार ने स्पीड ब्रेकर देखकर अचानक ब्रेक लगा दिए। इसी दौरान पीछे आ रहा तेज रफ्तार ट्रक संभल नहीं पाया और अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सड़क पर वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि ट्रक चालक समय रहते वाहन को मोड़ने का प्रयास नहीं करता तो दोनों वाहन आपस में भिड़ जाते। दुर्घटना के बाद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने भी राहत की सांस ली। सूचना मिलने पर सुखेर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और क्षतिग्रस्त वाहन को क्रेन की सहायता से हटाया गया और ट्रेफिक व्यवस्था बहाल कराई।

तलवार लेकर धमकाने वाला गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। कोतवाली थाना पुलिस ने तलवार लेकर आमजन को डराने धमकाने पर आरोपी प्रभु मईडा को गिरफ्तार किया। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक नरेन्द्र सिंह ने बताया कि 3 जून को सूचना मिली कि पीपलवा औद्योगिक क्षेत्र में एक व्यक्ति अपने हाथ में तलवार लेकर लहरा रहा है तथा आने-जाने वाले लोगों को डरा धमका रहा है। इस सूचना पर कांस्टेबल भवान सिंह व प्रफुल्ल सिंह को मौके पर भेजा तो पीपलवा औद्योगिक क्षेत्र में एक व्यक्ति अपने हाथ में बिना म्यान की धारदार तलवार लिये लहरा रहा था तथा आने-जाने वाले लोगों को डरा धमका रहा था। जिस पर उससे तलवार लेकर उसे थाने लाये तथा आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया। पुलिस ने प्रभु मईडा पुत्र कानजी मईडा निवासी पीपलवा को न्यायालय में पेश किया जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया।

कृषक गोष्ठी आयोजित

डूंगरपुर, (निसं)। कृषि विज्ञान केंद्र, फलोज, डूंगरपुर व संयुक्त निदेशक कृषि, डूंगरपुर के संयुक्त तत्वावधान में खेत बचाओं अभियान पर कृषक संगोष्ठी का आयोजन गांव हथाई में किया गया। कार्यक्रम में केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रभारी,डॉ.सी.एम.बलाई ने खेत बचाओं अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए किसानों को मिट्टी के स्वास्थ्य एवं उर्वरता बनाये रखने के लिए संतुलित उर्वरक उपयोग अपनाने का आव्हान किया। रासायनिक उर्वरकों की आपूर्ति में कठिनाई और अधिक मुल्य वृद्धि को देखते हुए भारत सरकार ने देशभर में खेत बचाओं अभियान शुरू किया है। रासायनिक उर्वरकों एवं पेस्टिसाइड का खेतों में आवश्यकता से अधिक उपयोग करने से खेत की लागत ही नहीं बढती, बल्कि खेतों की मिट्टी की उर्वरता क्षमता भी कम होती है, साथ ही भूजल दूषित होनेसेफसल की उपज व गुणवत्ता भी कम होती है।

श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ

भागवत कथा के शुभारंभ पर कलश यात्रा निकाली

उदयपुर, (कासं)। हिरण मगरी सेक्टर-4 स्थित दातापति हनुमान मंदिर में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का गुरुवार को श्रद्धा एवं उत्साह के साथ शुभारंभ हुआ। प्रात: निकाली गई कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा मनसा पूर्ण महादेव मंदिर से प्रारंभ होकर दातापति हनुमान मंदिर पहुंची। पारंपरिक वेशभूषा में सुसज्जित महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने भगवान के जयघोषों के बीच उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कलश यात्रा के दौरान सावरिया सेठ एवं भगवान शंकर के लोकप्रिय भजनों की मधुर प्रस्तुतियों पर महिला एवं पुरुष श्रद्धालु झूम उठे। भक्ति संगीत की धुनों पर श्रद्धालुओं ने जमकर नृत्य किया और भगवान की भक्ति में लीन होकर आनंद की अनुभूति की। पूरे मार्ग में भक्ति, उत्साह और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। मंदिर पहुंचने पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा-अर्चना एवं पोथी पूजन संपन्न हुआ, जिसके बाद श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ किया गया।

कथा के प्रथम दिवस पर श्री बालयोगी जगदीश कृष्ण जी महाराज ने श्रीमद्भागवत महापुराण की महिमा का वर्णन करते हुए पुरुषोत्तम मास के आध्यात्मिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पुरुषोत्तम मास भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित अत्यंत पुण्यदायी एवं दुर्लभ मास है, जिसमें किए गए जप, तप, दान, सत्संग और कथा श्रवण का फल कई गुना बढ़ जाता है। इस पावन मास में श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण करने से मनुष्य के जीवन के अनेक कष्टों का निवारण होता है तथा उसे आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्राप्त होता है।

पर्यावरण दिवस में हुई प्रतियोगिता

राजसमन्द, (निसं)। जिला मुख्यालय राजसमन्द के श्री बालकृष्ण विद्या भवन राजकीय उ. मा. विद्यालय कांकरोली के प्रांगण में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड राज्य मुख्यालय के तत्वाधान में चल रहे ग्रीष्मकालीन अभिरूची शिविर में गुरूवार को ढेर सारे ईनाम पाकर बालकों के चेहरे खिले।

सी.ओ. स्काउट एवं शिविर निर्देशक सुरेन्द्र कुमार पाण्डे ने बताया कि गुरूवार को राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, राजसमन्द , स्काउट जिला मुख्यालय राजसमन्द, स्थानीय संघ राजसमन्द एवं जिला ,खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र राजसमन्द के संयुक्त तत्वाधान में राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन के निर्देशानुसार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बालकों के बीच पोस्टर, निबन्ध, क्विज एवं कई ,खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें अभिरूचि शिविर के बालक-बालिकाओं ने बढ-चढकर हिस्सा लिया एवं कोरे कागज पर अपनी भावनाओं को उकेरा।

डूंगरपुर में सेरवाड़ा सरपंच सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने थामा भाजपा का दामन

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत सेरवाडा के खाण्डा महुडा गांव में भारतीय जनता पार्टी को बडी मजबूती मिली,जब कांग्रेस एवं भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी)के सैकडों कार्यकर्ताओं, युवाओं एवं ग्रामीणों ने भाजपा की रीति-नीति, विकासवादी सोच एवं जनकल्याणकारी कार्यों से प्रभावित होकर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

■ खाण्डा महुडा में कांग्रेस और बीएपी को बड़ा झटका

इस अवसर पर भाजपा के पूर्व विधायक प्रत्याशी बंशीलाल कटारा, मंडल अध्यक्ष नरसिंह फनात, पूर्व उपप्रधान रमेश बरोठ, बूथ अध्यक्ष गोरधन, वरिष्ठ कार्यकर्ता रामलाल डोडा एवं सरपंच चेरवाडा सहित अनेक गणमान्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा में शामिल हुए कार्यकर्ताओं ने बताया कि खाण्डा महुडा क्षेत्र आज भी सडक, स्वास्थ्य सेवाओं, श्मशान भूमि, खेल मैदान जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। वर्षों तक कांग्रेस एवं अन्य दलों के जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र के विकास की उपेक्षा की, जिससे आमजन और युवाओं में भारी नाराजगी है। इसी कारण उन्होंने भाजपा की विकासवादी विचारधारा पर विश्वास व्यक्त करते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

भाजपा में शामिल होने वालों में सरपंच हीरालाल डोडा, छगनलाल, नारायण देवा, नवीन डोडा, संजय डोडा, कुलदीप डोडा, राकेश अहारी, गोविन्द अहारी, छगन अहारी, जीतेन्द्र डोडा, मनीष डोडा, मिथून डोडा, काना डोडा, पंकज कटारा, बलदेव डोडा, मणीलाल डोडा, नरेन्द्र विहात, शंकरलाल डोडा,बाबूलाल नाथु डोडा, दिनेश डोडा, रणछोड डोडा, रमेश डोडा, निर्मल डोडा, संजय वाशु डोडा, मुकेश डोडा, मोहन डोडा, लक्ष्मण डोडा एवं कैलाश डोडा सहित बडी संख्या में ग्रामीण, युवा एवं कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर पूर्व विधायक प्रत्याशी बंशीलाल कटारा ने कहा कि क्षेत्र की समस्याओं और जनता की अपेक्षाओं से वे भली-भांति परिचित हैं। भारतीय जनता पार्टी ही ऐसी पार्टी है,जो समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मान,सुरक्षा और विकास प्रदान करने का कार्य करती है। उन्होंने आश्वस्त किया कि क्षेत्र के लंबित विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करवाने हेतु हर संभव प्रयास किए जाएंगे। मंडल अध्यक्ष नरसिंह फनात ने राज्य की भाजपा सरकार द्वारा सेरवाडा ग्राम पंचायत एवं आसपास के क्षेत्रों में करवाए गए विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहां कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड के नेतृत्व में भाजपा सरकार गरीब, वंचित, किसान, युवा और जनजाति समाज के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से नेताओं को अवगत कराया,जिनमें कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया। साथ ही खाण्डा महुडा सडक मार्ग,विद्यालय खेल मैदान सहित अन्य आवश्यक विकास कार्यों की मांग भी रखी गई। भाजपा नेताओं ने इन मांगों को सरकार के समक्ष मजबूती से उठाकर स्वीकृति दिलाने का भरोसा दिलाया।

गायों को हरा चारा खिलाया

डूंगरपुर, (निसं)। महिला भजन ग्रुप सदस्यों द्वारा अधिक मास के पुण्य लाभ के ऋम में नित नए सेवा भाव करते हुए कृष्ण पंचमी के उपलक्ष में भंडारिया गौ शाला में गौ सेवा की गई।

समस्त मातृ शक्ति द्वारा संकल्प पूजा के साथ गौ माता की आरती परिक्रमा कर गौ माता को चुनरी ओढा कर गौ माता का आशीर्वाद लिया। इसके बाद एक ट्रैक्टर हरे चारे ओर केले का गौ ग्रास गौ माता को अर्पित कर भोग लगाया।

इस अवसर पर मुख्य आयोजक श्वेता सोनी,भगवती सोनी, ममता सोनी, पायल पंचालए और उनके परिवार के साथ गंगेश्वर महिला भजन ग्रुप की संयोजक रमा शाह, चंद्रिका पटेल, शीला श्रीमाल, ऊषा शर्मा, रमिला पंचाल, उर्मिला, भगवती सहित कई अन्य सनातनी गौ-भक्त उपस्थित रहे।

जिला कलैक्टर ने निरीक्षण कर चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लिया

उदयपुर, (कासं)। जिला कलैक्टर गौरव अग्रवाल ने गुरुवार को मावली उपखंड के घासा तहसील क्षेत्र का सघन दौरा कर विभिन्न विकास कार्यों, जनसेवा संस्थानों एवं राजस्व कार्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आमजन से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर अग्रवाल गुरुवार अपराह्न बाद घासा पहुंचे। इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, डीएमएफटी मद से संचालित विकास कार्यों, तहसील कार्यालय तथा गंधर्व सागर तालाब का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने विभिन्न स्थलों पर आवश्यक सुधार एवं विकास कार्यों के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान उपखण्ड अधिकारी रमेश सिरवी पुनाड़िया, तहसीलदार राधेश्याम जोशी, विकास अधिकारी शैलेंद्र खींची सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

अग्रवाल ने घासा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद कर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त की।हाल ही पीएचसी से सीएमसी में क्रमोन्नत हुए अस्पताल का भवन अपेक्षा और आवश्यकतानुसार नहीं होने से उन्होंने मरम्मत एवं उन्नयन के लिए प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र भेजने के निर्देश दिए। दौरे के दौरान जिला कलक्टर ने देवाली गांव में बजट घोषणा के तहत चल रहे उदयसागर से बागोरिया नहर कार्य का अवलोकन किया। इसके बाद राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय महुड़ा पहुंचकर डीएमएफटी के अंतर्गत संचालित विकास कार्यों का निरीक्षण किया तथा गुणवत्ता एवं प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश प्रदान किए। जिला कलक्टर ने घासा तहसील कार्यालय का निरीक्षण कर वहां संचालित राजस्व एवं जनसेवा संबंधी कार्यों की जानकारी ली। तहसीलदार राधेश्याम जोशी से ई-फाइल, राजस्व प्रकरणों की प्रगति आदि के बारे में जानकारी ली। साथ ही आमजन को समयबद्ध एवं प्रभावी सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अग्रवाल ने मांगथला गांव पहुंचकर गंधर्व सागर तालाब का निरीक्षण किया। उन्होंने तालाब की स्थिति, जल संरक्षण एवं उससे जुड़े कार्यों की जानकारी प्राप्त की।

राजकीय अवकाश के दिन कार्य नहीं करने के लिए ज्ञापन दिया

उदयपुर में राजकीय अवकाश के दिन कार्य नही करने के लिए ज्ञापन दिया।

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ, राजस्थान पटवार संघ, और राजस्थान कृषि पर्यवेक्षक ने गुरूवार को सयुंक्त रूप से राजकीय अवकाश के दिन कार्य नही करने के लिए मुख्य सचिव के नाम से जिला कलक्टर व मुख्य कार्यकारी अधिकारी को ज्ञापन दिया।

राजस्थान ग्राम विकास अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष कमलेश सेन ने बताया की राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2008 में राज्य कार्मिकों की कार्य क्षमता में सुधार करने के उद्देश्य हेतु प्रतिदिन कार्य के घंटे बढ़ाकर सप्ताह में 6 दिन के कार्य दिवस को घटाकर 5 दिन कर दिया गया है, जो कि अनेको मनोवैज्ञानिक कारणों एवम कार्मिकों के उचित शारीरिक व मानसिक विश्राम देने तथा उनके पारिवारिक एवं सामाजिक दायित्वों को पूर्ण करने हेतु प्रावधान किया गया था, इससे न केवल कार्मिक अपने उतरदायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन कर पाता है बल्कि कर्मचारियों की कार्यक्षमता में भी वृद्धि होती है।कमलेश सेन ने बताया कि कर्मचारियों के 5 दिन की व्यवस्था होने के बावजूद भी आपातकालीन आवश्यकताओं में अवकाश के दिन में दायित्व का निर्वहन करता है, लेकिन पिछले 3 वर्षों से राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रम, कैम्प आदि के संदर्भ में उच्चाधिकारियों द्वारा केवल और केवल अवकाश दिवसों में ही कार्य करने के आदेश दिए जा रहे है, जिसके कारण कर्मचारियों में मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य पर विलरित प्रभाव पड़ने के कारण उनकी कार्यक्षमता में प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है, जबकि सरकार की लगभग 80 प्रतिशत फ्लैगशिप योजनाओं का धरातल पर मूर्त रूप देने का कार्य तीनो संगठन के कर्मचारी ही करते है। पटवार संघ जिलाध्यक्ष प्रवीण मेनारिया ने बताया कि बड़े एवम मुख्य विभागों में अवकाश के दिन कार्य लेने पर कार्मिकों को क्षतिपूर्ति दिया जाता है जबकि हमारे लिए इस प्रकार की कोई व्यवस्था नही है और नाही ही कोई अतिरिक्त राशि देय है।

कृषि पर्यवेक्षक जिलाध्यक्ष शंकर लाल नकवाल ने बताया कि अवकाश के दिनों में कार्य करने हेतु आदेशो के कारण बाहरी जिलों में रहने वाले कर्मचारी 6-6 माह तक अपने घर नही जा सके है, जिसकी वजह से वो अपने पारिवारिक और सामाजिक दायित्वों का निर्वहन नही कर पा रहे है त इन सभी कारणों की वजह से तीनो संगठन के कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है। ज्ञापन के दौरान ग्राम विकास अधिकारी संघ के जिलामंत्री हितेश पालीवाल, प्रदेश प्रतिनिधि हरीश सुथार, ग्राम विकास अधिकारी लोकेश पंचोली, कृषि पर्यवेक्षक संघ से नीलेश यादव, मगन मीणा उपस्थित रहे।

शिलान्यास किया

भीम/राजसमंद, (निसं)। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत एवं भीम विधायक हरिसिंह रावत ने गुरुवार को भीम के कालादेह पहुंचकर भीम एवं भोपालसागर बांधों तथा इनकी नहर प्रणालियों की मरम्मत एवं नवीनीकरण कार्यों का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के अंतर्गत दोनों बांधों एवं इनकी नहरों के जीर्णोद्धार की घोषणा के क्रम में यह कार्य प्रारंभ किया गया है।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा जल संसाधनों के संरक्षण एवं सुदृढीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पुराने सिंचाई ढांचों के नवीनीकरण से जल भंडारण क्षमता बढेगी, जल वितरण व्यवस्था मजबूत होगी तथा कृषि उत्पादन को भी बढावा मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों को कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि राज्य सरकार जल संरक्षण, जल संसाधनों के सुदृढीकरण तथा सिंचाई परियोजनाओं से जुडे विकास कार्यों को त्वरित गति से पूर्ण करने के लिए गंभीर है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसानों को पर्याप्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने, जल की प्रत्येक बूंद का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से निरंतर कार्य किए जा रहे हैं।

महात्मा गांधी जिला अस्पताल में बनेगा सिकल सेल

बांसवाड़ा, (निसं)। जनजाति बहुल जिले के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत महात्मा गांधी जिला अस्पताल में सिकल सेल, थैलेसिमिया एवं हिमोफिलिया से ग्रसित मरीजों के लिए विशेष वार्ड विकसित किया जाएगा।

राज्य सरकार के निर्देशानुसार इन तीनों रोगों के मरीजों को एक ही स्थान पर बेहतर उपचार एवं विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वार्ड के केंद्रीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसी क्रम में गुरुवार को राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर की विशेषज्ञ टीम ने महात्मा गांधी जिला अस्पताल का दौरा कर प्रस्तावित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। टीम ने अस्पताल प्रशासन के साथ विभिन्न वार्डों एवं उपलब्ध संसाधनों का निरीक्षण करते हुए विशेष वार्ड के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित करने तथा उसका प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान टीम ने शिशु वार्ड, पुरुष एवं महिला वार्ड, ब्लड बैंक सहित अस्पताल में उपलब्ध विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का अवलोकन किया। साथ ही आवश्यक संसाधनों एवं उपकरणों की सूची तैयार कर आगे की कार्यवाही के लिए अपने साथ ले गई। विशेष वार्ड की स्थापना से सिकल सेल, थैलेसिमिया और हिमोफिलिया रोगियों को एक ही स्थान पर विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं, बेहतर आईपीडी सुविधाएं एवं नवाचार आधारित उपचार उपलब्ध हो सकेंगे। इससे मरीजों और उनके परिजनों को उपचार के लिए बड़े शहरों की ओर बार-बार जाने की आवश्यकता भी कम होगी।

निरीक्षण दल में आईसीएमआर नई दिल्ली से डॉ. हीना तबस्सुम, आईसीएमआर मुंबई से डॉ. रूचा, नोवो नॉर्डिस्क हीमोफिलिया एंड अदर हेमोग्लोबिनोपैथी फाउंडेशन की शिखा झा, हीमोफिलिया फेडरेशन ऑफ इंडिया की अध्यक्ष प्रेमरूप अल्वा, हीमोफिलिया राजस्थान से धरम सिंह तथा सिकल सेल प्रतिनिधि एवं सिकल सेल सक्षम राजस्थान फाउंडेशन के ललित किशोर पारगी शामिल रहे। स्वास्थ्य क्षेत्र की यह पहल जिले के हजारों मरीजों के लिए राहत लेकर आएगी और बांसवाड़ा को रक्त संबंधी आनुवंशिक रोगों के उपचार के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ खुशपाल सिंह राठौड, कार्यवाहक पीएमओ डॉ योगेश जोशी, उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राहुल डिंडोर, उप नियंत्रक डॉ डीके गोयल, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ रंजन चरपोटा, डॉ. राहुल जैन ने सुझाव दिए।

इस समय वह टेनिस छोड़ने तक के बारे में सोच रही हैं। हालांकि उन्होंने उम्मीद जताई कि कुछ दिनों में वह मानसिक रूप से फिर मजबूत होकर वापसी कर सकेंगी। – आर्यना सबालेंका

बेलारूस की स्टार खिलाड़ी, अपने खेल (टेनिस) को छोड़ने के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

विनेश फोगाट

महिला पहलवान विनेश फोगाट और भारतीय कुश्ती महासंघ के बीच चल रहे चयन विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने भारतीय कुश्ती महासंघ की उस याचिका का समाधान कर दिया है, जिसमें दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी जिसके तहत विनेश फोगाट को वर्ष 2026 एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति दी गई थी। चयन ट्रायल की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और विनेश फोगाट उसमें सफल नहीं हो सकीं हैं। इसी कारण सुप्रीम कोर्ट ने माना कि याचिका पर आगे सुनवाई करने का कोई व्यावहारिक उद्देश्य नहीं बचा है।

क्या आप जानते हैं ?... प्रथम हैट्रिक: अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच में भारत के लिए हैट्रिक बनाने वाले पहले खिलाड़ी आर. लुम्सडेन थे, जिन्होंने 1938 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की थी।

// भारतीय टीम में बड़े बदलाव की सुगबुगाहट //

सूर्यकुमार से छिन सकती है टी-20 की कप्तानी, श्रेयस और तिलक रेस में सबसे आगे

नई दिल्ली, 4 जून। भारतीय क्रिकेट में इस समय एक बहुत बड़े प्रशासनिक और रणनीतिक बदलाव की तैयारी चल रही है। कड़े फैसले लेने के लिए मशहूर मुख्य कोच गौतम गंभीर और राष्ट्रीय चयन समिति अब एक बेहद चौंकाने वाला कदम उठाने जा रहे हैं। खबरों की मानें तो स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी20 टीम की कप्तानी से हटाया जा सकता है। ब्रिटेन दौरे के लिए टीम का चयन होने से ठीक पहले इस बड़े फैसले के बारे में बीसीसीआई की शीर्ष परिषद को सूचित किया जा सकता है। उम्मीद है कि बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया इस बात की पूरी जानकारी परिषद को देंगे कि राष्ट्रीय चयनकर्ता और मुख्य कोच गौतम गंभीर इस फैसले पर एकमत हैं या नहीं।यह साफ है कि अगर सूर्यकुमार को कप्तानी से हटाया जाता है तो लगभग 18 महीनों तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने के कारण उन्हें टीम में एक खिलाड़ी के तौर पर भी नहीं रखा जाएगा। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, ''सूर्यकुमार को

कप्तानी से हटाया जाना लगभग तय है। चयनकर्ता आईपीएल के आखिर तक इंतजार करना चाहते थे, ताकि यह देख सकें कि क्या वह अपनी पुरानी लय में लौट पाते हैं या नहीं। लेकिन, वह पूरी तरह से लय से बाहर दिखे। वह रन ही नहीं बना रहे थे बल्कि उनकी बल्लेबाजी में भी वह धार नहीं दिख रही थी। इसलिए अब एक कड़ा फैसला लेना जरूरी हो गया है।'' सूत्र ने कहा, ''चयनकर्ता उन्हें लंबी सूची से बाहर कर देंगे और उन्होंने संकेत दे दिया है कि सूर्यकुमार अब उनकी योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं।'' सूत्र ने कहा, ''श्रेयस अय्यर और तिलक वर्मा अगले टी20 कप्तान बनने के दावेदार हैं।'' हालांकि कप्तानी का चुनाव इतना सीधा नहीं है। जैसा कि पिछले सप्ताह बताया था कि कुछ विकल्प मौजूद हैं। सूर्यकुमार के बाहर होने के बाद श्रेयस अय्यर एक स्वाभाविक पसंद लगते हैं। लेकिन एक अप्रत्याशित विकल्प तिलक हो सकते हैं, जिनके बारे में चयन समिति के कई सदस्यों का मानना है कि अपनी उम्र को देखते हुए वह एक आदर्श उम्मीदवार हैं। सूत्र ने कहा, ''तिलक को श्रीलंका में ए सीरीज के लिए कप्तान बनाया गया है, ताकि उनकी कप्तानी की काबिलियत को परखा जा सके।'' ऐसा समझा जाता है कि गंभीर को श्रेयस को लेकर कुछ आपत्तियां हैं जो 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान थे जब मौजूदा भारतीय मुख्य कोच टीम के मेंटोर थे। उस समय श्रेयस ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि उनकी काबिलियत को कम आंका जा रहा है और यह बात किसी की नजर से छिपी नहीं रही। सभी को पता है कि गंभीर की पहली पसंद संजू सैमसन हैं जिन्होंने टी20 विश्व कप के नॉकआउट चरण में शानदार प्रदर्शन किया था। लेकिन चयनकर्ताओं को इस बात का पूरा भरोसा नहीं है कि सैमसन या ईशान किशन में से कोई भी लंबे समय तक लगातार अच्छा प्रदर्शन कर पाएगा।

रोहित का अफगानिस्तान वनडे सीरीज में खेलना संदिग्ध, चोट के चलते बाहर होने का खतरा

नई दिल्ली, 4 जून। आईपीएल 2026 के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा का अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज में खेलना संदिग्ध बना हुआ है। रोहित और हार्दिक पांड्या दोनों को वनडे टीम में शामिल किया गया था, लेकिन बीसीसीआई के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी उपलब्धता पूरी तरह से उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी। टीम में शामिल होने से पहले दोनों क्रिकेटरों को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीईओ) में फिटनेस टेस्ट पास करना होगा। रोहित अभी तक बेंगलुरु स्थित सीई में नहीं पहुंचे हैं और

रिपोर्ट के अनुसार, संभावना है कि वह सीरीज से बाहर रह सकते हैं।

वहीं दूसरी ओर, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों के अनुसार, विराट कोहली हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। अहमदाबाद में गुजरात टाइटन्स (जीटी) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के फाइनल के आखिरी चरणों में विराट कोहली को दौड़ते समय संघर्ष करते देखा गया, लेकिन उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को 156 रनों के मुश्किल लक्ष्य का पीछा करने में 42 गेंदों में 75 रन बनाकर जीत दिलाई।

हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण अफगानिस्तान वनडे सीरीज से बाहर हुए विराट कोहली

नई दिल्ली, 4 जून। भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों के लिए एक बेहद निराशाजनक खबर सामने आई है। भारतीय बल्लेबाजी के सुपरस्टार और पूर्व कप्तान विराट कोहली हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण सोमवार को अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली आगामी तीन मैचों की वनडे श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के एक विश्वसनीय सूत्र ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा, ''कोहली हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे श्रृंखला से बाहर हो गए हैं।'' दोनों देशों के बीच तीन मैचों की यह वनडे सीरीज 13 जून को धर्मशाला के खूबसूरत मैदान पर

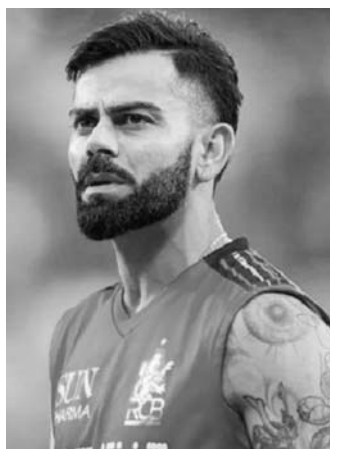

शुरू होने वाली है। भारत का यह पूर्व कप्तान अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलता है लेकिन अब भी वह दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। अब यह देखना बाकी है कि रोहित शर्मा अफगानिस्तान के खिलाफ पूरी श्रृंखला के लिए उपलब्ध रहते हैं या नहीं। वह भी कोहली की तरह अब केवल वनडे प्रारूप में ही भारत की तरफ से खेलते हैं। आईपीएल के दौरान रोहित की हैमस्ट्रिंग में भी खिंचाव आ गया था और उन्हें कुछ मैच से बाहर रहना पड़ा था। उन्हें फिटनेस के आधार पर ही टीम में शामिल किया गया है।

// आरसीए की एडहॉक कमेटी में बड़ा बदलाव //

डूंगरपुर के सुशील जैन बने एडहॉक कमेटी के नए सदस्य

जयपुर, 4 जून। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी को लेकर राज्य सरकार ने अहम फैसला लिया है। सरकार ने डूंगरपुर जिला क्रिकेट संघ के सचिव सुशील जैन को एडहॉक कमेटी का नया सदस्य नियुक्त किया है। इस नियुक्ति के बाद अब आरसीए की एडहॉक कमेटी पांच की बजाय छह सदस्यीय हो गई है। यह कमेटी आगामी दिनों में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव कराने के साथ-साथ प्रशासनिक निर्णयों की जिम्मेदारी भी संभालेगी।

सुशील जैन के कमेटी में शामिल होने को आरसीए के भीतर चल रही गतिविधियों और आगामी चुनावी प्रक्रिया के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पिछले कुछ समय से कमेटी के एक सदस्य की नियुक्ति विवादों में आने के बाद सरकार नए सदस्य की तलाश में थी। ऐसे में अब सुशील जैन की एंट्री से कमेटी को फिर से पूर्ण रूप से सक्रिय करने

की कोशिश की गई है। एडहॉक कमेटी का सदस्य बनाए जाने पर सुशील जैन ने राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार प्रदेश में क्रिकेट के विकास और खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह मौजूदा कमेटी के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर प्रदेश में क्रिकेट को नई दिशा देने और खिलाड़ियों की समस्याओं के समाधान के लिए काम करेंगे।

सुशील जैन ने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि राजस्थान के क्रिकेटरों को किसी भी प्रकार की प्रशासनिक या संसाधन संबंधी परेशानी का सामना नहीं करना पड़े और उन्हें बेहतर खेल वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। वर्तमान में आरसीए की एडहॉक कमेटी में मोहित यादव कन्वीनर के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उनके अलावा धनंजय सिंह खींवसर, अरिष्ट सिंघवी, आशीष तिवाड़ी और अर्जुन बेनीवाल सदस्य के रूप में शामिल थे। यह कमेटी राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के प्रशासनिक कार्यों के संचालन और चुनाव प्रक्रिया की तैयारियों में जुटी हुई है।

आईसीसी ने रॉड टकर को 100वें टेस्ट में अंपायरिंग पूरी करने पर दी बधाई

नई दिल्ली, 4 जून । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने ऑस्ट्रेलिया के वरिष्ठ अंपायर रॉड टकर को उनके 100वें टेस्ट मैच

में ऑन-फील्ड अंपायरिंग पूरी करने पर बधाई दी है। टकर ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप शृंखला के पहले टेस्ट मैच के दौरान हासिल की। रॉड टकर टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 100 टेस्ट मैचों में अंपायरिंग करने वाले केवल चौथे अंपायर बन गए हैं। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में पूर्व आईसीसी टेस्ट अंपायर इयान गोल्ड ने उन्हें स्मृति चिह्न के रूप में एक क्रिस्टल ट्रॉफी भेंट की। आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने रॉड टकर को बधाई देते हुए कहा कि वह विश्व क्रिकेट के सबसे सम्मानित अंपायरों में शामिल हैं और अपनी निरंतरता, निष्पक्षता और दबाव में शांत रहकर मैच संचालन करने की क्षमता के लिए पहचाने जाते हैं।

द राजस्थान क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 4 जून। अंडर-16 समर कप में देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 39.2 ओवर में 123 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। सुजल कुमार ने 39 और पुनीत यादव ने 32 रन का योगदान दिया। द राजस्थान क्रिकेट अकादमी की ओर से मनीष ने 4 और रुतबा चौधरी ने 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी द राजस्थान क्रिकेट अकादमी ने 20 ओवर में 129 रन 5 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली। राज्यवर्धन ने 50 और मुकुल ने 36 रन का योगदान दिया। देवेंद्र शेखावत क्रिकेट अकादमी की ओर से पुनीत यादव ने 3 विकेट लिए।

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

संशोधित निविदा सूचना - 02 दिनांक :- 03/06/2026

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
आर.एस.एम.एम. / एसबीयू एण्ड पीसी-एल.एस / प्रमुख एवं प्रभारी -एलएस / संविदा- 01 / 2026-27 दिनांक 22.04.2026 UBN No. MML2627SLOB00016	सानू माईन्स, जैसलमेर के लिये दो हार्ड टॉप महेन्द्रा एण्ड महेन्द्रा बोलेरो जीप (BOLERO B-6) (7-सीटर एसी डीजल टैक्सी परमिट) वाहन मॉडल वर्ष 2026 या उसके बाद की 24 घण्टे प्रतिदिन कार्य हेतु न्यूनतम 4000 किमी प्रति जीप प्रति माह चलाने हेतु आवश्यकता है। (कुल 8000 किमी प्रति माह) अनुमानित मूल्य (रू.) 33.00 लाख, धरोहर राशि (रू.) – 66000 / –, निविदा राशि – 1180 / – निविदा प्रस्तुत करने की संशोधित तिथि 11.06.2026 को सांय 3.00 बजे तक, निविदा के तकनीकी प्रस्ताव खुलने की संशोधित तिथि 12.06.2026 को सांय 3.30 बजे।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबन्धक (अनुबंध) से उपरोक्त पते पर सम्पर्क करें।
राज.संवाद/सी/26/4128 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

राजस्थान सरकार
कार्यालय नगर पालिका, सादड़ी (जिला-पाली) राज.
पताः मैन बस स्टेण्ड, सादड़ी (आपकी सेवा में सदैव तत्पर)
Ph.-02934-285022 email: npsadri1979@yahoo.com, gmail.com
क्रमांक : न.पा.सा. / 2026 / 1092-1094 दिनांक 01.06.2026
-:: Notice Inviting Bid ::-
Bid for subject matters of procurement are invited from intreseted bidders upto (date)& (time). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. (https://sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in) of the state departmental website.
UBN NO :- DLB2627WSOB06159
अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका सादड़ी
राज.संवाद / सी / 26 / 4163

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :-न.प.सु/स्टोर शाखा/2026/1792 दिनांक :- 02.06.2026
-: ई-निविदा सूचना-2026-27 :-
नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा दिनांक 09.06.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक DLB2627GLOB06166 है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।
आयुक्त
राज.संवाद / सी / 26 / 4176 नगर परिषद, सुजानगढ

कार्यालय नगरपालिका मण्डल बसेडी, धौलपुर (राज.)
Email id :- baseri.jaipur21@gmail.com
क्रमांकः- न.पा.ब. / निर्माण / 2026 / 724 दिनांकः- 02.06.2026
ई-निविदा सूचना संख्या 03/2026-27
आमंत्रण सूचना
नगरपालिका द्वारा निम्न कार्य हेतु केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभागो में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया के अन्तर्गत ऑनलाइन आमन्त्रित की जाती है। निविदा डाउनलोड एवं अपलोड करने की तिथि 02.06.2026 समय दोपहर 02.00 बजे से प्रारम्भ की जाकर निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि 10.06.2026 समय सांय 06.00 बजे तक होगी। एवं निविदा दिनांक 12.06.2026 को खोली जावेंगी। तकनीकी निविदा में सफल संवेदकों की ही वित्तीय बिड खोली जावेंगी।
निविदा फॉर्म ऑनलाईन बेवसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड व डाउनलोड की जायेंगी। तथा ऑनलाईन बेवसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर भी निविदा शर्तें देखी जा सकती है।

Sr.No.	UBN no.	Tender Id	Estimated Cost
1	DLB2627WSOB06157	2026_DLB_564113_1	40.53 LACS

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद / सी / 26 / 4152 नगरपालिका बसेडी

शॉन टेट ने समय से पहले छोड़ा तेज गेंदबाजी कोच का पद

नई दिल्ली, 4 जून। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाजी कोच शॉट टेट ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। बांग्लादेश के तेज गेंदबाजी कोच शॉन टेट ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वह पहले ही कह चुके है कि वे इस पद पर आगे काम नहीं करेंगे। बांग्लादेश के पूर्व तेज गेंदबाज तल्हा जुबैर ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए अंतरिम पेस बॉलिंग कोच के रूप में टीम के साथ जुड़ने वाले हैं।

टेट ने इस्तीफा देने की वजह नहीं बताई - क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार शॉट टेट ने कहा, ''हां, मैंने इस्तीफा दे दिया है।'' लेकिन उन्होंने इसके बारे में और कुछ नहीं बताया। टेट का बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के साथ अनुबंध 2027 वनडे विश्व कप तक था। उन्होंने मई 2025 में टीम जॉइन की थी और बांग्लादेश के साथ उनका कार्यकाल बेहद सफल रहा। युवा तेज गेंदबाज नाहिद राणा को तराशने में उनकी भूमिका की तारीफ हुई है।

नाहिद अपनी जबरदस्त रफ्तार की वजह से हाल के सालों में बांग्लादेश क्रिकेट के सबसे उभरते सितारों में से एक बन गए हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के एक सूत्र ने पुष्टि की है कि शॉन टेट ने बोर्ड को अपना इस्तीफा पहले ही

दे दिया था। उनके जाने के पीछे मुख्य कारण पारिवारिक बताए जा रहे हैं। हालांकि ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले ट्रेनिंग कैंप में शामिल होने का कार्यक्रम पहले से तय था, लेकिन अब यह अनिश्चित है कि वे रिपोर्ट करेंगे या नहीं।

ऑस्ट्रेलिया 9 से 21 जून तक छह मैचों की सफेद गेंद सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा करेगा। तीन एकदिवसीय मैच ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 9, 11 और 14 जून को खेले जाएंगे। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे मैचों के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम में ऑलराउंडर मोसद्देक हुसैन चार साल बाद वापसी कर रहे हैं। वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज काजी नुरुल हासन भी टीम में लौटे हैं। उन्होंने अफीफ हुसैन और महिदुल इस्लाम अंकन की जगह ली है।

बांग्लादेश की टीम इसके बाद जिम्बाब्वे का दौरा करेगी। दोनों टीमें दो जगहों पर एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलेंगी। बांग्लादेश सबसे पहले एक अकेला टेस्ट मैच खेलेगा, जो 28 जून को हरारे में शुरू होगा। पिछली बार (2025) जब वे किसी टेस्ट सीरीज में आमने-सामने हुए थे।

श्रीलंका ने पहले वनडे में विंडीज को 41 रन से हराया

किंगस्टन, 4 जून। श्रीलंका ने वेस्टइंडीज दौरे के पहले एकदिवसीय मुकाबले में बुधवार देर रात दमदार प्रदर्शन करते हुए 41 रन से जीत दर्ज की। कप्तानी में वापसी कर रहे कुसल मेंडिस ने शानदार अर्धशतक जड़ा, जबकि गेंदबाजों ने लक्ष्य का सफल बचाव करते हुए टीम को जीत दिलाई।

पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका की शुरुआत थोड़ी सतर्क रही, हालांकि पथुम निसांका को शुरुआती जीवनदान मिला जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। दूसरे छोर पर कुसल मेंडिस ने शुरुआत में समय लिया, लेकिन फिर तेजी से रन बनाते हुए पारी को गति दी।

कुसल ने विशेष रूप से स्पिनर गुडाकेश मोती पर हमला बोला और लगातार बड़े शॉट लगाए। उन्होंने 62 गेंदों पर 72 रन की तेज पारी खेली। कुसल और निसांका के बीच महत्वपूर्ण साझेदारी ने श्रीलंका को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

निसांका ने 79 रन बनाए जबकि मध्यक्रम में चरिथ असलंका ने 45 और जनिथ लियानागे ने नाबाद 44 रन जोड़कर टीम को 50 ओवर में 303/7 तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने तेज शुरुआत की। जॉन कैंपबेल और जस्टिन ग्रीव्स ने शुरुआती ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी की, लेकिन रन आउट ने टीम की लय तोड़ दी। इसके बाद श्रीलंकाई गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाया।

इंडोनेशिया ओपन में विश्व ओलंपिक चैम्पियन से हारी सिंधु, आयुष भी बाहर

जकार्ता, 4 जून । भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का इंडोनेशिया ओपन 2026 अभियान प्री-क्वार्टरफाइनल में गुरुवार को समाप्त हो गया। सिंधु को लगातार दूसरे सप्ताह विश्व नंबर-1 और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन एन से यंग के हाथों हार का सामना करना पड़ा।

महिला एकल के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में सिंधु ने कुछ समय तक अच्छी चुनौती पेश की, लेकिन अंततः उन्हें 17-21, 14-21 से हार झेलनी पड़ी। इससे एन से यंग के खिलाफ सिंधु की हार का सिलसिला 10 मैचों तक पहुंच गया और भारतीय स्टार अब भी दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी के खिलाफ पहली जीत की तलाश में हैं।

मुकाबले की शुरुआत बेहद कड़ी रही और पहले गेम के दौरान दोनों खिलाड़ी 10-10 की बराबरी पर थीं। सिंधु ने आक्रामक खेल दिखाते हुए एक समय 15-14 की बढ़त भी बनाई, लेकिन इसके बाद एन से यंग ने लगातार अंक जुटाकर वापसी की।

दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी ने 41 शॉट की लंबी रैली जीतकर पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी एन से यंग ने शुरुआत से दबदबा बनाए रखा और 13-6 की बढ़त हासिल कर ली। सिंधु ने वापसी की कोशिश की, लेकिन एन की शानदार कोर्ट कवरेज और निरंतरता के आगे टिक नहीं सकीं।

पुरुष एकल में भारत के आयुष शेट्टी भी प्री-क्वार्टरफाइनल से आगे नहीं बढ़ सके। आयुष ने पहला गेम जीतकर अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन इसके बाद हांगकांग के ली चियुक यिउ ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबला 16-21, 21-13, 21-14 से जीत लिया।

फ्रेंच ओपन : चोटिल बेरेटिनी के हटने से अर्नाल्डी पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचे

पेरिस, 4 जून । फ्रेंच ओपन 2026 में इटली के मातेओ अर्नाल्डी ने अपने करियर का पहला ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल खेलना सुनिश्चित कर लिया। बुधवार को खेले गए क्वार्टरफाइनल में उन्हें हमवतन मातेओ बेरेटिनी के चोट के कारण मुकाबले से हटने का फायदा मिला। मुकाबले के समय अर्नाल्डी 7-5, 5-2 से आगे चल रहे थे, तभी बेरेटिनी ने चोट के चलते मैच छोड़ने का फैसला किया। दूसरे सेट के शुरुआती खेलों के दौरान उन्हें कूल्हे में परेशानी महसूस हुई और उन्होंने चिकित्सकीय सहायता भी ली।

जी आर एकेडमी व अरावली क्लब क्वार्टर फाइनल में पहुंची

स्टेट लेवल यूथ कप अंडर-17

जयपुर, 4 जून। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ कप अंडर 17 क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गए पहले प्री क्वार्टर फाइनल मैच में जी आर एकेडमी ने कोड़ाई एकेडमी को 69 रनो से हराया। तथा दूसरे मैच में अरावली क्लब ने केशर एकेडमी को 43 रनो से हराया।

जी आर ग्राउंड पर खेले गए मैच में कोड़ाई एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सुमित मीणा के 57 रन, शिवांजल अग्रवाल के 71 रन, वशिष्ठ शर्मा के 52 रनो से 50 ओवर में 9 विकेट 252 रन बनाए। जी आर एकेडमी के लिए प्रतीक चौधरी ने 34 पर 3, यथार्थ भारद्वाज ने 48 पर 2, सुरेश चौधरी, राजवीर चौधरी व युवराज ने एक - एक विकेट लिया।

जवाबी पारी जी आर एकेडमी की टीम ब्रजेश यादव के 19 रन, रेयांश भाटिया के 16 रन, तुषार चेलानी के 14 रन, यथार्थ

भारद्वाज के 70 रन, केविन नीरज चड्ढा के 32 रन नाबाद व किशन गुर्जर के नाबाद 28 रनो से 20.1 ओवर में 4 विकेट पर 192 रन बनाए थे कि बारिश से मैच रोकना पड़ा। कोड़ाई एकेडमी के लिए सात्विक जैन ने 53 पर 2, चर्चित निर्वाण व शिवांजल अग्रवाल ने एक - एक विकेट लिया। मैच का परिणाम वी जे डी नियम से निकला गया जिसमें जी आर एकेडमी ने कोडाई एकेडमी को 69 रनो से जीत दर्ज की।

दूसरे मैच में अरावली ग्राउंड पर अरावली क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अमन शर्मा के 26 रन, राम के 27 रन, जे सिंह के 112 रन (84 गेंद, 13 चौके व 1 छक्के), आजाद के 65 रन, व दिव्यांशु के 29 रनो से 50 ओवर में 9 विकेट पर 324 रन बनाए। केशर एकेडमी के लिए प्रदीप गुर्जर ने 50 पर 3, आशीष चौधरी ने 71 पर 2, दीपक बड़ैतिया ने 42 पर 2 विकेट किए। जवाबी पारी में केशर एकेडमी ने एस चौहान के 103 रन, पराक्रम सिंह के 85 रन, दीपक बड़ैतिया के 35 रनो से 47.4 ओवर में 281 रन बनाकर आउट हो गई। अरावली क्लब के लिए दिव्यांशु खंडेलिया ने 56 पर 3, दक्ष शर्मा, मिलन व परम सिंह ने एक एक विकेट लिया।

दूसरी अंडर-13 राजस्थान बॉयज फुटबॉल लीग रॉयल फुटबॉल क्लब ने एलीट फुटबाल क्लब को 8-0 से हराया

जयपुर, 4 जून। राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में पूर्णिमा यूनिवर्सिटी जयपुर के फुटबॉल मैदान पर रविवार को अंडर - 13 राजस्थान लीग के मैच खेले गए। राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज खेले गए चार मुकाबलों में पहले मुकाबले में रॉयल फुटबॉल क्लब ने जयपुर एलीट क्लब को 8-0 से पराजित किया। एलीट की तरफ से नंदीश 16 समर 17,33 मोहम्मद मुद्दों 23 अमन 43 अंशु 31,54,58 मिनट पर गोल किए।

दूसरे मुकाबले में ब्रदर्स यूनाइटेड जयपुर ने ए एस एल फुटबाल क्लब जयपुर को 5-0 से पराजित किया। गोल जसन 20,52 मिनट, नकुल 36,38 मिनट व अब्बास ने 55 मिनट पर गोल किया। तीसरे मैच में ने रेड स्टोन फुटबॉल क्लब ने राजस्थान फुटबाल स्कूल को 3-1 से पराजित किया । रेड स्टोन से कृष्ण कुमार ने 28,38,43 मिनट पर ओर राजस्थान फुटबाल स्कूल से आयन ने 17 मिनट पर गोल किया। चौथा आखरी मैच जयपुर बॉयज और गर्ल्स फुटबॉल क्लब ने जयपुर फुटसाल फुटबॉल क्लब को 5-0 से पराजित किया कुणाल कलाल ने 47, 72 मिनट पर ओर आयन गुजर 41 हम जिगर ने 43 कृष ने 45 मिनट पर गोल किया।

कार्यालय नगरपरिषद, करौली राज0
फोन न0 07464-294024 ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com
क्रमांक : 1297 दिनांक : 02.06.2026
ई-निविदा सूचना
सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद करौली मय डिफेक्ट लाईबिलिटी पीरियड (कार्य दोष निवारण अवधि)के शहर करौली निम्न विकाय कार्य कराना चाहती हैं, जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई टैण्डरिंग के माध्यमसे ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्तें www.sppp.raj.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

कुल निविदा कार्य 02	नगरपरिषद क्षेत्र करौली में रमेश के घर से बनवारी के घर से होते हुए रामदयाल के घर तक सीसी सड़क निर्माण कार्य	नगरपरिषद क्षेत्र करौली में शिवजी पंडित के घर से रमेश मास्टर के घर तक सीसी सड़क निर्माण कार्य
निविदा की लागत	20.41 लाख	11.82 लाख
धरोहर राशि	प्रत्येक कार्य हेतु लागत का 2 प्रतिशत	
निविदा शुल्क	1000/- रूपये	1000/- रूपये
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	500/-रूपये	500/-रूपये
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने /डाउनलोड की तारीख	दिनांक 04.06.2026 5:00 पीएम से 18.06.2026 समय 6:00पीएम0 तक	
ऑनलाईन निविदा फॉर्म व निविदा शुल्क जमा कराने की अन्तिम तिथि	18.06.2026 समय 6:00 पीएम0 तक	
ऑनलाईन बिड खोलने की तारीख	19.06.2026 समय 03.00 पीएम0 पर	
निविदा प्रपत्र व शर्तें डाउनलोडिंग बेबसाईट	eproc.rajasthan.gov.in	
कार्य दोष निवारण (डिफेक्ट लाईबिलीटी पीरियड)	05 वर्ष	
कार्य की समयावधि	03 माह	
UBN. -	DLB2627WSOB06227	DLB2627WSOB06228

आयुक्त
राज.संवाद/सी/26/4173 नगरपरिषद, करौली

पिछली सरकार की 30 हजार किमी की तुलना में हमने 48 हजार किमी सड़कें बनाईं- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने पीडब्ल्युडी के अधिकारियों को परियोजनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए

जयपुर, 4 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सड़कों का निर्माण पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ करने के स्पष्ट निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण की निरंतर जांच की जाए एवं निम्नस्तरीय सड़क पर अधिकारी-

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने जालौर, झालावाड़, श्रीगंगानगर, कोटपूटली, अजमेर, बाँसवाड़ा के बीच कनेक्टिविटी को यथा शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर सार्वजनिक निर्माण विभाग की बैठक ली। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अखिल अरोड़ा व अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता मौजूद थे।

अभियंता की जिम्मेदारी तय करते हुए उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर सार्वजनिक निर्माण विभाग की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों को, उच्च गुणवत्ता के मापदण्डों को ध्यान में रखते हुए आपसी समन्वय से तय समयसीमा में पूरा किया जाए। विकास एवं परियोजनाओं के कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित हो।

उन्होंने प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे की विस्तृत समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने जालौर-झालावाड़, श्रीगंगानगर-कोटपूतली, अजमेर-बांसवाड़ा के मध्य बेहतर कनेक्टिविटी के संबंध में चर्चा करते हुए दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को प्रगतिरत कार्यों के बारे में अवगत करवाते हुए बताया कि वर्तमान सरकार के 2 वर्ष 5 माह के कार्यकाल में अब तक 33 हजार 195 करोड़ रुपये का व्यय कर 48 हजार 748 किमी लम्बाई में सड़कों का विकास कार्य पूर्ण किया गया है। जिसमें से 17 हजार 934 किमी लम्बाई की नवीन सड़कों का निर्माण कार्य हुआ है।

उल्लेखनीय है कि पूर्ववर्ती सरकार में समान समयावधि के दौरान 13 हजार 400 करोड़ रुपये व्यय कर 30 हजार 641 किमी लम्बाई में सड़कों का निर्माण कार्य ही किया गया था। वहीं, नवीन सड़कें भी केवल 4 हजार 671 किमी लम्बाई में निर्मित की गई थीं। साथ ही, केवल 280 गांव ही सड़कों से जुड़ पाए थे।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय अखिल अरोड़ा व अतिरिक्त मुख्य सचिव सार्वजनिक निर्माण विभाग प्रवीण गुप्ता सहित, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और सार्वजनिक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुजफ्फरपुर के अस्पताल में आग लगी, पांच की मौत

मुजफ्फरपुर, 04 जून। बिहार के मुजफ्फरपुर शहर के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र स्थित प्रसाद अस्पताल में लगी भीषण आग की घटना में अब तक 05 लोगों की मौत हो चुकी है। नगर आयुक्त ऋतुराज प्रताप सिंह ने इसकी पुष्टि की है। आग तड़के करीब 3 बजे अस्पताल के आईसीयू वार्ड में लगी थी। इसके बाद देखते ही देखते पूरे अस्पताल में धुआं फैल गया। इससे अस्पताल परिसर के अंदर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर

- **अभी तक की जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगना बताया जा रहा है।**

पहुंची दमकल टीम ने तेजी से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया।

नगर आयुक्त ऋतुराज प्रताप सिंह ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि घटना में अब तक 05 लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि अभी तक की जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगना सामने आया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि मुजफ्फरपुर के एक निजी अस्पताल में आग लगने से व्यक्तियों की मृत्यु अत्यंत दु:खद है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग एमपी से राज्यसभा के उम्मीदवार घोषित

भाजपा ने अरुणाचल प्रदेश, गुजरात, मध्यप्रदेश, मणिपुर व राजस्थान से प्रत्याशियों की घोषणा की

- **अरुणाचल से ताई तागाक, गुजरात से राजूभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा, राजस्थान से डॉ. सतीश पूनिया और अलका गुर्जर, मणिपुर से शारदा देवी को उम्मीदवार बनाया गया है।**

नई दिल्ली, 04 जून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केन्द्रीय चुनाव समिति ने पांच राज्यों में होने वाले राज्यसभा द्विवार्षिक चुनाव-2026 तथा ओडिशा में होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। पार्टी ने मध्य प्रदेश की दो सीटों से पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग और प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ संगठनात्मक नेता रजनीश अग्रवाल को उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा, बीजद छोड़ कर हाल ही में भाजपा में शामिल हुए देवाशीष सामंतराय को ओडिशा उपचुनाव में पार्टी का उम्मीदवार बनाया गया है।

भाजपा महासचिव अरुण सिंह की ओर से गुरुवार को अरुणाचल प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, मणिपुर, राजस्थान की 10 सीटों के लिए होने वाले राज्यसभा चुनाव और ओडिशा की एक सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवारों की सूची जारी की गई। इसमें अरुणाचल प्रदेश से ताई तागाक, गुजरात से राजूभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा, मानसिंह परमार और जितेन्द्र मेघजीभाई कंजारिया, मध्य प्रदेश से तरुण चुग और रजनीश अग्रवाल, मणिपुर से ए शारदा देवी तथा राजस्थान से डॉ. अलका गुर्जर और डॉ. सतीश पूनिया को राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार घोषित किया गया है।

मध्य प्रदेश से उम्मीदवार बनाए गए तरुण चुग भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव हैं और संगठन के प्रमुख रणनीतिकारों में गिने जाते हैं। पंजाब के अमृतसर से आने वाले चुग जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और तेलंगाना सहित कई राज्यों में संगठनात्मक जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं।

दूसरे उम्मीदवार रजनीश अग्रवाल लंबे समय से मध्य प्रदेश भाजपा संगठन से जुड़े हुए हैं। वे वर्तमान में प्रदेश सचिव के रूप में कार्यरत हैं।

उल्लेखनीय है कि 12 राज्यों की 26 राज्यसभा सीटों के लिए 18 जून को मतदान होगा। मतदान समाप्त होने के बाद, उसी दिन मतगणना होगी और परिणाम घोषित किए जाएंगे।

मालविया नगर अग्निकांड के मृतक के परिजनों को 10 लाख रु. की सहायता

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने सभी मरीजों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिये

- **मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी के होटलों, व्यवसायिक परिसरों व अन्य सार्वजनिक भवनों में अग्नि सुरक्षा मानकों की विशेष ऑडिट कराने के निर्देश दिये।**

नई दिल्ली, 04 जून। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को मालवीय नगर अग्निकांड में घायल लोगों का हाल चाल जानने के लिए साकेत स्थित अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने अस्पताल में भर्ती घायलों से मुलाकात की, उनके परिजनों से बात की और डॉक्टरों से उपचार की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अग्निकांड में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। वहीं, गंभीर रूप से घायल लोगों को 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि जिन मृतकों के परिजन अन्य राज्यों या विदेशों में रहते हैं, उनके पार्थिव शरीर को सम्मानपूर्वक उनके घर तक पहुंचाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं तुरंत की जाएं। अस्पताल में भर्ती घायलों से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने उन्हें ढांढस बंधाते हुए कहा कि दिल्ली सरकार उनके साथ है और उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने चिकित्सकों से प्रत्येक मरीज की स्थिति की व्यक्तिगत जानकारी ली और उपचार प्रक्रिया की निरंतर निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ मरीज गंभीर स्थिति में हैं और कुछ को वेंटिलेटर पर रखा गया है। प्रभावितों में, भारत के अलावा बांग्लादेश, नेपाल, कैमरून, लीबिया सहित अन्य देशों के नागरिक भी हैं। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिया कि सभी मरीजों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए और विदेशी नागरिकों के मामलों में भी आवश्यक समन्वय सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी में सुरक्षा संबंधी कई गम्भीर कमियां सामने आई हैं। कई भवनों में आपातकालीन निकास मार्ग, फायर सेफ्टी सिस्टम और सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी लोगों तक पर्याप्त रूप से नहीं पहुंच पाती। उन्होंने संबंधित विभागों को घटना की विस्तृत जांच कराने और राजधानी के होटलों, व्यावसायिक परिसरों तथा अन्य सार्वजनिक भवनों में अग्नि सुरक्षा मानकों का विशेष ऑडिट कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां भी लापरवाही या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होगी, वहां जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'ईरान वॉर से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ट्रंप प्रशासन का ज़ोर देकर कहना है कि ईरान के खिलाफ युद्ध पहले ही समाप्त हो चुका है, जबकि, दोनों पक्षों की सेनाओं के बीच लगातार गोलीबारी जारी है और शांति वार्ता में वास्तविक प्रगति के संकेत नहीं दिख रहे हैं।

डैमोक्रैट्स ट्रंप पर संविधान का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हैं, क्योंकि उन्होंने फरवरी के अंत में कांग्रेस की अनुमति के बिना इज़रायल के साथ मिलकर ईरान पर हमले शुरू किए थे।

"युद्ध शक्तियां अधिनियम (वॉर पावर्स एक्ट) के तहत, अमेरिकी सेना को किसी भी संघर्ष में उतारने के बाद राष्ट्रपति के पास कांग्रेस की मंज़ूरी लेने के लिए 60 दिन का समय होता है। वह समय सीमा कई सप्ताह पहले ही बीत चुकी है, और डैमोक्रैट्स का कहना है कि ट्रंप अब कानून तोड़ रहे हैं।

वाइट हाउस इस व्याख्या को स्वीकार नहीं करता और उसका तर्क है कि अप्रैल में हुए संघर्ष-विराम के कारण यह समय सीमा अस्थाई रूप से रूक गई थी।

लेकिन ट्रंप ने बार-बार हमले फिर से शुरू करने की धमकी दी है, और इस सप्ताह तनाव और भी बढ़ गया है।

रातों-रात, अमेरिका ने बताया कि उसने ईरानी ड्रोन को मार गिराया है और ईरान के एक ज़मीनी नियंत्रण केन्द्र पर हमला किया है, वहीं दूसरी ओर, तेहरान की सेनाओं ने खाड़ी क्षेत्र के कई पड़ोसी देशों पर ड्रोन और मिसाइलें दागी हैं।

ट्रंप का समर्थन करने वाले रिपब्लिकन नेताओं ने तर्क दिया कि यह प्रस्ताव ऐसे समय में अमेरिका को कमज़ोर करेगा, जब ईरान दबाव में है। लेकिन नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों से पहले युद्ध का राजनीतिक बोझ बढ़ने के कारण, उनकी नाराज़गी भी अब अधिक स्पष्ट दिखाई देने लगी हे।

सीजेपी को रैली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर ली है और लाखों समर्थक जुटा लिए हैं। राजनीतिक विश्लेषक इसकी तुलना हाल के वर्षों में दुनिया भर में उभरे उन ऑनलाइन आंदोलनों से कर रहे हैं, जिन्होंने राजनीति पर प्रभाव डाला था। इस सन्दर्भ में, 2010-12 के "अरब स्प्रिंग आंदोलन" और 2011 के "ऑक्युपाई वॉल स्ट्रीट" आंदोलन का भी उल्लेख किया जा रहा है। पिछले एक दशक में हांगकांग, ब्राज़ील और फिलीपींस से कई हैशटैग आंदोलनों की खबरें आई हैं। इसी तरह के युवा आंदोलनों ने भारत के पड़ोसी देशों, जैसे श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में भी बड़े राजनीतिक बदलावों को जन्म दिया है। अब यह देखना बाकी है कि दिपके और उनके सहयोगी अपने ऑनलाइन अभियान को जमीन पर वास्तविक जन आंदोलन में बदल पाते हैं या नहीं। सीजेपी जिन मुद्दों को उठा रही है, वे काफी महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। इनमें धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा, शासन में अधिक जवाबदेही, भ्रष्टाचार विरोधी कदम, गोदी मीडिया की जांच और राजनीतिक दल-बदल की जांच जैसी मांगें शामिल हैं। सीजेपी राजनीति में महिलाओं की अधिक भागीदारी और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की भी वकालत करती है। इसके अलावा, पार्टी संस्थागत ईमानदारी को मजबूत करने और मतदाताओं को प्रभावित किए जाने की धारणाओं को कम करने की बात भी करती है।

चने की दाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतिभाशाली दीक्षा कुशवाह उत्कृष्ट विद्यालय की कक्षा 12वीं में अध्ययनरत हैं। वह शहर के शहर के फ्रीगंज स्थित एक आर्ट क्लास की भी छात्रा हैं।

'हिजबुल्लाह हथियार नहीं छोड़ेगा'

बेरूत, 04 जून। इज़रायल और लेबनान के बीच हाल ही में हुए युद्धविराम समझौते को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया। लेबनान के शक्तिशाली संगठन हिज्बुल्लाह ने इस समझौते को स्वीकार करने से इनकार करते हुए कहा है कि मौजूदा प्रस्ताव उसे स्वीकार्य नहीं है और इससे क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकेगी।

हिज्बुल्लाह प्रमुख नईम कासिम ने स्पष्ट किया है कि जब तक दक्षिणी लेबनान में इज़रायली सेना की मौजूदगी बनी रहेगी, तब तक उनका संगठन प्रतिरोध जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि किसी भी युद्धविराम की शर्त यह होनी चाहिए कि इज़रायल पूरी तरह लेबनानी क्षेत्र से अपनी सेना वापस बुलाए और सैन्य कार्रवाई पूरी तरह समाप्त करे। कासिम ने लेबनानी सरकार और इजराइल के बीच चल रही बातचीत पर भी सवाल उठाए।

इंडिया ब्लॉक की बैठक में शामिल नहीं होगी डीएमके

चेन्नई, 04 जून। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने आठ जून को नई दिल्ली में होने वाली इंडिया गठबंधन की बैठक में भाग न लेने का फैसला किया है। पार्टी ने कांग्रेस पर तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के बाद विश्वासघात करने का आरोप लगाया है। बता दें कि विधानसभा चुनावों के बाद कांग्रेस, डीएमके का साथ छोड़कर टीवीके के साथ गठबंधन में शामिल हो गई थी, जिसे डीएमके ने धोखा करार दिया था। बता दें कि डीएमके इंडिया गठबंधन की प्रमुख सहयोगियों में से एक थी।

बयान में डीएमके ने कहा कि वह लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और राज्यों के अधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रही है। पार्टी ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट), निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन, नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए), चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, वन नेशन, वन इलेक्शन प्रस्ताव, वक्फ अधिनियम में संशोधन और विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) में बदलाव जैसे मुद्दों पर अपने विरोध का उल्लेख किया। डीएमके ने स्पष्ट किया कि तमिलनाडु चुनावों के बाद कांग्रेस के व्यवहार को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में गहरी नाराजगी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

दिल्ली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुलिस ने कहा कि वे एफआईआर की कॉपी देंगे। तीन जून को दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में बेसमेंट में फंसे 21 लोगों की धुएं और आग की चपेट में आने से मौत हो गई। मरने वालों में कई विदेशी नागरिक भी शामिल थे।

आज पत्ते खोलेंगे अन्नामलाई

चेन्नई, 04 जून। तमिलनाडु भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई से जुड़ी बड़ी खबर आ रही है। उन्होंने शुक्रवार, पांच जून 2026 को दोपहर 12:00 बजे एक बड़े सोशल मीडिया संवाद की घोषणा की है। इस एक एलान ने राजनीतिक हलकों में अटकलों का बाजार बेहद गर्म कर दिया है। राजनीतिक विश्लेषक अब उनके अगले कदम को लेकर कई तरह के कयास लगा रहे हैं। सियासी गलियारों में चर्चा है कि अन्नामलाई भाजपा से दूरी बनाने या पार्टी छोड़ने की पूरी तैयारी कर चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वे पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। वहां उन्होंने केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन समेत शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की है। कयास लगाए जा रहे हैं कि वे केन्द्रीय आलाकमान को अपना इस्तीफा भी सौंप चुके हैं।

खान सर के कोचिंग सैंटर पर हमले में नया मोड

खान सर व कोचिंग सैंटर के गार्ड्स से पूछताछ की गई

- **गार्ड्स के हथियारों की प्रामाणिकता भी जांची जा रही है।**

पटना, 04 जून। खान सर के कोचिंग में हमले के मामले में अब उनसे भी पुलिस पूछताछ कर रही है। वहीं इसी बीच खान सर की कोचिंग जीएस ग्लोबल स्टडीज में हुए पथराव वाले दिन जो गार्ड ड्यूटी पर थे, पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की थी, उन दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन पर फायरिंग का आरोप है। दोनों गार्ड्स के हथियार भी जब्त कर लिए गए हैं और उनके लाइसेंस का वेरिफिकेशन कराया जा रहा है। खान सर के जिन दो बॉडीगार्ड्स को गिरफ्तार किया गया है, उनके नाम प्रदीप और तालेश्वर हैं।

खान सर से पुलिस ने उनकी कोचिंग जीएस ग्लोबल स्टडीज में ही पूछताछ की है, ये पूछताछ काफी देर तक चली है। बताया जा रहा है कि अभी खान सर से और भी पूछताछ हो सकती है। इस मामले में पुलिस उनसे हर जानकारी ले रही है। दरअसल खान सर की कोचिंग में हुए हंगामे में तोड़ फोड़ और फायरिंग की खबर के बाद, खान सर ने खुद फायरिंग की बात से मना किया था। एफआईआर में भी फायरिंग की बात दर्ज नहीं थी।

लेकिन खान सर के इनकार करने के बाद एक और वीडियो वायरल हुआ। इस वीडियो में हवा में दो लोग फायरिंग कर दिख रहे थे।

टीएमसी के विधायकों ने जो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभिषेक बनर्जी के प्रति अपने गहरे रोष, यहाँ तक कि घृणा, को खुलकर व्यक्त कर रहे हैं। ऐसी कहानियाँ भी सामने आ रही हैं कि चुनावी पराजय के बाद वरिष्ठतम विधायकों को भी इस विवादित हस्ती के सम्मान में खड़े होकर तालियाँ बजाने के लिए मजबूर किया गया था।

अगर ऐसा होता है, जैसा कि कई लोग मानते हैं कि यह भी समय की बात है, तो तृणमूल कांग्रेस के अधिकांश सांसदों का ऋतव्रत बनर्जी गुट में जाना केवल उस व्यापक स्थिति का परिचायक होगा, जिससे पार्टी गुजर रही है।

तृणमूल कांग्रेस के निर्वाचित प्रतिनिधि, एक के बाद एक, पार्टी और अपने पदों को छोड़ रहे हैं। ऐसा ही एक नाम बिधाननगर नगर निगम की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती का है, जिन्होंने आज अपना इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में पुष्टि की कि मौजूदा परिस्थितियों में काम करना अब संभव नहीं रहा है।

हालाँकि उसी बिधाननगर क्षेत्र से निर्वाचित एक भाजपा विधायक ने दावा किया कि वे इसलिए पद छोड़ रही हैं, क्योंकि उन्हें अपनी कथित रूप से अत्यधिक बढ़ी हुई संपत्ति के उजागर होने का डर है। बताया जाता है कि उनके पास 17-18 संपत्तियाँ हैं, जो वर्तमान में गेस्ट हाउस के रूप में संचालित हो रही हैं।

इसके अलावा, उन्होंने अन्य अचल संपत्तियाँ भी अर्जित की हैं। पत्रकारों से बात करते समय वे दशकों की जनसेवा के बाद पद छोड़ने की बात करते हुए भावुक हो गईं और उनकी आँखों में आँसू थे।

यह असल में, तृणमूल कांग्रेस के विधायकों, पार्षदों, पदाधिकारियों और पद के दावेदारों के लिए एक बड़ी मुश्किल बन गई है। केन्द्रीय जाँच एजेंसियाँ इस समय तृणमूल कांग्रेस के कथित रूप से भ्रष्ट कार्यकर्ताओं की जाँच में तेजी से जुटी हुई हैं।

उदाहरण के लिए, एनआईए पूरे दिन तृणमूल के कुख्यात बाहुबली सौकत मोल्ला को पकड़ने की कोशिश करती रही। मोल्ला पर चुनाव से पहले कोलकाता के निकट भांगड़ क्षेत्र में हुए एक कथित बम हमले में शामिल होने का संदेह है, जिसमें एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी और कई अन्य घायल हुए थे।

सौकत मोल्ला की तलाश के दौरान, एनआईए को उनके विशाल संपत्ति साम्राज्य का भी पता चला, जिसमें मकान, कैफे, रेस्तराँ, इमारतें तथा कथित रूप से एक बारहमासी नदी की भूमि पर अवैध कब्जा शामिल है।

आरोप है कि सौकत ने नदी के पानी का प्रवाह रोककर, उसके किनारे विशाल क्षेत्र में भूमि विकसित कर ली थी, जिसका क्षेत्रफल हजारों एकड़ बताया जाता है। उनके बेटे ने उस भूमि पर एक कैफे बना लिया है और उनके भाई उसी क्षेत्र में एक पाँच सितारा होटल का निर्माण कर रहे हैं।

स्थानीय ग्रामीण कथित रूप से हत्या और धमकी के डर से विरोध नहीं कर सके।

कहा जाता है कि स्थानीय पुलिस भी सौकत मोल्ला और उनके पुत्र के प्रभाव में थी। एनआईए ने अब सौकत को 8 जून को तलब किया है, लेकिन माना जा रहा है कि वे उपस्थित नहीं होंगे।

पश्चिम बंगाल में अब कथित भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग, और दबंगों तथा पूर्व शासन - संरक्षित लोगों द्वारा किये गये अत्याचारों को लेकर व्यापक आक्रोश और विरोध दिखाई दे रहा है। ऐसे मामलों की संख्या इतनी अधिक बताई जा रही है कि किसी भी बेहद समर्पित व निष्पक्ष सरकार के लिए भी इनसे एक साथ निपटना मुश्किल है।

जनता की अपेक्षाएँ बहुत ऊँची हैं और यह एक पहेली बनी हुई है कि इन सभी समस्याओं का समाधान कैसे किया जाएगा।

केरल में मानसून ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कारण दृश्यता काफी कम हो गई, जिससे लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। इसके बावजूद तापमान में आई गिरावट से लोग राहत महसूस कर रहे हैं और झुलसा देने वाली गर्मी से छुटकारा मिलने पर संतोष जता रहे हैं।

स्थिति को देखते हुए, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 4 जून से 5 जून तक के लिए क्षेत्र में पुन: "येलो अलर्ट" जारी किया है। क्षेत्रीय मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले दो दिनों तक दिल्ली-एनसीआर में आसमान मुख्यत: बादलों से ढका रहेगा। पूर्वानुमान के अनुसार, इस अवधि में हल्की से मध्यम बारिश, बार-बार गरज के साथ छींटे पड़ने तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है, विशेषकर दिन के उत्तरार्ध में। दक्षिण भारत में मानसून के समय से पहले पहुंचने के कारण, उत्तर भारत के वातावरण में नमी की मात्रा बढ़ गई है, जिससे प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो गई हैं। जैसे-जैसे यह नम हवा उत्तर की ओर बढ़ रही है, वह दिल्ली-एनसीआर की स्थानीय मौसमी परिस्थितियों के साथ मिलकर तेज हवाओं, धूलभरी आंधियों और अनियमित गरज-चमक वाले तूफानों को जन्म दे रही है। मौसम विभाग के अनुसार, यह स्थिति 6 जून तक बनी रह सकती है। इन मौसमी गतिविधियों के कारण शहर के तापमान में 4 से 6 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आने की संभावना है, जिससे लोगों को राहत मिलेगी और सप्ताहांत तक लू की स्थिति काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को आधिकारिक रूप से केरल में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन की घोषणा की। यह महत्वपूर्ण घटना देश की चार महीने लंबी वर्षा ऋतु की शुरुआत का संकेत देती है, जो कृषि गतिविधियों और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। मानसून का आगमन सामान्य समय के अनुरूप हुआ है। यह 1 जून की सामान्य तिथि के आसपास, निर्धारित सात-दिवसीय अवधि के भीतर ही केरल पहुंच गया।

जल जीवन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अलावा, जितेन्द्र शर्मा, मुकेश गोयल और संजीव गुप्ता के फरार होने के चलते अदालत ने उनके गिरफ्तारी के स्थायी वारंट जारी कर रखे हैं।

ओटीएस चौराहे पर फ्लाईओवर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाईकोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इस प्रकरण में प्रथमद्रष्टया प्रभारी अधिकारी की ओर से अदालत में गलत बयानबाजी की गई है, जिसके तथ्य रिकॉर्ड से अलग पाए गए हैं। इसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। ऐसे में सक्षम अधिकारी कानून के अनुसार उचित कार्रवाई करें। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार को निष्पक्ष और तर्कसंगत तरीके से काम करना होगा। राजनीतिक कारणों से सरकार अपने संविदात्मक दायित्वों से बच नहीं सकती है। जेडीए एक तरफ कह रहा है कि कंपनी की वजह से देरी हुई, लेकिन दूसरी ओर जेडीए ने बिना जुर्माना लगाए कंपनी को उसकी बैंक गारंटी लौटा दी। यह कृत्य अदालत को गुमराह करने वाला है।

याचिका में कहा गया कि जेडीए ने ओटीएस चौराहे को सिग्नल फ्री और सौंदर्यीकरण कराने को लेकर टैंडर निकाले थे। याचिकाकर्ता जेसीएल इंफ्रा प्रा. लि. को टैंडर मिलने के बाद कंपनी को 6 जनवरी 2023 से 5 जनवरी 2024 तक काम पूरा करना था। इसी बीच सरकार बदलने के बाद जेडीए ने अनुबंध की शर्तों का हवाला देते हुए 24 अप्रैल 2024 को ठेका वापस ले लिया। इसके बाद 16 दिसंबर को याचिकाकर्ता की बैंक गारंटी भी वापस कर दी। वहीं 3 अप्रैल, 2025 को ओटीएस चौराहे पर फ्लाईओवर निर्माण की डी.पी.आर. बनाने के लिए 83 करोड़ रुपए का नया टैंडर जारी कर दिया।

अधिवक्ता एस.एस.होरा ने कहा कि याचिकाकर्ता कंपनी को दिया हुआ ठेका बिना किसी कारण और सुनवाई किए जेडीए ने वापस लिया है, जबकि कंपनी ने ड्रॉइंग्स और डिज़ाइन तैयार कर अनुमोदन के लिए पेश कर दिए थे। कंपनी ने प्रोजेक्ट के लिए पर्याप्त संसाधन जुटा लिए थे, लेकिन जरूरी अनुमतियां व साइट पर जमीन मुहैया नहीं करवाने के कारण काम आगे नहीं बढ़ सका। उन्होंने कहा कि यह निर्णय उन कारणों की वजह से लिया गया है, जो याचिकाकर्ता के नियंत्रण में नहीं है। उन्होंने बताया कि एमएनआईटी व ओटीएस द्वारा प्रोजेक्ट बदलने के 2023 में दिये गये ज्ञापनों पर जेडीए के अधिकारियों ने नया प्रोजेक्ट तैयार कर लिया था। अधिवक्ता एस.एस. होरा ने कहा कि नई डी.पी.आर. के लिए टैंडर निकालना पहले से तैयार डी.पी.आर. और प्रोजेक्ट को निरस्त करने जैसा है, जबकि कंपनी ने 64 बार पत्र लिखकर प्रोजेक्ट के ड्रॉइंग अप्रूवल के लिए लिखा था।

उधर जेडीए के अधिवक्ता अमित कुडी ने कहा कि याचिकाकर्ता को कई मौके देने के बाद भी काम शुरू नहीं होने पर नियमानुसार ठेका निरस्त किया गया है। इसके अलावा अब वहां 184 करोड रुपए के बजाए 83 करोड़ रुपए की लागत से फ्लाईओवर बनना है। जेडीए की तरफ से कहा गया कि जेसीएल इन्फ्रा ने समय पर प्रौजेक्ट पूरा करने के लिए जरूरी डिमांड व ड्राइंग जेडीए को उपलब्ध नहीं कराए थे और अनुबंध के अनुसार, उपयुक्त अधिकारी (स्थानीय एक्सईएन) ने समयावधि पूरी होने के बाद उचित प्रक्रिया से अनुबंध निरस्त किया था। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने फ्लाईओवर बनाने के लिए जारी डीपीआर को रद्द कर पुराने अनुबंध के आधार पर प्रोजेक्ट पूरा करने को कहा है।

राज्यसभा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रदेश से पूर्व सांसद और वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री मीनाक्षी नटराजन को टिकट दिया गया है। राजस्थान से नीरज डांगी को दोबारा राज्यसभा भेजने का फैसला किया गया है, जबकि तमिलनाडु से अर्थशास्त्री और पार्टी के रणनीतिकार प्रवीण चक्रवर्ती को उम्मीदवार बनाया गया है। झारखंड से प्रणव झा को पार्टी ने राज्यसभा चुनाव के लिए मैदान में उतारा है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908